राष्ट्रीय दैनिक

# प्रातःकिरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

11 रोहित ने अलग अंदाज में यशस्वी, सरफराज और जुरेल की ...

एलेक्सी नवलनी की मौत पर पुतिन की जगह ट्रंप ने साधा बाइडन पर ... 12

वर्ष : 14 | अंक : 279 | नई दिल्ली, बुधवार, 21 फरवरी, 2024 | विक्रम संवत् 2080 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

**मौसम**

अधिकतम तापमान 31°C

न्यूनतम तापमान 25.0°C

हां 30%
नहीं 50%
कह नहीं सकते 10%

**बाजार**

सोना 59,340

चांदी 55,350

सेंसेक्स 63,327

निफ्टी 18,816

## संक्षिप्त खबरें

### बैलेट पेपर की जांच कर रहे हैं जज, मत पत्रों में कोई गड़बड़ी नहीं; दोबारा होगी गिनती

चंडीगढ़/नई दिल्ली। चंडीगढ़ मेयर चुनाव को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई शुरू हो गई है। अदालत ने 30 जनवरी को हुए मतदान के बैलेट पेपर की जांच की। इसके बाद रउ ने कहा कि आप उम्मीदवार के पक्ष में डाले गए आठ वोटों पर अतिरिक्त निशान थे। अदालत ने मतदान और वोटों की गिनती की वीडियो फुटेज भी तलब की है। अदालत ने पीठासीन अधिकारी अनिल मसीह से भी पूछताछ की, जिसमें मसीह ने मान लिया कि उन्होंने आठ वोटों पर मार्क लगाए थे। अदालत मंगलवार को दो बजे चुनाव का पूरा वीडियो और बैलेट पेपर्स की जांच करेगी। पीठासीन अधिकारी अनिल मसीह ने भी मान लिया कि उन्होंने आठ बैलेट पेपरों पर निशान लगाए हैं, जिससे माना जा रहा है कि अब दोबारा चुनाव नहीं होंगे। आठ बैलेट पेपर के निशानों को नजरअंदाज कर वोटों की गिनती हो सकती है। ऐसा हुआ तो आप-कांग्रेस गठबंधन का मेयर बन सकता है।

### शिक्षा विभाग राज्य के सरकारी स्कूलों की अवधि में संशोधन करेगा: नीतीश कुमार

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को विधानसभा को आश्वासन दिया कि सरकारी स्कूलों में सुबह नौ बजे से शाम पांच बजे तक मौजूदा आठ घंटे की अवधि को दो घंटे कम किया जाएगा। विधानसभा में विपक्षी सदस्यों द्वारा किए गए हंगामे के बाद सदन के भीतर कुमार ने कहा, ह्यह्यशैक्षणिक गतिविधियों के लिए स्कूलों का समय केवल सुबह 10 बजे से शाम चार बजे तक होना चाहिए। यह सुबह नौ बजे से शाम पांच बजे नहीं होना चाहिए। मौजूदा समय पर उन्होंने कहा, ''यह गलत है।'' शिक्षा विभाग के हालिया आदेश का विरोध करते हुए विपक्षी सदस्य सदन के वेषम में आ गए और इस मुद्दे पर सरकार को जवाब देने को कहा। कुमार ने कहा, ''मैं तुरंत विभाग के सक्षम अधिकारी को फोन करूंगा और उन्हें समय बदलने का निर्देश दूंगा। आप (विपक्षी सदस्यों) लोगों को मुझे पहले बताना चाहिए था।

### तेजस्वी ने अपनी जन विश्वास यात्रा पर रवाना होने से पहले नीतीश पर साधा निशाना

पटना। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव जनता का भरोसा जीतने के खातिर अपनी ''जन विश्वास यात्रा'' की शुरूआत करने मंगलवार को पटना से मुजफ्फरपुर के लिए रवाना होने से पहले प्रदेश मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के महागठबंधन से अलग होकर पुराने सहयोगी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के साथ राज्य में नई सरकार बनाने के कारण सत्ता से बाहर हो चुके यादव अपनी इस यात्रा के जरिये 11 दिन में सभी 38 जिलों को कवर करने की कोशिश करेंगे। यादव पूर्ववर्ती महागठबंधन की सरकार में उप मुख्यमंत्री थे। इ अपनी 11 दिन की इस यात्रा पर रवाना होने से पहले उन्होंने पूर्जा-अर्चना की और गाय को रोटी खिलायी। इसके अलावा, यहां अपने पिता एवं राजद प्रमुख लालू प्रसाद और माता एवं पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी का आशीर्वाद लिया। अपनी पुत्री कात्यायनी को गोद में लेकर प्यार किया तथा उसके पैर को अपने माथे पर रखा।

# योगी आदित्यनाथ ने यूपी का कायाकल्प कर दिया : पीयूष गोयल

## केंद्रीय मंत्री ने उत्तर प्रदेश-निवेश प्रदेश के तहत एफडीआई कॉन्क्लेव को किया संबोधित

प्रात: किरण

लखनऊ/एजेंसी। केंद्रीय वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि सीएम योगी ने सात-आठ वर्षों में उत्तर प्रदेश का चित्र बदला, यहां की दिशा और दशा भी बदली। आज सामाजिक न्याय दिवस है। यह तब तक अधूरी है, जब तक समाज के हर वर्ग व व्यक्ति तक विकास न पहुंचे। योगी आदित्यनाथ ने इन सात-आठ वर्षों में यूपी का कायाकल्प किया है, लेकिन यह एक वर्ष उपलब्धियों भरा रहा है। यह उत्तर प्रदेश के इतिहास में सबसे महत्वपूर्ण वर्ष होगा। उन्होंने कहा कि आज पूरा विश्व उत्तर प्रदेश और लखनऊ के बारे में बातचीत कर रहा है। उत्तर प्रदेश ने सीएम योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व व पीएम नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में तेज गति से बदलाव का आनंद लिया है। उत्तर प्रदेश अब रुकने और थमने वाला नहीं है। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में उत्तर प्रदेश-निवेश प्रदेश के तहत मेन हैंगर में आयोजित एफडीआई कॉन्क्लेव ह्युयूपी-इमर्जिंग डेस्टिनेशन फॉर फॉरेन इनवेस्टमेंट इन इंडिया को संबोधित किया।

**निवेशक तभी आता है, जब उसे नेतृत्व-व्यवस्था व भविष्य पर विश्वास हो:** केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कोई भी निवेशक जब निवेश करने का निर्णय लेता है तो उसके सामने सबसे बड़ी शर्त होती है विश्वास। निवेशक तभी आता है जब उसे नेतृत्व, व्यवस्था और भविष्य पर विश्वास हो। जब यह तीनों विश्वास निवेशक को मिलते हैं तो वह प्रदेश में आने को तैयार होता है। इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ता है और 25 करोड़ लोगों को भी आत्मविश्वास मिलता है कि हमारा भी भविष्य उज्ज्वल होगा। गोयल ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में देश दुनिया के सामने मिसाल के तौर पर आत्मविश्वास से भरे हुए 140 करोड़ लोग निकल पड़े हैं तो सीएम योगी के नेतृत्व में यूपी का एक-एक व्यक्ति आत्मविश्वास के साथ कर्तव्य को निभा रहा है। यूपी में सुशासन देखने को मिलता है। गरीब कल्याण, नए इंफ्रास्ट्रक्चर को विकसित करने में केंद्र व राज्य सरकार डबल इंजन बनकर तेज गति दे रही है। अब उत्तर प्रदेश रुकने और थमने वाला नहीं है। आने वाले दिनों में विश्व भर में भारत व यूपी की प्रसिद्धि हो रही है। आज पूरा विश्व भारत की तरफ देखता है कि भारत विश्व की अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में बड़ी भूमिका निभाएगा। वैसे ही देश देखता है कि उत्तर प्रदेश भारत की अर्थव्यवस्था को आगे ले जाने में बड़ा योगदान देगा।

**2017 से पहले यूपी की कानून व्यवस्था से सभी भलीभांति अवगत हैं:** गोयल ने कहा कि जब निवेश की बात होती है तो देश के साथ जुड़े तीन-चार प्रमुख विषयों पर निवेशक का ध्यान आकर्षित होता है। वो देखता है कि देश में किस प्रकार की अर्थव्यवस्था है। क्या देश मजबूत स्थिति में है। क्या देश की अर्थव्यवस्था अच्छे तरीके से संभाली जा रही है। देश के पास पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध होंगी या नहीं। उत्तर प्रदेश की व्यवस्था देखें तो 2017 के पहले यहां की कानून व्यवस्था से भलीभांति सभी अवगत हैं। 2017 के पहले भेदभाव की राजनीति थी, व्यवस्थाएं चरमरा रही थीं। राज्य की अर्थव्यवस्था कमजोर थी, जिसके कारण नया निवेश, नया उद्योग न के बराबर थे। चीनी मिलें बंद पड़ी थीं। किसानों की हालत बहुत कमजोर हो गई थी। इंफ्रास्ट्रक्चर में वृद्धि नहीं हो रही थी। रेलवे प्रोजेक्ट ठप पड़े थे। इनलैंड वाटर, मल्टीलेवल ट्रांसपोर्ट फैसिलिटी, एयरपोर्ट आदि व्यवस्थाएं कमजोर स्थिति में थीं।

# सरकार अब किसी परिवार की नहीं, बल्कि जम्मू-कश्मीर की सेवा कर रही है : पीएम

## प्रधानमंत्री ने जम्मू में 32,000 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया

प्रात: किरण

जम्मू/नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि हमने विकसित जम्मू-कश्मीर का संकल्प लिया है। विकसित भारत का मतलब विकसित जम्मू-कश्मीर है। उन्होंने जम्मू-कश्मीर को परिवार संचालित पार्टियों का शिकार बताते हुए कहा कि सरकार अब किसी परिवार की नहीं, बल्कि जम्मू-कश्मीर की सेवा कर रही है। प्रधानमंत्री जम्मू में 32, 000 करोड़ रुपये की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने के बाद जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

प्रधानमंत्री ने डोगरी में अपने संबोधन की शुरूआत करते हुए वादा किया कि कोई भी पात्र नागरिक लाभ से नहीं चूकेगा। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में परियोजनाएं क्षेत्र के समग्र विकास को बढ़ावा देंगी। जनसभा में मोदी ने पिछले 10 वर्षों में जम्मू-कश्मीर सहित पूरे भारत में हुए विकास कार्यों का लेखा-जोखा रखा। परिवारवाद की राजनीति को लेकर कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने दशकों तक झूठ बोला है। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों के साथ बातचीत भी की।प्रधानमंत्री ने कहा कि अब हमने विकसित जम्मू-कश्मीर का संकल्प लिया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि हम विकसित जम्मू-कश्मीर बनाकर रहेंगे। उन्होंने कहा, ह्आपके सपने पिछले 70 साल से अधूरे हैं। हालांकि आपके सपने आने वाले कुछ ही वर्षों में मोदी पूरे करके देगा।ह्व प्रधानमंत्री ने उस समय को याद किया जब जम्मू-कश्मीर से सिर्फ बम, अपहरण और अलगाव की निराशाजनक खबरें ही आती थीं। उन्होंने कहा कि आज जम्मू-कश्मीर विकसित होने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है।

आगामी लोकसभा चुनावों में भाजपा की जीत का दावा करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मैंने सभी को बता दिया है कि भाजपा को 370 सीटें और एनडीए को 400 से ज्यादा सीटें मिलेंगी। मोदी ने कहा कि मैंने इस जगह पर 2014 में जो वादा किया था उसे पूरा किया। आज हमारे पास जम्मू में आईआईटी और आईआईएम हैं। यही कारण है कि लोग कहते हैं कि मोदी की गारंटी का मतलब गारंटी पूरी करने की गारंटी है। प्रधानमंत्री ने पूर्व सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि जो सरकार अपने परिवारों के बारे में चिंतित है वह राज्य के युवाओं के बारे में नहीं सोचती। प्रधानमंत्री ने कहा कि जम्मू-कश्मीर दशकों तक परिवारवाद की राजनीति का शिकार रहा है। उन्होंने कहा कि परिवारवाद की राजनीति का सबसे ज्यादा नुकसान युवाओं को हुआ है। ऐसी परिवारवादी सरकारें युवाओं के लिए योजनाएं बनाने पर भी प्राथमिकता नहीं देती। उन्होंने इस बात पर खुशी जाहिर की कि जम्मू-कश्मीर को इस परिवार राजनीति से मुक्ति मिल रही है। उन्होंने कहा कि आज हम एक नया जम्मू-कश्मीर बनते हुए देख रहे हैं। प्रदेश के विकास में सबसे बड़ी दीवार अनुच्छेद-370 की थी, इस दीवार को भाजपा सरकार ने हटा दिया है। अब जम्मू कश्मीर संतुलित विकास की ओर बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में भारत में रिकॉर्ड संख्या में स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय स्थापित हुए अकेले जम्मू-कश्मीर में 50 नए डिग्री कॉलेज स्थापित किए गए। मोदी ने कहा कि धारा 370 जम्मू-कश्मीर के विकास में मुख्य बाधा थी, भाजपा सरकार ने इसे हटा दिया। उन्होंने कहा कि जब मैं लखपति दीदी की बात करता हूं, तो दिल्ली के एसी कमरों में बैठकर जो दुनियाभर की गंध उछालते रहते हैं, उनके गले से उतरता ही नहीं हैं कि कोई गांव में लखपति दीदी बन सकता है। सायना जी आपने ये करके दिखाया है, अब उन्हें समझ आएगा कि ये हो सकता है।

### अनुच्छेद 370 विकास की राह में सबसे बड़ी बाधा था : प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाला अनुच्छेद 370 पूर्ववर्ती राज्य के विकास की राह में सबसे बड़ी बाधा था। मोदी ने कहा कि अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधानों को समाप्त करने के बाद जम्मू-कश्मीर ने सभी इलाकों और सभी क्षेत्रों में संतुलित विकास देखा है जो अब एक केंद्रशासित प्रदेश है। जम्मू-कश्मीर के लिए 32,000 करोड़ रुपये से अधिक की कई परियोजनाओं और देश के अन्य हिस्सों के लिए 13,500 करोड़ रुपये की परियोजनाओं की शुरूआत करने के बाद एक रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार पहली बार जम्मू-कश्मीर में लोगों के दरवाजे पर पहुंची है। उन्होंने कहा, ''यह मोदी का गारंटी है और यह जारी रहेगा।''

प्रधानमंत्री ने कहा कि अनुच्छेद 370 जम्मू-कश्मीर में सर्वांगीण विकास लाने में मुख्य बाधा था जिसे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार ने निरस्त कर दिया। मोदी ने मंगलवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर को 'परिवारवाद' की राजनीति से मुक्ति मिल रही है और यह पूर्ववर्ती प्रदेश आज विकसित होने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा, ''एक वो दिन भी थे, जब जम्मू-कश्मीर से सिर्फ निराशा की खबरें आती थीं। बम, बंदूक, अपहरण, अलगाववाद ऐसी ही बातें जम्मू-कश्मीर का दुर्भाग्य बना दी गई थीं। लेकिन आज जम्मू-कश्मीर विकसित होने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है।''

प्रधानमंत्री ने कहा कि जम्मू-कश्मीर बहुत दशकों तक परिवारवाद की राजनीति का शिकार रहा है और परिवारवाद की राजनीति करने वालों ने हमेशा सिर्फ अपना स्वार्थ देखा, जनता के हितों की चिंता नहीं की। उन्होंने कहा, ''परिवारवाद की राजनीति का सबसे ज्यादा अगर कोई नुकसान उठाता है, तो हमारे युवा उठाते हैं। जो सरकारें सिर्फ एक परिवार को आगे बढ़ाने में जुटी रहती हैं, वो सरकारें अपने राज्य के दूसरे युवाओं का भविष्य ताक पर रख देती हैं।''

## शाह ने स्थापना दिवस पर अरुणाचल और मिजोरम के लोगों को बधाई दी

प्रात: किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को अरुणाचल प्रदेश के स्थापना दिवस पर राज्य के लोगों को बधाई दी और कामना की कि मुख्यमंत्री पेमा खांडू के नेतृत्व में राज्य विकास की नई ऊंचाइयों को छुएगा। शाह ने मिजोरम के स्थापना दिवस पर भी राज्य के लोगों को शुभकामनाएं दीं।

शाह ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''अरुणाचल प्रदेश के भाइयों और बहनों को राज्य के स्थापना दिवस की बधाई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सर्वसमावेशी विकास की नीति ने प्राकृतिक सुंदरता और जीवंत सांस्कृतिक विविधता से समृद्ध राज्य की आर्थिक क्षमता को नया आयाम देने में बहुत योगदान दिया है।'' उन्होंने कहा, ''मैं कामना करता हूं कि आने वाले समय में अरुणाचल प्रदेश के लोग पेमा खांडू के नेतृत्व में विकास की नई ऊंचाइयों को छुएं।'' शाह ने मिजोरम के लोगों को अपने संदेश में कहा कि यह राज्य देश की सांस्कृतिक विविधता का एक जीवंत उदाहरण है। उन्होंने कहा, ''प्रगति और भलाई के लिए मेरी शुभकामनाएं राज्य के लोगों के साथ हैं।'' अरूणाचल प्रदेश और मिजोरम को 1987 में आज ही के दिन राज्य का दर्जा दिया गया था।

## प्रवासी भारतीयों ने राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्यादय यात्रा का समर्थन किया

अमेठी (उप्र), एजेंसी। कांग्रेस पार्टी के फ्रंटल संगठन इंडियन ओवरसीज कांग्रेस की अगुवाई में प्रवासी भारतीयों का एक प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को यहां फुरसतगंज में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी से मिला और उनकी भारत जोड़ो न्यालय यात्रा का समर्थन किया।इंडियन ओवरसीज कांग्रेस उप्र इकाई के चेयरमैन कैप्टयन बंशीधर मिश्र ने बताया कि फुरसतगंज में आज कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी जी से एक प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की।मिश्र ने बताया कि इस प्रतिनिधिमंडल में ओवरसीज कांग्रेस के राष्ट्री य सचिव वीरेन्द्र वशिष्ठ और सुश्री आरती कृष्णा, तेलंगाना की पूर्व सांसद मधुयाक्षी गौड़, इंडियन ओवरसीज कांग्रेस अमेरिका के अध्यक्ष मोहिंदर सिंह गिलजियां, ओमान इकाई के अध्यक्ष रत्ना कुमार, शुभलता श्रेष्ठ (जर्मनी) आदि शामिल थे।

## किसान वही मांग रहे हैं, जिसका 2014 में मोदी ने किया था वादा: कांग्रेस

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने कहा है कि खेती बाड़ी छोड़कर मांगें मनवाने के वास्ते दिल्ली आने के लिए सड़कों पर उतरे किसान उसी न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की मांग कर रहे हैं, जिसका वादा 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनसे किया था लेकिन अब वह मुकर कर रहे हैं।

कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने मंगलवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि श्री मोदी अप्रैल 2014 में कह रहे थे कि एमएसपी किसानों का हक है, किसान भीख नहीं मांग रहे हैं लेकिन प्रधानमंत्री बनकर श्री मोदी किसानों से वादाखिलाफी कर रहे हैं। उन्होंने कहा, "पहले किसान आंदोलन में 700 से ज्यादा किसान शहीद हो गए लेकिन इनके कान पर जूं तक नहीं रेंगी। अब फिर से किसान दिल्ली आना चाहते हैं। किसानों के ट्विटर हैंडल बंद करके भाजपा उनकी आवाज दबाना चाहती है। न्यूज चैनलों में भी किसानों की बात खत्म होती जा रही है- यह दबाव बनाने का तरीका है।" श्री खेड़ा ने कहा, "कल 21 फरवरी को पंजाब में 'जैतो दा मोर्चा' मनाया जाता है। जब अंग्रेजों ने किसानों पर गोलियां चला कर काफी लोगों को मार दिया था, तब नेहरू जी वहां गए और किसानों को समर्थन दिया। 'जैतो दा मोर्चा' के कल 100 साल पूरे हो जाएंगे इसलिए श्री मोदी को नेहरू जी की शरण में जाना चाहिए और किसानों पर उनके विचार पढ़ने चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी को नेहरू जी से बहुत कुछ सीखने को मिलेगा।"

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी ही 'प्रधानमंत्री' नरेंद्र मोदी के सबसे बड़े आलोचक हैं। अब जैसे-जैसे श्री मोदी के झूठ सामने आ रहे हैं, वह इंटरनेट बंद करवा रहे हैं, हेडलाइन बदलवा रहे हैं। यहां तक कि प्रवर्तन निदेशालय, केंद्रीय जांच ब्यूरो तथा आयकर विभाग से डराकर विपक्ष के नेताओं को अपनी तरफ कर रहे हैं।

## एक्ट ईस्ट' नीति के क्रियान्वयन से पूर्वोत्तर को भरपूर लाभ मिल रहा है: धनखड़

प्रात: किरण

ईटानगर/एजेंसी। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने मंगलवार को कहा कि 'एक्ट ईस्ट' नीति के क्रियान्वयन से पूर्वोत्तर क्षेत्र में भरपूर लाभ मिल रहा है। अरुणाचल प्रदेश राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर राज्य का दौरा कर रहे धनखड़ ने कहा कि पूर्वोत्तर राज्यों की सांस्कृतिक विविधता के बिना भारत की समग्र संस्कृति अधूरी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी अरुणाचल प्रदेश के लोगों को उनके राज्य दिवस पर शुभकामनाएं दीं। मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ह्यअरुणाचल प्रदेश के स्था पना दिवस पर, वहां के निवासियों को मेरी शुभकामनाएं। अरुणाचल प्रदेश ने देश के विकास में उल्लेखनीय योगदान दिया हैं। अरूणाचल प्रदेश की जीवंत जनजातीय परंपराएं, जैव विविधता तथा संस्कृ ति बहुत प्रशंसनीय है। अरुणाचल प्रदेश आगामी वर्षों में समृद्धि के मार्ग पर अग्रसर रहे। शाह ने अरुणाचल प्रदेश के स्थापना दिवस

पर राज्य के लोगों को बधाई दी और कामना की कि मुख्यमंत्री पेमा खांडू के नेतृत्व में राज्य विकास की नई ऊंचाई को छुएगा। शाह ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''अरुणाचल प्रदेश के भाइयों और बहनों को राज्य के स्थापना दिवस की बधाई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सर्वसमावेशी विकास की नीति ने प्राकृतिक सुंदरता और जीवंत सांस्कृतिक विविधता से समृद्ध राज्य की आर्थिक क्षमता को नया आयाम देने में बहुत योगदान दिया है।''उन्होंने कहा, ''मैं कामना करता हूं कि आने वाले समय में अरुणाचल प्रदेश के लोग पेमा खांडू के नेतृत्व में विकास की नई ऊंचाई को छुए।''अरूणाचल प्रदेश और मिजोरम को 1987 में आज ही के दिन राज्य का दर्जा दिया गया था।उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि सरकार की 'एक्ट ईस्ट' नीति के क्रियान्वयन से पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र में बुनियादी ढांचे और संपर्क का अभूतपूर्व विकास हुआ है। उपराष्ट्रपति ने कहा, ''एक्ट ईस्ट नीति को लागू करने में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का दृष्टिकोण क्षेत्र में समृद्ध लाभ पहुंचा रहा है।

**कार्यक्रम** मुख्यमंत्री ने लखनऊ में अशोक लीलेंड की इलेक्ट्रिक वाहन फैक्ट्री के भूमिपूजन कार्यक्रम में लिया हिस्सा

# चाभी नहीं प्रोडक्शन शुरू करें, यूपी के साथ पूरे उत्तर भारत के बाजार को है आपका इंतजार : सीएम योगी

प्रात: किरण

- सीएम योगी ने कहा- जैसे हम इन्वेस्टर फ्रेंडली पॉलिसी लेकर आए, वैसे ही इन्वेस्टर्स को भी निवेश पब्लिक फ्रेंडली बनाएं

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को लखनऊ में अशोक लीलेंड की इलेक्ट्रिक वाहन फैक्ट्री के भूमिपूजन कार्यक्रम में हिस्सा लिया। यहां उन्होंने कहा कि हिंदुजा ग्रुप के प्रकाश जी और अशोक जी ने अभी मुझे डबल डेकर इलेक्ट्रिक बस की चाभी सौंपी है। चाहूंगा कि सिर्फ चाभी नहीं, बल्कि जल्दी से जल्दी वो यहां अपना प्रोडक्शन शुरू करें।

उत्तर प्रदेश का बाजार ही नहीं, बल्कि पूरे उत्तर भारत का बाजार उनका इंतजार कर रहा है। इससे पूर्व सीएम योगी को हिंदुजा ग्रुप की तरफ से डबल डेकर इलेक्ट्रिक बस की चाभी और मोमेंटो प्रदान किया गया। इस दौरान सीएम योगी ने प्लांट में इलेक्ट्रिक बसों का अवलोकन भी किया और उनके फीचर्स के बारे में भी जानकारी ली। हिंदुजा ग्रुप के अधिकारियों ने उन्हें ई व्हीकल्स की विशेषताओं से परिचित कराया। सीएम योगी ने हिंदुजा ग्रुप के प्रमुख लोगों और अधिकारियों के साथ मंत्रणा भी की।

**इन्वेस्टर्स भी लें इनीशिएटिव:** सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश का पहला इलेक्ट्रिक व्हीकल प्लांट अशोका लीलेंड के माध्यम से स्थापित होने जा रहा है। इस कार्यक्रम के शुभारंभ के लिए हिंदुजा ग्रुप, अशोका लीलेंड को शुभकामनाएं देता हूं। उत्तर प्रदेश में हम जैसे इन्वेस्टर फ्रेंडली पॉलिसी लेकर आते हैं। वैसे ही इन्वेस्टर्स को भी अपने निवेश को पब्लिक फ्रेंडली बनाना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि एक लाख स्कूली बस हैं हमारे पास, ये सब रिप्लेस हो जाएंगी इलेक्ट्रिक बसों में बशर्ते इस दिशा में हम लोगों ने थोड़ा भी इनीशिएटिव लिया तो। उन्होंने कहा उत्तर प्रदेश में एक लाख 5 हजार से अधिक राजस्व गांव हैं और दो लाख से अधिक मजरे हैं। अगर इन एक लाख गांवों को हमें शहरों से जोड़ना होगा तो भी सस्ती सेवा के लिए इलेक्ट्रिक बस सेवा सस्ती और लोकप्रिय माध्यम बन सकती है। इसमें हम अपने तमाम युवाओं को इस सर्विस के साथ जोड़ सकते हैं। यहां पर भी हिंदुजा ग्रुप भी कुछ इनीशिएटिव ले और स्टेट गवर्नमेंट भी इसको आगे बढ़ाए।

**बिहार, मध्यप्रदेश और नेपाल तक यूपी का बाजार:** सीएम योगी ने कहा कि एक-एक गांव को जोड़ने के लक्ष्य के साथ हमें आगे बढ़ना होगा। उत्तर प्रदेश के अंदर गांव को शहर से जोड़ने के लिए प्रयास करना होगा। गांव का प्रोडक्ट शहर में आए, इसके लिए माल ढोने वाले छोटे ट्रक का उपयोग किया जा सकता है। फिर चीनी प्लांट के रूप में हम लोग दूध को दुग्ध समितियों के साथ जोड़कर सिटी में लाने में योगदान दे सकेंगे तो यह बहुत बड़ा मार्केट आपको अकेले यूपी में मिलेगा। यूपी का मतलब यूपी नहीं है,यूपी का मतलब बिहार भी, मध्यप्रदेश भी और नेपाल भी, यूपी के साथ किसी न किसी रूप में जुड़ा हुआ है। ये सभी राज्य इस सुविधा का लाभ लेंगे।

**यूपी की ई व्हीकल पॉलिसी इन्वेस्टर्स के लिए भी और बायर्स के लिए भी:** सीएम योगी ने प्रदेश सरकार द्वारा लागू इलेक्ट्रिक व्हीकल पॉलिसी का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी के द्वारा सोमवार को 10 लाख 24 हजार करोड़ रुपए के निवेश कार्यक्रमों का शुभारंभ किया गया है।

आज इसी के तहत अशोका लीलेंड ने अपने कार्य को शुरू भी कर दिया है। विश्वास व्यक्त करता हूं कि उत्तर प्रदेश का बाजार आपका इंतजार कर रहा है। जितनी जल्दी और तेजी के साथ आप अपने कार्य को आगे बढ़ा सकते हैं, ये आप पर निर्भर करेगा। उत्तर प्रदेश सरकार अपनी पॉलिसी के अंतर्गत हर इलेक्ट्रिक बस में 20 लाख रुपए तक की इन्सेंटिव दे रही है। इलेक्ट्रिक व्हीकल के लिए यूपी की पॉलिसी अलग है। यह इन्वेस्टर्स के लिए भी है और खरीदने वाले के लिए भी है। यह देश की सबसे अच्छी पॉसलिसी में से एक है। इसका लाभ इन्वेस्टर्स के साथ-साथ इलेक्ट्रिक व्हीकल खरीदारों को भी मिलेगा। इसके माध्यम से प्रधानमंत्री जी का जो लक्ष्य है कि नेट जीरो के लक्ष्य को हमें प्राप्त करना ही होगा। उस दिशा में यह एक सकारात्मक कदम होगा। इस अवसर पर हिंदुजा ग्रुप भारत के अध्यक्ष अशोक हिंदुजा, औद्योगिक विकास आयुक्त मनोज कुमार सिंह, यूपीसीडा के सीईओ मयूर माहेश्वरी और हिंदुजा ग्रुप के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

## संक्षिप्त समाचार

### जी-20 के बाद प्रदेश की ख्याति दूर-दूरत तक फैली : राधा रतूड़ी

**ऋषिकेश, एजेंसी।** उत्तराखंड की पहली महिला मुख्य सचिव राधा रतूड़ी परमार्थ निकेतन पहुंची। आश्रम में उन्होंने परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानंद सरस्वती से भेंट कर उनका आशीर्वाद लिया। मुख्य सचिव ने परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष के साथ उत्तराखंड के कुछ विषयों पर चर्चा की। उन्होंने परमार्थ निकेतन गंगा घाट पर आयोजित गंगा आरती में प्रतिभाग किया। मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड इतिहास, धर्म, दर्शन, सभ्यता, संस्कृति, विकास, प्रकृति सौंदर्य के साथ-साथ पर्वतीय अंचल पर्यटन के क्षेत्र में अद्भुत कार्य कर रहा है। जी-20 के बाद तो उत्तराखंड की ख्याति विश्व मानचित्र में दूर-दूर तक फैली है। इससे पूर्व स्वामी चिदानंद सरस्वती ने राधा रतूड़ी को रुद्राक्ष का पौधा भेंट किया। स्वामी चिदानंद सरस्वती ने कहा कि उत्तराखंड जितना अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए जाना जाता है, उतना ही अपनी संस्कृति के लिए भी विख्यात है। इस दिव्यता और अनुपम सौंदर्य से युक्त राज्य की अनूठी संस्कृति है। पारंपरिक संस्कार, अनुष्ठान, आस्था, विश्वास, लोकगीत, रीति-रिवाज, भाषा व आपसी सौहार्दपूर्ण और मैत्रीपूर्ण वातावरण अद्भुत है। पूरे पहाड़ को मातृशक्ति ने संभाल कर रखा है।

### मकानों में लगातार बढ़ रही दरारें, हल्दापानी में भूस्खलन ट्रीटमेंट

**चमोली, एजेंसी।** कार्यदायी संस्था की ओर से भारी मशीनों से भूमि के अंदर ड्रिल की जा रही है जिससे कई मकानों में दरारें आ गई है। दरारें लगातार बढ़ रही हैं। नगर के हल्दापानी भूस्खलन क्षेत्र के ट्रीटमेंट के दौरान प्रभावितों के मकानों में दरारें आ रही हैं। साथ ही कुछ मकानों से गंदे पानी का रिसाव भी हो रहा है। सोमवार को बदरीनाथ विधायक राजेंद्र भंडारी के नेतृत्व में प्रभावित परिवारों ने जिलाधिकारी से भेंट कर उन्हें ज्ञापन सौंपा और क्षेत्र के निरीक्षण की मांग की। प्रभावितों ने कहा कि पिछले दो माह से भूस्खलन का ट्रीटमेंट कार्य चल रहा है। ट्रीटमेंट के लिए कार्यदायी संस्था की ओर से भारी मशीनों से भूमि के अंदर ड्रिल की जा रही है जिससे कई मकानों में दरारें आ गई है। दरारें लगातार बढ़ रही हैं। कहा गया कि कई मकानों से गंदे पानी का रिसाव भी हो रहा है। जिलाधिकारी हिमांशु खुराना ने प्रभावितों को आश्वासन दिया कि जल्द एक टीम गठित कर प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण किया जाएगा। इस मौके पर अनिता देवी, देवेश्वरी, आशा, रोशनी थपलियाल, प्रीति नेगी, गोदांबरी, मीना, रेखा, माहेश्वरी, विनिता, योगेंद्र सिंह बिष्ट आदि मौजूद रहे।

### पंडित दीन दयाल उपाध्याय पुल की रंग-बिरंगी लाइटें खराब

**रूड़की, एजेंसी।** रंग-बिरंगी लाइटों से जगमग करने वाले पंडित दीन दयाल उपाध्याय पुल पर अब अंधेरा है। इस पुल पर लोग शाम के समय अक्सर घूमने आते हैं। रंग-बिरंगी लाइट न जलने से स्थानीय लोगों में निराशा है। सिविल लाइंस और बीटी गंज बाजार को जोड़ने वाले पंड़ित दीन दयाल उपाध्याय पुल जब बना था तो उस समय रंग-बिरंगी लाइटें लगी थी। जिससे इस पुल की खूबसूरती और ज्यादा बढ़ जाती थी। लोग शाम के समय यहां आकर सेल्फी लेते थे। इस पुल का नाम भी प्रकाश पुल पड़ गया था। अब इस पुल पर स्ट्रीट लाइट तो लगी हैं, लेकिन काफी समय से रंग-बिरंगी लाइटें खराब पड़ी है। पुल पर गंगनहर के पानी की तरफ एंगल पर लगाई गई लाइटें बंद हैं। जिससे रात के समय इस पुल की खूबसूरती पहले की तरह नजर नहीं आती है। लोगों का कहना है कि पुल पर जलने वाली रंग-बिरंगी लाइटों को देखने के लिए शाम के समय गंगनहर घाट पर भीड़ लग जाती थी। लोग परिवार और दोस्तों के साथ यहां सेल्फी लेते थे। लेकिन अब लाइट नहीं जलने से लोग निराश हैं। नगर निगम के सहायक नगर आयुक्त एसपी गुप्ता ने बताया कि पुल की लाइट को ठीक कराया जाएगा।

# उपद्रव ने आर्थिक गतिविधियों के केंद्र हल्द्वानी को दिया गहरा जख्म

## करोड़ों का कारोबार प्रभावित

**हल्द्वानी, एजेंसी।** बनभूलपुरा में हुए उपद्रव से हल्द्वानी आठ दिन तक प्रभावित रहा। आठ फरवरी की शाम से 11 फरवरी तक बाजार पूरी तरह बंद रहा। कारोबारियों के मुताबिक आठ दिन में 40 करोड़ से अधिक का कारोबार प्रभावित हुआ है।

बनभूलपुरा क्षेत्र में हुए उपद्रव से कुमाऊं की आर्थिक गतिविधियों का केंद्र हल्द्वानी आठ दिन तक प्रभावित रहा। आठ फरवरी की शाम से 11 फरवरी तक बाजार पूरी तरह बंद रहा। जबकि बनभूलपुरा में आठ दिन तक 24 घंटे कर्फ्यू का असर भी शहर के प्रमुख बाजार पर भी पड़ा। हर सेक्टर में कारीगर, पेंटर, मैकेनिक से लेकर कामगार तक नदारद रहे। सहालग सीजन के बावजूद अकेले मुख्य चार सेक्टर सराफा, कपड़ा, फर्नीचर और इलेक्ट्रानिक कारोबार को तगड़ा झटका लगा है। कारोबारियों के मुताबिक आठ दिन में 40 करोड़ से अधिक का कारोबार प्रभावित हुआ है।

इलेक्ट्रानिक उत्पादों की हल्द्वानी में 40 से अधिक दुकानें हैं। इनमें करीब 20 दुकानें रेलवे बाजार में ही हैं जो बनभूलपुरा क्षेत्र से सेटा हुआ है। यहां आठ दिन तक 80 से 90 फीसदी कारोबार प्रभावित रहा। प्रमुख डीलर रोहित गुप्ता ने बताया कि सीजन के समय हर दिन एक दुकान में दो से तीन लाख का कारोबार होता है। शहर में अन्य जगहों पर करीब 40 फीसदी कारोबार प्रभावित हुआ। इस हिसाब से छह करोड़ से अधिक का कारोबार प्रभावित हुआ है।

सराफा बाजार में सप्ताह भर में छह करोड़ के कारोबार के प्रभावित होने की बात कही जा रही है। होलसेल का काम देख रहे ग्रीन सिटी सर्राफ एंड स्वर्णकार एसोसिएशन अध्यक्ष घनश्याम रस्तोगी ने बताया कि वह कुमाऊं के 10 से 12 व्यापारियों को सहालग की डिमांड का सामान नहीं दे सके। सराफा कारोबारी अतुल वर्मा ने बताया कि बंद के दौरान

होलमार्क का काम नहीं हुआ। कारीगर नहीं मिलने से दुकानों में कटिंग का काम प्रभावित रहा। प्रांतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के प्रदेश अध्यक्ष नवीन वर्मा ने बताया कि हल्द्वानी में इस दौरान करीब 6.40 करोड़ का कारोबार प्रभावित हुआ।

हल्द्वानी में तकरीबन आठ कार शोरूम और 14 दोपहिया वाहन शोरूम हैं। कार बाजार में एक माह में एक हजार नए वाहन बिक जाते हैं। इस दौरान करीब 80 करोड़ का कारोबार हो जाता है। डेढ़ हजार दोपहिया वाहन बिक जाते हैं। ऑटोमोबाइल सेक्टर से जुड़े भूपेश अग्रवाल ने बताया कि रामपुर रोड पर होने के कारण शोरूम सिर्फ एक ही दिन बंद हुए। सबसे ज्यादा नुकसान मैकेनिक न होने से वर्कशाप को उठाना पड़ा। कुल 15 से 20 करोड़ के कारोबार पर फर्क रहा।

हल्द्वानी में फर्नीचर का काम सबसे ज्यादा होता है। 150 से अधिक दुकानें हैं। कारोबारी विपिन गुप्ता ने बताया कि छोटी दुकान में 30 तो वहीं बड़ी दुकानों में एक लाख का काम एक दिन में प्रभावित हुआ। औसत के हिसाब से आठ दिन में करीब छह करोड़ का कारोबार प्रभावित हुआ है।

हल्द्वानी में कपड़े की 150 से अधिक दुकानें हैं और पूरे पहाड़ से लोग यहां कपड़ा खरीदने पहुंचते हैं। नया बाजार में प्रमुख कपड़ा कारोबारी स्वर्णलाल एंड संस के स्वामी सुनील कुमार ने बताया कि इस समय सीजन चल रहा है। 150 दुकानों के हिसाब से देखा जाए तो हर दिन दो करोड़ का कारोबार प्रभावित रहा है।

### कहीं प्राइवेट बस तो कहीं टेंपो के भरोसे तय हो रहा सफर

रूड़की, एजेंसी। रुड़की रोडवेज के दायरे में आने वाले कई मार्गों पर आज भी यात्री कहीं प्राइवेट बसों तो कहीं टेपों के भरोसे निर्भर हैं। लक्सर, झबरेड़ा, देवबंद मार्ग पर यात्री लंबे समय से रोडवेज बसों का संचालन किए जाने की मांग करते आ रहे हैं। परिवहन निगम की बसें नहीं चलने पर इन रूटों पर यात्री निजी और डग्गामार वाहनों से अपने गंतव्य तक पहुंच रहे हैं।

रुड़की रोडवेज बस अड्डे से हर दिन दिल्ली, देहरादून, चंड़ीगढ़, मुजफ्फरनगर, हरिद्वार, ऋषिकेश, हल्द्वानी आदि रूटों पर बसों का संचालन होता है। इन रूटों पर बसों के चलने से यात्रियों को काफी सुविधा हो रही है। वहीं, लोकल के कुछ रूट ऐसे भी हैं जिन पर यात्री लंबे समय से परिवहन निगम की बसों के चलाए जाने की मांग करते आ रहे हैं। इन रूटों पर मुख्य रूप से लक्सर वाया हरिद्वार, मंगलौर-झबरेड़ा-भगवानपुर और देवबंद रूट शामिल हैं। स्थानीय यात्री यातायात सुविधा के लिए परेशान रहते हैं।

इन रूटों पर परिवहन निगम की बसों का संचालन नहीं होने से लोग निजी बसों, टेंपो और डग्गामार वाहनों में सफर करने पर मजबूर हैं। लक्सर और देवबंद मार्ग पर निगम की बसों का पूर्व में संचालन किया गया था। तीन साल पहले इन रूटों पर डग्गामार और निजी बसों का संचालन बढ़ने से निगम को अपनी बसों का संचालन बंद करना पड़ा। बीच में एक बार फिर लक्सर रूट पर निगम ने बस चलाई, लेकिन इस बस को लंढौरा से आगे नहीं जाने दिया। इसके बाद निगम ने भी इन रूटों पर बसें चलाने की कोशिश नहीं की। ऐसे में स्थानीय यात्री केवल निजी बस और टेंपो के भरोसे सफर तय कर रहे हैं।

### धामी सरकार ने किए अयोध्या में रामलला के दर्शन

देहरादून, एजेंसी

देहरादून। मंगलवार को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अपने कैबिनेट सहयोगियों के साथ अयोध्या में रामलला के दर्शन किए। इस दौरान सभी बेहद उत्साहित और भक्ति भाव में डूबे हुए नजर आए। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी मंत्रिमंडल में अपने सहयोगियों सतपाल महाराज, प्रेमचंद अग्रवाल, सुबोध उनियाल, डॉ धन सिंह रावत, रेखा आर्य एवं राज्यसभा सांसद नरेश बंसल के साथ जॉलीग्रांट एयरपोर्ट पहुंचे, जहां से वे अयोध्या धाम के लिए रवाना हुए। अयोध्या में महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा में पहुंचे पर मुख्यमंत्री धामी और उनके सहयोगियों का भव्य स्वागत हुआ। इस दौरान पूरा परिसर जय श्रीराम के नारों से गूंज उठा। यहां से वह राम जन्मभूमि के लिए रवाना हुए। मुख्यमंत्री एवं उनके सहयोगी श्री अयोध्या धाम में प्रभु राम को साष्टांग नमन कर पूजा अर्चना की। दर्शन करने के बाद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भावुक हो गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री रामलला के दर्शन से रोम-रोम भक्तिमय और मन प्रफुल्लित है। उन्होंने कहा कि रामलला को कई वर्षों तक टेंट

में रहना पड़ा। आज भव्य मंदिर में रामलाला के दर्शन किए। मैं भाव विह्वल हूं और प्रभु श्रीराम के चरणों में समर्पित हूं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रभु श्री राम की नगरी अयोध्या में उत्तराखंड वासियों के लिए उत्तराखंड सरकार राज्य अतिथि गृह बनाने की तैयारी कर चुकी है। 4700 वर्ग मीटर में बनने वाले इस राज्य अतिथि गृह को बनाने के लिए हमारी सरकार ने भूमि की खरीद को लेकर 32 करोड़ रुपए की धनराशि स्वीकृत की है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड से भगवान श्री राम के दर्शन करने के लिए अयोध्या पहुंचने वाले श्रीराम भक्तों को इस राज्य अतिथि गृह में सुविधा मुहैया करवाई जाएगी।

### दिन का कर्फ्यू हटने के बाद मुस्लिम धर्मगुरु ने जारी की वीडियो

**हल्द्वानी, एजेंसी।** बनभूलपुरा बवाल के बाद लगे कर्फ्यू में जिला प्रशासन ने बड़ी राहत दे दी है। अब पूरे बनभूलपुरा क्षेत्र में दिन का कर्फ्यू हटा दिया गया है। अतिक्रमण मुक्त किए गए स्थल के आसपास भी अब दिन में किसी तरह का प्रतिबंध नहीं रहेगा। केवल रात 10 से सुबह पांच बजे तक कर्फ्यू रहेगा।

डीएम वंदना की ओर से रविवार की रात को आदेश जारी किया। रविवार तक बनभूलपुरा में अतिक्रमण मुक्त स्थल की 100 मीटर की परिधि तक कर्फ्यू लगाया गया था। बाकी क्षेत्र में दिन का कर्फ्यू लगा था, लेकिन नए आदेश में कहा गया है कि 19 फरवरी से सुबह पांच बजे से रात 10 बजे तक कर्फ्यू से जुड़े सभी तरह के प्रतिबंध हटा दिए गए हैं।

अब बनभूलपुरा क्षेत्र में केवल रात 10 से सुबह पांच बजे तक कर्फ्यू रहेगा। वहीं, दिन भर सिटी मजिस्ट्रेट ऋचा सिंह, जोनल मजिस्ट्रेट एपी बाजपेयी, एसडीएम पारितोष वर्मा समेत पुलिस अधिकारी दिन भर क्षेत्र में भ्रमण करते रहे। लोगों से

शांति की अपील करते रहे। क्षेत्र के प्रतिनिधियों से भी वार्ता की गई। प्रतिनिधियों व धर्मगुरुओं ने भी अब शांति बहाली का आश्वासन दिया। वहीं कर्फ्यू की वजह से लोग परेशान हो रहे थे। अब 12वें दिन राहत मिल जाएगी।

जमीयत उलेमा देहरादून के नायब सदर अब्दुल सत्तार, जमीयत उलेमा उत्तराखंड के सदस्य मोहम्मद शाह, देहरादून के शहर अध्यक्ष मुस्तकीम, खुर्शीद आल व अब्दुल समद भी हल्द्वानी पहुंचे। उन्होंने क्षेत्र का जायजा लिया। वीडियो जारी कर उन्होंने कहा कि हमने पुलिस प्रशासन से वार्ता की और शांति बहाली की अपील की।

दुर्भाग्यपूर्ण घटना समझकर भूल जाना चाहिए। जो दूरियां हमारे अंदर पैदा हुई हैं, वह दूर हों। जिला प्रशासन ने हालात को सामान्य करने के लिए जो कदम उठाए, वह सराहनीय है। कर्फ्यू में और ढील देने के साथ ही निर्दोष को सजा न मिलने की मांग की। वहीं बनभूलपुरा की एक छात्रा ने भी जिला प्रशासन की तारीफ की और कहा कि कर्फ्यू में उनकी ओर से किए गए एक फोन से राहत सामग्री उपलब्ध हो गई थी।

### कुमाऊं विवि का एनसीसी एग्जाम अब इस तारीख को

**नैनीताल, एजेंसी।** कुमाऊं विवि के डीएसबी परिसर में नेशनल कैडेट कोर (एनसीसी) की सी प्रमाण पत्र की लिखित परीक्षा का प्रश्न पत्र लीक होने की सूचना फैलने से रविवार को परीक्षा स्थगित कर दी गई। अब यह परीक्षा 25 फरवरी को आयोजित की जाएगी। परीक्षा नहीं होने से नैनीताल, रामनगर सहित अन्य स्थानों के कैडेट्स को निराश होकर लौटना पड़ा।

रविवार आज सुबह 10 बजे से एनसीसी सी प्रमाण पत्र की लिखित परीक्षा होनी थी। 79 बटालियन के नेवल व आर्मी के तीन सौ कैडेट परीक्षा केंद्र पहुंचे थे। तभी कैडेट्स को बताया गया कि परीक्षा टल गई है। साथ ही सभी छात्रों के परीक्षा छोड़ वापस लौटने की जानकारी दी गई।

### बाघ के आतंक से परेशान ग्रामीणों ने कॉर्बेट पार्क बंद करने की दी धमकी, 3 दिन की दी मोहलत

नैनीताल, एजेंसी। उत्तराखंड के कॉर्बेट टाइगर रिजर्व (सीटीआर) से सटे गांवों में बाघ के आतंक से परेशान ग्रामीणों ने सरकार और कॉर्बेट पार्क प्रशासन को तीन दिन की मोहलत देते हुए कहा कि आदमखोर बाघ को जिंदा या मुर्दा पकड़े अन्यथा ग्रामीण कॉर्बेट पार्क में पर्यटन गतिविधियों को ठप करने के लिए बाध्य होंगे।

दरअसल, कॉर्बेट पार्क से सटे गांवों में पिछले तीन महीने से भी अधिक समय से आमदखोर बाघ का आतंक पसरा है। यहां आदमखोर कई लोगों को अपना शिकार बना चुका है। शनिवार को भी सीटीआर के ढेला रेंज में जंगल में लकड़ी बीन रही कला देवी को भी बाघ ने दिनदहाड़े अपना निवाला बना दिया था। इससे पहले भी कई लोगों को आदमखोर अपना शिकार बना चुका है। ग्रामीणों को बाघ के आतंक से निजात दिलाने के लिए संयुक्त संघर्ष समिति पिछले तीन महीने से आंदोलनरत है। संघर्ष समिति के बैनर तले प्रभावित गांवों के ग्रामीण और संगठनों के पदाधिकारी कानिया गांव में एकत्र हुए और उन्होंने सरकार और सीटीआर प्रशासन के खिलाफ आक्रोश व्यक्त किया।

वहीं संघर्ष समिति के ललित उप्रेती ने कहा कि आदमखोर कि आदमखोर बाघ पिछले 3 महीने से कई लोगों को शिकार बना चुका है। संघर्ष समिति बाघ को जिंदा या मुर्दा पकड़ने की मांग कर रही है लेकिन सरकार और सीटीआर प्रशासन के कानों में जूं तक नहीं रेंग रही है। उन्होंने कहा कि बाघ के आतंक के चलते सीटीआर से सटे गांवों में आम जनजीवन प्रभावित हुआ है। इस मौके पर भारी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। उन्होंने सरकार और सीटीआर प्रशासन को चेतावनी दी कि 3 दिन के अंदर आदमखोर बाघ को जिंदा या मुर्दा पकड़ें अन्यथा ग्रामीण कॉर्बेट पार्क को बंद करने को मजबूर होंगे।

इस मौके पर अन्य वक्ताओं ने सरकार से वन कानूनों में संशोधन की मांग की। वक्ताओं ने कहा कि सीटीआर और उत्तराखंड के जंगलों में बाघ और जंगली जानवरों की संख्या में काफी इजाफा हो गया है। इसलिए जनहित में वन कानूनों की समीक्षा किया जाए।

### पूर्व विधायक चैंपियन को हाईकोर्ट से नहीं मिली राहत, प्रगति रिपोर्ट तलब

**नैनीताल, एजेंसी।** उत्तराखंड में हरिद्वार के खानपुर के पूर्व विधायक कुंवर प्रणव सिंह चैम्पियन बुरे फंस गए हैं। उच्च न्यायालय ने उन्हें राहत नहीं देते हुए फिलहाल उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। साथ ही उनके खिलाफ दर्ज अभियोगों के मामले में सरकार से प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा है। पूर्व विधायक चैंपियन

पर उनके सरकारी गनर के साथ दुर्व्यवहार करने, धमकाने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप है। पीड़ित गनर गोकुल प्रसाद यादव की ओर से हरिद्वार के डालनवाला कोतवाली में इस महीने की शुरू में चैंपियन के खिलाफ अभियोग दर्ज करवाया है। चैंपियन ने गिरफ्तारी से बचने और प्राथमिकी निरस्त करने को लेकर उच्च न्यायलय का दरवाजा खटखटाया है। न्यायमूर्मि राकेश थपलियाल की पीठ में सुनवाई हुई। पूर्व विधायक की ओर से कहा गया कि उनके खिलाफ लगाए गए आरोप बेबुनियाद और राजनीति से प्रेरित हैं। वहीं दूसरी ओर सरकार ने कहा कि पूर्व विधायक के खिलाफ 2007 से 2015 तक 10 मामले दर्ज हैं। अधिकांश मामले विवेचनाधीन हैं। अदालत ने इसे गंभीरता से लेते हुए फिलहाल रोक लगाने से इनकार कर दिया। साथ ही सरकार को निर्देश दिए कि वह विधायक के खिलाफ दर्ज अभियोगों के मामले में प्रगति रिपोर्ट अदालत में पेश करें। पीठ ने याचिकाकर्ता के अधिवक्ता की याचिका वापस लेने की मांग को भी खारिज कर दिया। अदालत ने कहा कि वह इस मामले में मैरिट के आधार पर सुनवाई करेंगे। अदालत ने सुनवाई के दौरान बेहद गंभीर टिप्पणी भी की।

### हाफ मैराथन में दौड़ा रुड़की, चार हजार लोग शामिल

**रूड़की, एजेंसी।** प्रशासन की ओर से स्वीप कार्यक्रम के तहत हाफ मैराथन का आयोजन किया गया। जिसमें महिलाओं, युवा, बुजुर्ग और स्कूली छात्र-छात्राओं समेत 4285 लोगों ने हिस्सा लिया। मैराथन के जरिए स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने और मतदान करने के लिए प्रेरित किया गया। विजेताओं एवं प्रतिभागियों को मेडल, प्रमाणपत्र के साथ ही नकद पुरस्कार भी प्रदान किए गए।

हाफ मैराथन बीईजी के पवेलियन ग्राउंड से शुरू हुई। अलग-अलग आयु वर्ग में चार हजार से अधिक प्रतिभागियों ने दौड़ लगाई। मुख्य अतिथि बंगाल इंजीनियरिंग ग्रुप के कमांडेंट ब्रिगेडियर राजेश भट्ट, मुख्य विकास अधिकारी हरिद्वार प्रतीक जैन, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट दिवेश शाशनी ने झंडी दिखाकर प्रतिभागियों को रवाना किया। बीईजी कमांडेंट राजेश भट्ट ने कहा कि हम सभी की जिम्मेदारी है कि अपने आसपास के लोगों को वोट करने के लिए जागरूक करें। अपने देश की तरक्की और विकास के लिए इस कार्य में अपनी अहम भागीदारी दें।

मुख्य विकास अधिकारी प्रतीक जैन ने कहा कि हम सभी की जिम्मेदारी है कि अपने लोकतंत्र को मजबूत बनाएं और इसके लिए हमें सबसे पहले वोट करने की आवश्यकता है। उन्होंने युवा मतदाताओं से अपील की कि वह अपने बूथ स्थल पर जाकर वोट अवश्य करें और अपने देश की नींव को मजबूत बनाएं। ज्वाइंट मजिस्ट्रेट दिवेश शाशनी ने कहा कि मैराथन में जिस तरह से युवाओं ने प्रतिभाग किया है यकीन है कि आने वाले लोकसभा चुनाव में युवा लोकतंत्र को मजबूत बनाने में अहम भागीदारी निभाएंगे। सभी प्रतिभागियों को टी-शर्ट और प्रमाणपत्र दिए गए। 21 किलोमीटर की दौड़ पुरुष वर्ग में अश्वनी सैनी प्रथम, त्रिभुवन कुमार द्वितीय और प्रदीप तृतीय स्थान पर रहे। महिला वर्ग में प्रथम रिम्पी, द्वितीय अंजली और करीना तृतीय स्थान पर रही। इसी दौड़ में 50 वर्ष आयु से ऊपर वाले प्रतिभागियों में प्रथम मुकेश राणा, द्वितीय गोपाल कृष्ण रहे। 18 से 50 आयु वर्ग में प्रथम सिमक्कू, द्वितीय अमित और तृतीय विनायक सैनी रहे। महिला वर्ग में प्राची प्रथम, हर्षीनी द्वितीय और अंशु तृतीय स्थान पर रही। अंडर 18 पुरुष वर्ग पांच किलोमीटर में बादल कुमार प्रथम, मंजीत सिंह द्वितीय और दीपक सैनी तृतीय स्थान पर रहे। महिला वर्ग में मनीषा भारद्वाज प्रथम, मेघा द्वितीय और आरजू तृतीय स्थान पर रही। पांच किलोमीटर 50 वर्ष से ऊपर आयु पुरुष वर्ग में संजय कुमार, अंश जिंदल और सुरेश चंद तृतीय रहे और महिला वर्ग में रश्मि प्रथम, महकवती द्वितीय और उर्मिला तृतीय स्थान पर रही।

# समय से पहले पहुंची विदेशी चिड़िया, गीली मिट्टी से बनाते है ऐसा घोंसला

**नैनीताल, एजेंसी।** हर साल गर्मियों में दक्षिण अफ्रीका से आने वाली मेहमान चिड़िया अबाबील इस बार निर्धारित समय से डेढ़ माह पहले ही पहाड़ में नजर आने लगी है। कई चिड़िया ने घरों और दुकानों में घोसला भी बना दिया है। जलवायु परिवर्तन का असर मौसम पर पड़ने के साथ प्रवासी पक्षियों के जीवन पर भी पड़ने लगा है। हर साल गर्मियों में दक्षिण अफ्रीका से आने वाली मेहमान चिड़िया अबाबील इस बार निर्धारित समय से डेढ़ माह पहले ही पहाड़ में नजर आने लगी है। कई चिड़िया ने घरों और दुकानों में घोसला भी बना दिया है। वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि फरवरी में दिन के समय गर्मी होने से ही यह चिड़िया यहां पहुंच गई है। भवाली रेंज के रेंजर विजय मेलकानी का कहना है कि इस बार बर्फबारी नही होने से तापमान में वृद्धि हुई है। इसके चलते यह चिड़िया समय से एक माह पहले आ गई है। इस चिड़िया का

स्वभाव बेहद सरल होता है और यह आसानी से पकड़ में आ जाती है। इसे देखते हुए वन कर्मचारियों को इस पर नजर रखने को कहा गया है ताकि पक्षी का अवैध शिकार न हो सके। दक्षिण अफ्रीका की इस चिड़िया की 75 प्रजातियां हैं। अबाबील को अंग्रेजी में स्वेलो कहा जाता है। द नॉलेज आफ साइंस नामक पुस्तक में इस चिड़िया का नाम स्वैलो (हिरूडोरस्टिका) और मार्टिन (डोलोशोन उर्निका) बताया गया है। उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों में इसे धनपुतई और गौताई के नाम से भी जाना जाता है। दक्षिण अफ्रीका में इसे अबाबील के नाम से जाना जाता है। आमतौर पर अप्रैल के दूसरे सप्ताह में यह चिड़िया अंडे देती है। इस चिड़िया की खास बात यह है कि इसे जमीन पर बैठे नहीं देखा गया है। अधिकांश यह दुकानों और घरों में घोसला बनाते नजर आती है। छह माह प्रवास के बाद यह सितंबर में अपने मूल स्थान पर लौट जाती है। ये पक्षी गीली मिट्टी, कपास और मुंह की लार से घोंसला बनाते हैं। इनके हौसले की मजबूती का अंदाज आप इस बात से लगा सकते हैं कि जिस दीवार पर ये घोसला बनाते हैं, उसका प्लास्टर भले उखड़ जाता है लेकिन घोसले को नुकसान नहीं पहुंचता। यह पक्षी भारत भ्रमण पर 9 महीने के लिए निकलते हैं

# पानी के बढ़े बिल ठीक करने की योजना रोकने पर आप विधायकों का भाजपा के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता





केजरीवाल सरकार की वन टाइम सेटलमेंट स्कीम को रोकने के खिलाफ मंगलवार को आम आदमी पार्टी के विधायकों ने विधानसभा में भाजपा के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। केजरीवाल सरकार पानी के बढ़े बिलों से परेशान दिल्लीवालों को राहत देने के लिए यह स्कीम ला रही है लेकिन भाजपा शासित केंद्र सरकार के अधीन काम करने वाले अफसर इसके प्रस्ताव को कैबिनेट में नहीं रख रहे हैं। इससे दिल्लीवालों में आक्रोश बढ़ रहा है और अपने प्रतिनिधि विधायकों से राहत दिलाने के लिए लगातार संपर्क कर रहे हैं। जनता का यह आक्रोश आज विधायकों के जरिए विधानसभा में देखने को मिला। इस दौरान भाजपा शर्म करो, एलजी साहब अफसरों पर कार्रवाई करो समेत अन्य नारे लगा आम आदमी पार्टी के विधायकों ने इस योजना को लागू कराने की मांग की। विधायकों का हंगामा देख विधानसभा को स्थगित भी करना पड़ा। जिसके बाद आम आदमी पार्टी अए विधायक विधानसभा में गांधी प्रतिमा अए सामने बैठकर प्रदर्शन किए। आप के वरिष्ठ नेता और मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली में करीब 27 लाख लोग दिल्ली जल बोर्ड के उपभोक्ता हैं। उसमें से करीब 10 लाख 60 हजार यानि करीब 40 फीसदी उपभोक्ता ऐसे हैं जिन्होंने कई महीनों से अपने पानी का बिल नहीं दिया है। इसका कारण भी यहीं है कि उनका पानी का बिल उनके खपत के कहीं ज्यादा आया है, और उनका मानना है कि इन बिलों में गड़बड़ी है। इससे कुल मिलाकर ऐसी स्थिति पैदा हो गई है जिसमें उपभोक्ता पैसा नहीं दे रह है और दूसरी तरफ जल बोर्ड अपना बिल कम नहीं कर रहा है। इसके अलावा ब्याज और फाइन जुड़ने से लोगों का बिल लगातार बढ़ता ही जा रहा है। इस विषय में जल बोर्ड ने पिछले साल जब मैं डीजेबी का अध्यक्ष था तब एक वन टाइम सेटलेंट स्कीम पास की जिसके अंदर हम सारे उपभोक्ताओं के पानी के बिल की समस्याओं को हल करेंगे, ताकि वो अपने पुराने सही बिल के आधार पर औसतन एकमुश्त पैसे दे दें जिससे उनके बकाया बिल का एक बार में समाधान हो जाए और नए सिरे से फिर शुरूआत की जाए। मंत्री सौरभ भारद्वाज ने बताया कि दिल्ली जल बोर्ड ने इस योजना को जून 2023 में पास कर दिया था लेकिन इसके बावजूद अफसरों ने इस योजना को कैबिनेट के सामने लाने से मना कर दिया है। इस विषय में हमने एलजी साहब से भी आग्रह किया, जिसपर उन्होंने हमें आश्वासन दिया कि वो इस स्कीम को पास कराने में हमारी मदद करेंगे। सदन में भी ये मामला उठा और यह प्रस्ताव पास हुआ कि एलजी ऐसे अफसरों के ऊपर कार्रवाई करें। लेकिन अभी तक कोई कदम नहीं उठाए गए हैं। इसलिए हमारे विधायकों ने आज फिर से सदन के अंदर इस मुद्दे को उठाया है कि इसमें जल्द से जल्द कार्रवाई की जाए। इस योजना का कैबिनेट में लाया जाए और उन अफसरों के ऊपर कार्रवाई की जाए।

दिल्ली की जनता वन टाइम सेटलमेंट स्कीम चाहती है- आतिशी

वित्त मंत्री आतिशी ने कहा कि आज दिल्ली के लोगों की सबसे बड़ी परेशानी उनके घरों में आ रहे बढ़े हुए अनाप शनाप पानी के बिल। ये समस्या लगातार पिछल एक डेढ़ साल से चल रही है। इस कारण कुछ हद तक ये भी है कि कोविज के दौरान मीटर रीडर्स ने बिना मीटर की रीडिंग लिए पानी के बिल बनाए और लोगों के ऊपर पानी के बिलों का पोझ बढ़ता गया। आज एक आम परिवार में भी किसी का 40 हजार, 80 हजार, 1 लाख तो किसी का डेढ़ लाख का पानी का बिल भी आ रहा है। अरविंद केजरीवाल की सरकार के तहत दिल्ली जल बोर्ड ने एक वन टाइम सेटलमेंट स्कीम लाने का निर्णय लिया, जिसके तहत आपके पुराने बिलों के औसत के अनुसार आपके बिल को ठीक किया जाएगा। आज दिल्ली की जनता अपने पानी के बिलों के लिए ये वन टाइम सेटलमेंट स्कीम चाहती है। लेकिन बीजेपी ने षड़यंत्र रचकर इस स्कीम को पास होने से रोक दिया है। आज बीजेपी और उनके एलजी साहब का दिल्ली सरकार की पूरी अफसरशाही तंत्र पर नियंत्रण है, और वो आज अपनी पावर का गलत इस्तेमाल करके लोगों को राहत पहुंचाने वाले इस वन टाइम सेटलमेंट बिल को रोक रहे हैं। लेकिन दिल्ली के लोग आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल की सरकार के साथ है। दिल्ली के लोग ये देख रहे हैं कि किस तरह से सीएम अरविंद केजरीवाल उनके पानी के बिल ठीक करवाना चाहते हैं लेकिन बीजेपी उन्हें ऐसा करने से रोक रही है। वित्त मंत्री आतिशी ने कहा कि हमने एलजी साहब से भी आग्रह किया कि दिल्ली में इस प्रकार का संवैधानिक संकट पैदा मत होने दीजिए कि अफसर इस तरह से मंत्रियों की बात ही ना माने। हमने एलजी साहब से कहा कि दिल्ली के लोग पानी के बिलों से परेशान हैं लेकिन अफसरों ने अभी तक इस योजना को पास करने और लागू करने से मना कर दिया है। आज दिल्ली की विधानसभा में दिल्ली का जनता का गुस्सा उनके द्वारा चुने गए प्रतिनिधियों के माध्यम से दिखा। जिसके चलते आज विधानसभा के सत्र को भी स्थगित करना पड़ा। अगर पानी के बिल के लिए ये वन टाइम सेटमेंट स्कीम नहीं आए तो जो आक्रोश आज दिल्ली की विधानसभा में दिख रहा है, यही आक्रोश दिल्ली की सड़कों पर भी दिखेगा। अगर बीजेपी ने अफसरों के माध्यम से इस स्कीम को रोका तो अरविंद केजरीवाल की सरकार और उनका एक-एक सिपाही सड़क पर उतर कर संघर्ष करेगा और इस स्कीम को पास कराएगा।

# छात्र सिर्फ कोचिंग कक्षाओं पर न रहें निर्भर : उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता




उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने मंगलवार को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) के 37वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि छात्रों को सिर्फ कोचिंग कक्षाओं पर निर्भर नहीं रहना चाहिए।

धनखड़ ने दीक्षांत समारोह के दौरान क्लिक कर डिजिटल माध्यम से देश भर में स्थित इग्नू के सभी 69 क्षेत्रीय केंद्रों से पढ़ाई पूरी करने वाले तीन लाख आठ हजार 605 छात्र-छात्राओं को डिग्री प्रदान की। अपने संबोधन के दौरान उन्होंने कहा कि आज छात्रों को सरकार में अच्छे पद पाने के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं से परे सोचना चाहिए और उन अवसरों का पता लगाना चाहिए जो अब उनके लिए उपलब्ध हैं।

उपराष्ट्रपति ने सभी पहलुओं में भारत की विकास गाथा का उल्लेख करते हुए इस बात पर बल दिया कि अब राष्ट्र अपने संसाधनों से परिभाषित नहीं है; बल्कि अब देश अपनी असीमित क्षमता का अनुभव कर रहा है। भारत एक राष्ट्र के रूप में स्वयं को दृढ़ता से स्थापित कर चुका है। उन्होंने छात्रों से कहा कि वे एक ऐसे भारत में प्रवेश कर रहे हैं, जो अब सुषुप्त अवस्था से जागृत अवस्था में प्रवेश कर चुका है।

देश में सक्षम इकोसिस्टम को रेखांकित करते हुए उन्होंने छात्रों विकास की इस अविश्वसनीय गति का लाभ उठाने, पारदर्शिता का उपयोग करने और आर्थिक उन्नति के परिदृश्य से लाभान्वित होने तथा अवसरों को व्यक्तिगत उत्कृष्टता में परिवर्तित करने का आग्रह किया।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि असाधारण आधारभूत अवसंरचना विकास, व्यापक प्रौद्योगिकी युग में प्रवेश, डिजिटलीकरण की तीव्र गति और पारदर्शी एवं जवाबदेह शासन के प्रति प्रतिबद्धता अब केवल प्रचलित शब्द नहीं बल्कि वास्तविकता बन चुके हैं।

उन्होंने कहा कि नई दिल्ली में आयोजित जी20 शिखर सम्मेलन भारतीय नेतृत्व का प्रमाण बन गया है। छात्रों को यह याद दिलाते हुए कि वे परिवर्तनकारी प्रौद्योगिकी में नए रुझानों से प्रेरित दुनिया में प्रवेश कर रहे हैं, उपराष्ट्रपति ने छात्रों का आह्वान किया भारत@2047 के सच्चे सैनिक बनने के लिए ऐसी प्रौद्योगिकियों को अपनाएं। उन्होंने कहा कि भारत की गतिशील स्टार्टअप संस्कृति ने विश्व का ध्यान आकृष्ट किया है। उन्होंने कहा कि कुछ महान नवाचार और सफलताएं ऐसे व्यक्तियों की खोज है, जिन्होंने लीक से हटकर सोचने का साहस किया है, जिन्होंने निडर होकर यथास्थिति को चुनौती दी है।

# अस्थाना के खिलाफ जांच को लेकर दंत चिकित्सक की याचिका न्यायालय में खारिज

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता



उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली पुलिस के पूर्व आयुक्त राकेश अस्थाना के खिलाफ भ्रष्टाचार-निवारण कानून के तहत मुकदमा चलाने के निर्देश को लेकर एक दंत चिकित्सक की याचिका मंगलवार को खारिज कर दी।

चंडीगढ़ निवासी डॉ. मोहित धवन ने दिल्ली उच्च न्यायालय के उस आदेश को शीर्ष अदालत में चुनौती दी थी जिसमें इसने अस्थाना के खिलाफ दंत चिकित्सक की शिकायत पर मुकदमा चलाने का अनुरोध ठुकरा दिया था। न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति प्रसन्ना भालचंद्र वराले की पीठ ने कहा, संविधान के अनुच्छेद 136 के तहत किसी हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं है। संविधान का अनुच्छेद 136 विशेष अनुमति याचिकाओं (एसएलपी) की अनुमति देने के बारे में उच्चतम न्यायालय की विवेकाधीन शक्तियों को संदर्भित करता है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने 15 फरवरी, 2021 को अस्थाना के खिलाफ धवन की शिकायत पर जांच करने और आपराधिक मुकदमा शुरू करने के लिए केंद्र, केंद्रीय सतर्कता आयोग और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को निर्देश देने संबंधी याचिका खारिज कर दी थी। उच्च न्यायालय ने याचिकाकर्ता पर 20,000 रुपये का जुर्माना लगाते हुए याचिका खारिज कर दी थी और जुर्माने की राशि दिल्ली उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति को सौंपने का निर्देश दिया था। शीर्ष अदालत में अपनी याचिका में धवन ने दावा किया था कि उच्च न्यायालय ने यह नहीं मानकर त्रुटि की है कि केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत अस्थाना के खिलाफ उनकी आपराधिक शिकायत को दबाकर अपने संवैधानिक कर्तव्य को निभाने में विफल रहा।

याचिका में आरोप लगाया गया है कि उच्च न्यायालय ने इस बात की पड़ताल नहीं की कि सीवीसी और सीबीआई दोनों याचिकाकर्ता द्वारा दायर आपराधिक शिकायतों पर निर्णय लेने में विफल रहे थे।

धवन ने दलील दी थी कि उन्होंने 2019 में तत्कालीन सीबीआई निदेशक के समक्ष अस्थाना के खिलाफ शिकायत दर्ज की थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने पुलिस पर जबरन वसूली, उत्पीड़न और दस्तावेजों में हेराफेरी के आरोप लगाए थे। दंत चिकित्सक ने पहले अपने आरोपों के आधार पर अस्थाना के खिलाफ जांच करने और आपराधिक मुकदमा चलाने के निर्देश देने के लिए शीर्ष अदालत का रुख किया था। हालांकि, उन्होंने आठ फरवरी, 2021 को शीर्ष अदालत से याचिका वापस ले ली थी और कहा था कि वह राहत के लिए पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाएंगे।

# सेंट स्टीफंस कॉलेज के 100 से अधिक छात्रों को परीक्षा देने से रोका गया

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता



दिल्ली विश्वविद्यालय के सेंट स्टीफंस कॉलेज के प्रथम वर्ष के 100 से अधिक छात्रों को कथित तौर पर सुबह की प्रार्थना सभा में शामिल नहीं होने के कारण निलंबित कर दिया गया। शिक्षकों और छात्रों ने मंगलवार को यह दावा किया।

प्रथम वर्ष के छात्रों द्वारा सोमवार को प्रधानाचार्य जॉन वर्गीज को भेजे गए एक ईमेल के अनुसार, कथित तौर पर प्रार्थना सभा में अनुपस्थित रहने के कारण छात्रों को अपने माता पिता के साथ प्रधानाचार्य से मिलने के लिए कहा गया था जिसमें वह विफल रहे। इसके कारण उन्हें दूसरे सेमेस्टर की परीक्षा देने की अनुमति नहीं दी जा रही है। वर्गीज की ओर से इस मामले में तत्काल कोई प्रतिक्रिया उपलब्ध नहीं हो सकी है। छात्रों ने वर्गीज को किए ईमेल में कहा ह्यहम आपको 17 फरवरी, 2024 (शनिवार) को सेंट स्टीफंस कॉलेज के 100 से अधिक प्रथम वर्ष के छात्रों को भेजे गए ईमेल के संबंध में लिख रहे हैं, जिसमें उन्हें दूसरे सेमेस्टर की परीक्षाओं से निलंबित करने की बात कही गई है। उन्होंने कहा चार फरवरी 2024 (रविवार) को भेजे गए ईमेल के जवाब में कई छात्रों द्वारा इतने कम समय में प्रधानाचार्य से अभिभावकों को मिला पाना मुश्किल था क्योंकि उनके माता पिता दिल्ली एनसीआर में नहीं रहते हैं। ईमेल में इन प्रथम वर्ष के छात्रों को सुबह की सभाओं में कम उपस्थिति के कारण प्रधानाचार्य से अपने माता-पिता के साथ आकर मिलने के लिए कहा गया था। छात्रों के माता-पिता और अभिभावकों को भेजे गए एक ईमेल में बताया गया है कि उनके बच्चों को दूसरे सेमेस्टर की परीक्षा देने की अनुमति नही दी जाएगी। यह ईमेल प्रधानाचार्य के निजी सचिव द्वारा लिखा गया।

# दिल्ली में न्यूनतम तापमान 14.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज

नई दिल्ली, 20 फरवरी (वेब वार्ता)। दिल्ली में मंगलवार को न्यूनतम तापमान 14.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो मौसम के औसत से चार डिग्री अधिक है, जबकि शहर के कुछ हिस्सों में देर रात बारिश हुई। सोमवार देर रात दिल्ली के कुछ हिस्सों में तेज हवाएं चलीं और बारिश हुई, जिससे हवा की गुणवत्ता में मामूली सुधार हुआ।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कहा है कि दिल्ली में फरवरी में अब तक पांच दिन बारिश हुई है और यह सिलसिला अगले दो दिनों तक जारी रहने की उम्मीद है। फरवरी 2023 में दिल्ली में कोई बारिश नहीं हुई थी। आईएमडी ने कहा कि आर्द्रता का स्तर 96 प्रतिशत दर्ज किया गया। मौसम कार्यालय ने मंगलवार को दिन के दौरान आंशिक रूप से बादल छाए रहने की भविष्यवाणी की है। मंगलवार और बुधवार को भी बारिश जारी रहने का अनुमान है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, सुबह नौ बजे, राष्ट्रीय राजधानी में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 214 के साथ खराब श्रेणी में दर्ज किया गया। शून्य और 50 के बीच एक एक्यूआई को अच्छा, 51 और 100 के बीच संतोषजनक, 101 और 200 के बीच मध्यम, 201 और 300 के बीच खराब, 301 और 400 के बीच बहुत खराब और 401 और 500 के बीच गंभीर माना जाता है।

# किसी भी अपराध का वीडियो लीक ना हो : पुलिस आयुक्त



नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा ने सभी उपायुक्तों (डीसीपी) और इकाई प्रमुखों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि किसी भी आपराधिक घटना का कोई भी सीसीटीवी फुटेज आनलाइन साझा न किया जाए। यह जानकारी एक अधिकारी ने दी। यह आदेश नजफगढ़ में एक सैलून के अंदर गोलीबारी की घटना का एक वीडियो ऑनलाइन सामने आने के बाद आया है। इस महीने की शुरूआत में हुई गोलीबारी में दो व्यक्तियों की मौत हो गई थी।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, हमें यह आदेश मिला है और इसे सभी को प्रेषित कर दिया गया है। हमने आदेशों का सख्ती से पालन करने को कहा है। घटना के सीसीटीवी फुटेज में पीड़ितों में से एक हमलावरों से विनती करते हुए दिखाया गया है। बाद में हमलावर उसके सिर में नजदीक से गोली मार देते हैं। अधिकारी ने कहा, सीसीटीवी फुटेज के आनलाइन सामने आने और हजारों लोगों द्वारा साझा किए जाने से जांच में दिक्कत आ सकती है। वे सीसीटीवी फुटेज पुलिस के उपयोग के लिए हैं। आदेश के मुताबिक उल्लंघन की स्थिति में वरिष्ठ अधिकारी जिम्मेदार होंगे। अरोड़ा ने हाल के दिनों के ऐसे कई उदाहरणों का हवाला देते हुए 10 फरवरी के अपने आदेश में कहा कि इस तरह की चूक पीड़ितों की गोपनीयता और संवेदनशीलता पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है और कभी-कभी पहचान परेड के दौरान आरोपी के पक्ष में चली जाती है।

# दिल्ली सरकार उर्दू में कराएगी रामलीला, दास्तान-ए-रामायण के नाम से होगा मंचन

नई दिल्ली। हिंदी और संस्कृत में तो आपने कई बार रामलीला देखी और सुनी होगी, लेकिन दिल्ली में अब उर्दू भाषा में रामलीला का मंचन दिखेगा। दिल्ली सरकार की तरफ से राजधानी में उर्दू हेरिटेज फेस्टिवल 2024 के तहत उर्दू अकादमी दिल्ली के द्वारा 24 फरवरी को दास्तान-ए-रामायण के माध्यम से उर्दू में रामलीला का मंचन किया जाएगा। दिल्ली के सुंदर नर्सरी हुमायूं टॉम, निजामुद्दीन के पास उर्दू में रामलीला का मंचन किया जाएगा। यह कार्यक्रम दोपहर 12:00 बजे से शारदा रामलीला कमेटी की तरफ से किया जाएगा। दिल्ली में हेरिटेज फेस्टिवल 2024 के तहत उर्दू अकादमी दिल्ली के द्वारा 22 फरवरी से सुंदर नर्सरी में आर्ट कल्चर लैंग्वेज में अलग-अलग प्रोग्राम आयोजित किए जाएंगे। इसकी शुरूआत 12 बजे से होगी। पहला कार्यक्रम क्विसेगोई, फिर सोज ए साज, दस्तांगोई, रंग सूफियाना, महफिल ए क्वावली, उसके 23 फरवरी को दोपहर 12:00 बजे से बैंतबाजी, रंग ए गजल, मुशायरा का पोस्टमार्टम, चारबैंत, शोखी ए गजल, महफिल ए कव्वाली कार्यक्रम किया जाएगा। कार्यक्रम शाम 6:00 बजे तक होंगे। वहीं, 24 फरवरी को दोपहर 12:00 बजे से गजल सराई, दास्तान ए रामायण रामलीला इन उर्दू, रामायण उर्दू के आईने में, अकबर द ग्रेट नहीं रहे, महफिल ए गजल और इश्क सूफियाना के कार्यक्रम होंगे। उसके बाद 25 फरवरी को उर्दू हेरिटेज फेस्टिवल के आखिरी दिन नसीब ओ फराज, इंडियन ओपेरा फ्यूजन, रौनक ए गजल शाम ए शुखान और सूफी महफिल का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। देशभर के अलग-अलग राज्यों से कलाकार इस फेस्टिवल में हिस्सा ले रहे हैं। अलग-अलग राज्यों के आर्ट एंड कल्चर के ग्रुप इस उर्दू हेरिटेज फेस्टिवल में अपने हुनर भी दिखाएंगे।

## दिल्ली वक्फ बोर्ड धनशोधन में अमानतुल्लाह को राहत नहीं

नई दिल्ली। दिल्ली वक्फ बोर्ड धनशोधन मामले में राउज एवेन्यू अदालत ने आप विधायक अमानतुल्लाह खान को राहत नहीं दी है। अदालत ने मंगलवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को 24 फरवरी को अपना जवाब दाखिल करने को कहा है। गत शनिवार को राउज एवेन्यू अदालत में खान की ओर से दिल्ली वक्फ बोर्ड मामले में अग्रिम जमानत याचिका दाखिल की गई थी। चूंकि, सोमवार को उन्हें ईडी ने तलब किया था। इस दौरान अदालत में मामले की सुनवाई के दौरान आप विधायक अमानतुल्लाह खान की अग्रिम जमानत याचिका पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को नोटिस जारी कर मंगलवार के लिए सूचीबद्ध किया था। सुनवाई के दौरान मामले को 24 फरवरी के लिए सूचीबद्ध कर दिया गया। फिलहाल सुनवाई के दौरान खान की ओर से अंतरिम राहत की अपील की गई थी, लेकिन अदालत ने राहत देने से इनकार कर दिया था।

# डीजे पर डांस करते समय युवती को गोली लगी

नई दिल्ली। ख्याला गांव में 16 फरवरी को डीजे पर डांस कर रहे दो युवकों ने टशन में पिस्तौल निकालकर हवाई फायरिंग कर दी। पड़ोस के मकान से डांस देखकर रही 19 वर्षीय युवती के सिर में गोली लग गई। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। परिजनों ने युवती को नजदीकी अस्पताल में भर्ती किया और पुलिस को सूचना दी। जांच के दौरान पुलिस को घटना स्थल से खोखे बरामद हुए। छानबीन के बाद पुलिस ने केस दर्ज कर एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। उसकी पहचान राजीव उर्फ राजू के रूप में हुई। फायरिंग कर रहे बाकी आरोपियों की पुलिस तलाश कर रही है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि घायल रिजा खान अपने परिवार के साथ ख्याला गांव में किराए पर रहती है। 16 फरवरी की रात करीब 9:45 बजे इनके पड़ोसी संजय यादव के बेटे की बारात जाने की तैयारी चल रही थी। गली में टेंट लगा था और लोग डांस कर रहे थे। इसी दौरान दो लड़कों ने पिस्तौल निकाली और गोली चलाना शुरू कर दिया। रिजा अपने परिवार के साथ दूसरी मंजिल की बालकनी में खड़ी होकर यह सब देख रही थी। अचानक उनके माथे में गोली लगी और वह गिर गई। परिजन उसे अस्पताल लेकर गए। इस दौरान आरोपियों को भी घटना का पता चल गया तो वे फरार हो गए। पुलिस ने एक आरोपी राजीव को गिरफ्तार कर लिया है। उसके दूसरे साथी की तलाश की जा रही है। उधर, रिजा की हालत गंभीर बताई जा रही है।

# कैब बुक कर चालकों को लूटने वाले दो गिरफ्तार

नई दिल्ली। वसंतकुंज नॉर्थ थाना पुलिस ने 18 फरवरी को नोएडा और बुलंदशहर से दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों दीपक और मोहित के पास से लूटे गए तीन मोबाइल और कैश बरामद हुआ है। आरोपी ऐप से ऑनलाइन कैब बुक कर चालकों से लूटपाट करते थे।

पुलिस उपायुक्त रोहित मीणा ने बताया कि 17 फरवरी की सुबह वसंतकुंज नॉर्थ थाना पुलिस को शिकायत मिली थी। शिकायतकर्ता ने बताया कि वह कैब चालक है और तीन लोगों ने उसके साथ लूटपाट की। सुबह 3:30 बजे उसे महिपालपुर से नोएडा जाने के लिए बुकिंग मिली थी। सुनसान रास्ते में बदमाशों ने उसका गला दबा दिया और मोबाइल, कैश व एटीएम लूट लिया। एटीएम का पिन पूछकर कैश भी निकाला। बदमाशों ने दो बार में 34 हजार रुपये निकाले। फिर पीड़ित को अंधेरी जगह पर नोएडा में फेंककर फरार हो गए। इस मामले में वसंतकुंज नॉर्थ थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की। जिस नंबर से कैब बुक की थी, वह नंबर बंद था। इस बीच पुलिस ने एक गुप्त सूचना के आधार पर नोएडा में छापा मारकर दीपक को दबोच लिया। पूछताछ में उसने बताया कि उसके साथ में मोहित और गगन भी शामिल थे। इसके बाद पुलिस ने मोहित को भी बुलंदशहर से गिरफ्तार कर लिया। इनके पास से मोबाइल और 2800 रुपये बरामद किए गए। अब पुलिस उनके तीसरे साथी गगन की तलाश कर रही है।

## पांच लाख में स्पेन का फर्जी वीजा दिया, एजेंट गिरफ्तार

नई दिल्ली। फर्जी वीजा देकर लोगों से ठगी करने वाले एजेंट को एयरपोर्ट पुलिस ने सोमवार को जगतपुर गांव से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान अंबाला निवासी लखबीर सिंह के रूप में हुई है। बीते एक साल से पुलिस टीम उसकी तलाश कर रही थी। डीसीपी उषा रंगनानी के अनुसार 12 जनवरी 2023 को जगदीश सिंह आईजीआई एयरपोर्ट के रास्ते स्पेन जाने के लिए आया था। उसे यहां से अबू धाबी और वहां से बर्सलोना जाना था। जांच में पता चला कि उसके पासपोर्ट पर लगा वीजा फर्जी है। इस बाबत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में उसने बताया कि वह रोजगार के लिए विदेश जा रहा था। लखबीर सिंह ने उसके लिए यह वीजा लगवाया था। उसका सौदा 9 लाख रुपये में हुआ था।

# संत रविदास की जयंती पर ताल कटोरा स्टेडियम में हुआ कार्यक्रम, बड़ी संख्या में पहुंचे बौद्ध भिक्षु

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता



पूरे देशभर में संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की जयंती बड़ी धूमधाम के साथ मनाई जाती है। इस बार संत गुरु रविदास जी की 647वीं जयंती मनाई जा रही है। इस अवसर पर देश की राजधानी दिल्ली के ताल कटोरा स्टेडियम में भारतीय बौद्ध संघ ने कार्यक्रम आयोजित किया।

कार्यक्रम में दिल्ली बीजेपी के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्याम जाजू, दिल्ली बीजेपी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता, अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष इकबाल सिंह लालपुरा समेत कई बड़े नेता पहुंचे और संत शिरोमणि गुरु रविदास जी को नमन किया। तालकटोरा स्टेडियम में भारतीय बौद्ध संघ द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें देश की राजधानी दिल्ली के अलग-अलग जगह से भारतीय बौद्ध संघ से जुड़े हुए लोग पहुंचे।

भारतीय बौद्ध संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष भंते संघप्रिय राहुल ने कहा है कि पूरे देश भर में संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की 647 की जयंती मनाई जाएगी। भारतीय बौद्ध संघ से जुड़े लोग और देश की राजधानी दिल्ली के अलग-अलग जगह से पहुंचे दलित आदिवासी लोगों के साथ आज हम लोग संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की जयंती पर यहां आए हैं। राष्ट्रीय बौद्ध संघ द्वारा सामाजिक समरसता और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा दिया जा रहा है। हर वर्ष भारतीय बौद्ध संघ इस जयंती को बड़ी धूमधाम से मनाता है। उन्होंने बताया कि संत शिरोमणी गुरु रविदास जी चित्तौड़गढ़ गए थे। वहां पर उनकी भक्त मीराबाई भी थी और मीराबाई राजधानी दिल्ली में भी आई थी। आज हम लोग इस अवसर पर संविधान की किताब भी बाटेंगे और आने वाले दिनों में भारतीय बौद्ध संघ द्वारा संत गुरु रविदास जयंती पर पूरे देश भर में एक रथ यात्रा निकालेंगे। जिसका 14 अप्रैल 2024 को दिल्ली में समापन किया जाएगा।

सामाजिक समरसता के माध्यम से पूरे देश में निचली पंक्ति में बैठे दलित, आदिवासी, गरीब सबको एक साथ लेकर भारतीय बौद्ध संघ कम कर रहा है। हमारा मकसद है कि इस देश में सामाजिक समरसता बनी रहे बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर और संत रविदास और पंडित दीनदयाल उपाध्याय और श्यामा प्रसाद मुखर्जी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाया जाए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, देश के सरसंघचालक मोहन भागवत देश के लिए काम कर रहे हैं और हमें हर दलित, आदिवासी, गरीब तबके के घर तक उनकी योजनाओं को पहुंचाना है। देश आजादी के 75 वर्ष में प्रवेश कर चुका है और केंद्र की मौजूदा सरकार जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आगे बढ़ रही है। उसके साथ देश आगे बढ़ रहा है। हर गरीब हर आदिवासी और दलित के लिए केंद्र सरकार काम कर रही है।

# चंडीगढ़ मेयर चुनाव के फैसले के बाद मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा- सच्चाई की जीत हुई, कैसे हुई बेइमानी देश ने देखा

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता




चंडीगढ़ मेयर चुनाव को लेकर सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर खुशी जताते हुए आम आदमी पार्टी के नेता सौरभ भारद्वाज ने कहा कि यह खुशी की बात तो है ही, साथ ही चिंता की भी बात है। जहां कैमरे नहीं लगे हुए हैं वहां पर केंद्र सरकार क्या करती होगी। पार्टी कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सौरभ भारद्वाज ने कहा कि देश की मात्र 12 साल पुरानी पॉलिटिकल पार्टी आम आदमी पार्टी दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी को हराने के लिए चुनाव के बाद लड़ाई सुप्रीम कोर्ट में लड़ने गई। इस लड़ाई में लोकतंत्र की बहुत बड़ी जीत हुई है। यह खुशी से ज्यादा बड़ी बात चिंता की है कि आज देश के हालात क्या हो गए हैं, आजादी का क्या मतलब है? देश आजाद इसलिए कराया गया ताकि लोग सरकार चला सकें। आम लोग की राय से उनके वोट से सरकार चले। संसद, सड़कें, फैक्ट्री, बंदरगाह बनाने के लिए देश आजाद नहीं कराया था। ये सब तो अंग्रेज भी बना रहे थे। आज चिंता इस बात की है कि दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी (भारतीय जनता पार्टी) ने इतने छोटे से चुनाव में खुल्लम-खुल्ला, बेईमानी, चोरी, झूठ-फरेब, डकैती सब किया। जो कैमरे में दिख गया। यह बड़ी चिंता की बात है। जहां कैमरे नहीं लगे हुए वहां देश की सबसे बड़ी पार्टी क्या करेगी? वहां केंद्र सरकार पर कैसे भरोसा करें। सुप्रीम कोर्ट ने जिस तरीके से इस मामले में केंद्र सरकार को एक्सपोज किया, आज तक किसी ने नहीं किया होगा। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि आज मामले की सुनवाई करते हुए सीजेआई ने कहा कि सभी 8 वोट याचिकाकर्ता उम्मीदवार कुलदीप कुमार के पक्ष में थे। रिटर्निंग अफसर ने अपने अधिकार से बाहर जाकर काम किया। रिटर्निंग ऑफिसर ने 8 बैलेट पेपर पर अपना मार्क लगाया। ऑफिसर ने अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर काम किया। रिटर्निंग ऑफिसर ने अपराध किया है। इसके लिए उसके खिलाफ समुचित कार्रवाई हो। सीजेआई की बेंच के सामने सोमवार को रिटर्निंग ऑफिसर ने कुबूल किया था कि उन्होंने ही बैलट पेपर पर क्रॉस लगाया था। कोर्ट ने रिटर्निंग अफसर से पूछताछ के बाद चुनाव से संबंधित सारे ओरिजनल वीडियो रिकॉर्डिंग और दस्तावेज मंगाए थे, जो कोर्ट रूम पहुंचे। रिटर्निंग ऑफिसर का वीडियो और बैलेट पेपर भी कोर्ट रूम में जमा कर दिया गया।

## ऑटो चालक की टक्कर से महिला की मौत

नई दिल्ली। आरकेपुरम इलाके में 17 फरवरी को तेज रफ्तार ऑटो चालक ने सड़क पार करते समय मां-बेटी को टक्कर मार दी। दोनों को एम्स ट्रॉमा सेंटर में भर्ती किया गया, जहां उपचार के दौरान 55 वर्षीय सुमित्रा की मौत हो गई। वहीं, उनकी बेटी 35 वर्षीय कृष्णा का उपचार चल रहा है। पुलिस ने आरोपी निर्मल को वसंत विहार इलाके से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस उपायुक्त रोहित मीणा ने बताया कि सुमित्रा परिवार के साथ उत्तम नगर इलाके में रहती थी। कृष्णा ने बताया कि वह मां सुमित्रा के साथ 17 फरवरी को आरकेपुरम स्थित बैंक से रुपये निकालकर घर जा रही थी। दोनों मोती बाग फ्लाईओवर के नीचे रोड क्रॉस कर रही थी। इस दौरान एक ऑटो ने उन्हें टक्कर मार दी और आरोपी फरार हो गया। एसएचओ रविंद्र कुमार त्यागी, एसआई दीपक और राकेश की टीम ने सीसीटीवी की जांच कर ऑटो की पहचान कर ली। ऑटो मालिक करण सिंह से संपर्क किया। उसने बताया कि उसने निर्मल को किराए पर ऑटो दे रखा है, जो वसंत विहार इलाके में रहता है। इसके बाद पुलिस ने निर्मल के घर जाकर उसे दबोच लिया।

राष्ट्रीय दैनिक प्रातः किरण

# राजधानी किरण

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, बुधवार, 21 फरवरी, 2024

## सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर बोले अरविंद केजरीवाल, लोकतंत्र बचाने के लिए शुक्रिया एससी

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। चंडीगढ़ मेयर चुनाव को लेकर मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) उम्मीदवार के पक्ष में डाले गए आठ वोटों पर अतिरिक्त निशान थे। कोर्ट ने निशान लगे बैलेट पेपर गिनवाए, जिसके बाद आम के उम्मीदवार कुलदीप कुमार को विजयी घोषित किया। वहीं कोर्ट की टिप्पणी के बाद आम आदमी पार्टी में जश्न शुरू हो गया है। आप के संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कोर्ट के फैसले पर खुशी जाहिर करते हुए एक्स पर लिखा, इस कठिन समय पर लोकतंत्र को बचाने के लिए सुप्रीम कोर्ट आपका शुक्रिया। सुप्रीम ने सुनाया ऐतिहासिक फैसला आज सुप्रीम कोर्ट में ऐतिहासिक फैसला आया। भाजपा के 16 वोट थे और इंडिया गठबंधन के 20 वोट थे लेकिन पीठासीन अधिकारी ने अमान्य तरीके से हमारे आठ वोट निरस्त कर दिए। लेकिन सुप्रीम कोर्ट का फैसला आज लोकतंत्र को बचाए जाने वाला फैसला है। इन लोगों ने तो हमारे वोट चोरी करते किए लेकिन हमने सुप्रीम कोर्ट जाकर हमने इनके मुंह से जीत छीन ली। सब एक हो जाएं तो भाजपा को हराया जा सकता है भाजपा पर निशाना साधते हुए केजरीवाल ने कहा कि जब ये इतने छोटे चंडीगढ़ मेयर चुनाव में गड़बड़ी कर सकती है तो सोचिये ये लोकसभा चुनाव में कितनी बड़ी गड़बड़ी करेंगे। ये हमेशा करते हैं कि हमें 370 लोकसभा सीट आ रही हैं, इन्हें ये विश्वास कहां से आ रहा है। यह वोट चोरी करते हैं। गड़बड़ी करके ये चुनाव जीतते हैं। जो लोग कहते हैं बीजेपी को हराया नहीं जा सकता है तो ये चंडीगढ़ मेयर चुनाव इस बात का सबूत है कि हम एक हो जाएं तो इन्हें हरा सकते हैं। पीठासीन अधिकारी अनिल मसीह ने नियम के विरुद्ध काम किया सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता को 12 वोट मिले थे। आठ मतों को गलत तरीके से अमान्य करार दे दिया गया। बाद में ये आठ वोट याचिकाकर्ता के पक्ष में पाए गए। इस तरह आठ मतों को जोड़ देने पर याचिकाकर्ता के 20 वोट हो जाते हैं। लिहाजा, आप पार्षद और याचिकाकर्ता कुलदीप कुमार को चंडीगढ़ नगर निगम के महापौर पद पर निर्वाचित घोषित किया जाता है। पीठासीन अधिकारी अनिल मसीह द्वारा भाजपा (भाजपा) प्रत्याशी को विजेता घोषित करने का फैसला अमान्य है। मतगणना के दौरान पीठासीन अधिकारी ने नियम के विरुद्ध काम किया। पीठासीन अधिकारी को निष्पक्ष होना चाहिए, लेकिन उन्होंने जान-बूझकर मतपत्र खराब किए। अनिल मसीह को अवमानना नोटिस सुप्रीम कोर्ट ने चंडीगढ़ मेयर चुनाव में रिटर्निंग ऑफिसर रहे अनिल मसीह को अवमानना का नोटिस जारी किया है। मसीह ने कोर्ट में गलतबयानी की उनका आचरण दो वजह से गलत है। पहला कि उन्होंने चुनाव को गलत तरीके से प्रभावित किया। दूसरा कोर्ट में झूठ बोला। कोर्ट ने उनसे तीन सप्ताह में जवाब मांगा है। आप ने एक्स पर लिखा, सत्यमेव जयते कोर्ट ने सारे रिकॉर्ड को वापस हाईकोर्ट रजिस्ट्रार के पास भेजने का फैसला सुनाया। साथ ही निर्देश दिए कि इसे सुरक्षित रखा जाए। फैसले के बाद आम आदमी पार्टी (आप) ने एक्स पोस्ट करते हुए लिखा, सत्यमेव जयते। ये है पूरा मामला 30 जनवरी को सुबह 10 बजे चंडीगढ़ मेयर चुनाव कराए गए। पीठासीन अधिकारी अनिल मसीह ने आम आदमी पार्टी (आप) और कांग्रेस के संयुक्त प्रत्याशी को 12 के मुकाबले 16 मतों से पराजित घोषित किया। पीठासीन अधिकारी ने कांग्रेस और आप के आठ वोट को अवैध ठहरा दिया था। इसके बाद भाजपा मनोज सोनकर मेयर बने। परिणाम में धांधली का आरोप लगाते हुए आम आदमी पार्टी ने पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट का रुख किया। हालांकि उन्हें वहां राहत नहीं मिली।

## महिला के नहाते और कपड़े बदलते हुए बनाए वीडियों

### ससुर और पति ने मिलकर की गंदी हरकतें

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता



कोतवाली सेक्टर-113 क्षेत्र की एक महिला ने ससुर पर छेड़छाड़ और पति पर एक महिला से अवैध संबंध रखने का आरोप लगाया है। पीड़िता ने दहेज उत्पीड़न के मामले में पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़िता ने दर्ज कराई एफआईआर में बताया कि उनका विवाह नवंबर 2020 में हुआ था। आरोप है कि ससुराल पक्ष के लोग शादी से कुछ दिन बाद ही 25 लाख रुपये और फॉर्च्यूनर गाड़ी लाने की मांग करने लगे। पीड़िता का आरोप है कि पति के एक महिला से अवैध संबंध हैं। पत्नी के साथ बनाता अप्राकृतिक संबंध- दावा है कि उसने पति को उस महिला के साथ आपत्तिजनक स्थिति में भी पकड़ लिया था। विरोध करने पर मारपीट की और आए दिन पीड़िता के साथ अप्राकृतिक संबंध बनाता था। उत्पीड़न के चलते मार्च 2023 में गर्भपात हो गया। ससुर ने की छेड़छाड़, पति ने गला दबाया- यही नहीं जुलाई 2023 ससुर ने पीड़िता के साथ छेड़छाड़ की। पीड़िता ने यह बात ससुराल पक्ष के अन्य लोगों से की तो उन्होंने बेरहमी से पीटा। यही नहीं पति ने गला दबाकर हत्या का प्रयास भी किया। पीड़िता का दावा है कि उसके ससुर ने बैडरूम और बाथरूम में हिडन कैमरे लगा रखे थे। नहाते और कपड़े बदलते बनाए वीडियो- पीड़िता के नहाते और कपड़े बदलते हुए का वीडियो भी बना रखा है। जिन्हें प्रसारित करने की धमकी देता है। पीड़िता ससुराल पक्ष के लोगों की प्रताड़ना के चलते आत्महत्या करने पर मजबूर है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक सर्वेश कुमार का कहना है कि कोर्ट के आदेश पर पति, सास, ससुर, ननद और पति की प्रेमिका के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

## पश्चिमी विक्षोभ के असर से बदला दिल्ली-एनसीआर का मौसम

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता: सोमवार आधी रात के बाद हुई हल्की वर्षा के बावजूद मंगलवार की सुबह भी दिल्ली में ठंड एवं कोहरे से राहत रही। न्यूनतम पारा सामान्य से तीन डिग्री ऊपर दर्ज किया गया। एयरपोर्ट पर दृश्यता का स्तर सामान्य रहा। मौसम विभाग ने दिन में भी बादल छाए रहने व एक दो जगह हल्की वर्षा होने का पूर्वानुमान जारी किया है। मंगलवार सुबह दिल्ली का न्यूनतम तापमान 14.7 डिग्री दर्ज हुआ। सोमवार को यह 14.1 डिग्री रहा था। हवाओं के असर से आईजीआई एयरपोर्ट पर सुबह सात बजे दृश्यता का एक हजार मीटर रिकॉर्ड किया गया। सुबह साढ़े आठ बजे तक 2.6 मिमी दर्ज की गई। की छेड़छाड़, पति ने गला दबाया- यही नहीं जुलाई 2023 ससुर ने पीड़िता के साथ छेड़छाड़ की। पीड़िता ने यह बात ससुराल पक्ष के अन्य लोगों से की तो उन्होंने बेरहमी से पीटा।

## अपराध का वीडियों लीक होने पर संबंधित अफसर की होगी जवाबदेही

- वीडियो दिल्ली पुलिस के लिए परेशानी का सबब बनते हैं और उसकी छवि भी धूमिल होती है

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

आए दिन दिल्ली में किसी न किसी अपराधिक घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो जाता है। ये वीडियो दिल्ली पुलिस के लिए परेशानी का सबब बनते हैं और उसकी छवि भी धूमिल होती है। आपराधिक घटनाओं के वीडियो वायरल होने पर दिल्ली पुलिस कमिश्नर ने नाराजगी जताते हुए अधिकारियों की जवाबदेही तय की है। पुलिस पर लग जात हैं प्रश्न चिन्ह- दिल्ली में निगरानी के लिए लगाए गए दो लाख सीसीटीवी कैमरों में से आये दिन किसी न किसी में आपराधिक घटना की फुटेज कैद हो जाती है, जिसमें कई वारदात सनसनीखेज भी होती हैं। कई बार इन सनसनीखेज आपराधिक घटनाओं का वीडियो वायरल हो जाता है, जो पुलिस के लिए परेशानियों का सबब बन जाता है। यह वायरल वीडियो दिल्ली पुलिस की सतर्कता पर भी प्रश्नचिन्ह लगा देते है। पुलिस कमिश्नर ने दिए सख्स निर्देश- इसको रोकने के लिए दिल्ली पुलिस कमिश्नर संजय अरोड़ा ने दिल्ली के सभी जिलों के डीसीपी को सख्त निर्देश दिए है। दिल्ली पुलिस कमिश्नर ने साफ किया है कि यदि अपराधिक घटनाओं का वीडियो वायरल होता है, तो ऐसे वीडियो वायरल होने पर सम्बंधित डीसीपी और एसएचओ की जवाबदेही तय की जाएगी। हाल ही में जारी किए गए आदेश में पुलिस कमिश्नर ने कहा है कि बीते दिनों कई गंभीर अपराधिक घटनाओं के सीसीटीवी फुटेज वायरल हो गए थे। वीडियों वायरल होने पर खतरे में आ जाती निजता- इससे एक तरफ जहां पीड़ित की निजता खतरे में पड़ती है, तो दूसरी तरफ आरोपित की शिनाख्त परेड कराना भी मुश्किल हो जाता है। वीडियो के लीक होने का सबसे बड़ा कारण है, जो सामने आया है, वह यह है कि वारदात के बाद स्थानीय पुलिस सहायता के लिए ऐसे फुटेज निकालती हैं, मगर कई बार इस पुलिस फुटेज प्रसार पर अपना नियंत्रण खो देती है। इसलिए आपराधिक घटनाओं के वीडियो में से आरोपितों की ऐसी फोटो निकली जाएं जो उनका चेहरा दिखाती हों। ऐसे मामलों में जहां किसी अपराध को अंजाम दिए जाने का सीसीटीवी फुटेज पाया जाता है, यह सुनिश्चित करना संबंधित एसएचओ की एकमात्र जिम्मेदारी होगी कि कोई भी वीडियो क्लिप साझा न हो।

## प्रार्थना सभा में नहीं हुए शामिल तो हुई कार्रवाई

- सेंट स्टीफंस कॉलेज के 100 छात्रों को परीक्षा देने से रोका

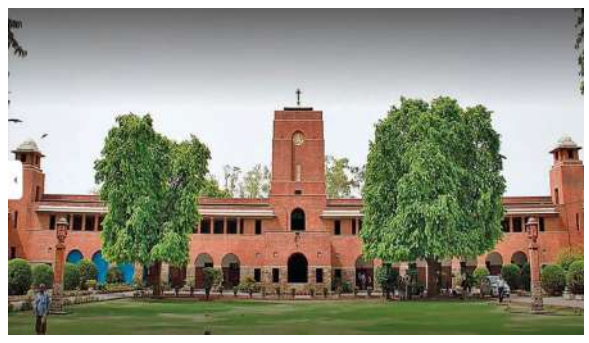

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता



दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के सेंट स्टीफंस कॉलेज के प्रथम वर्ष के 100 से अधिक विद्यार्थियों को प्रार्थना सभा में अनुपस्थित रहने के कारण परीक्षा से निलंबित कर दिया गया है। विद्यार्थियों ने प्रथम वर्ष के छात्रों के अनुसार, असेंबली में अनुपस्थित रहने के कारण माता-पिता के साथ प्रधानाचार्य को मिलवाने में विफल रहने के बाद उन्हें दूसरे सेमेस्टर की परीक्षा से भी वंचित कर दिया गया है। मामले में प्रधानाचार्य की ओर कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है। छात्रों ने प्रधानाचार्य को भेजे गए ईमेल में कहा कि 17 फरवरी को 100 से अधिक छात्रों को ईमेल आया, जिसमें उन्हें दूसरे सेमेस्टर की परीक्षाओं से निलंबित करने की बात लिखी थी। माता-पिता को प्रधानाचार्य से नहीं मिलवाया-ईमेल में इसका कारण कम उपस्थिति के कारण माता-पिता से प्रधानाचार्य को मिलवाने में विफलता बताया गया था। छात्रों ने ईमेल में कहा कि उनके माता-पिता दिल्ली-एनसीआर में नहीं रहते हैं। इसलिए पूर्व प्रतिबद्धताओं, मीटिंग व वित्तीय कारणों से उनके माता-पिता के लिए अल्प सूचना में दिल्ली की यात्रा करना संभव नहीं था। विद्यार्थियों ने कहा कि कॉलेज प्रबंधन ने उनके अभिभावकों के बिना प्रधानाचार्य से मीटिंग तय करने के उनके प्रयासों को भी अस्वीकार कर दिया। ईमेल भेजने वाले के खिलाफ कार्रवाई की मांग- कॉलेज में संकाय के एक सदस्य द्वारा विद्यार्थियों के परीक्षाओं से निलंबन करने की आलोचना की है। उन्होंने ईमेल भेजने वाले व्यक्ति के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की भी मांग की है। कॉलेज के अर्थशास्त्र विभाग के प्रमुख संजीव ग्रेवाल ने कहा कि विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय के नियमों और विनियमों में स्पष्ट रूप से बताए गए आधार पर ही परीक्षाओं में बैठने से रोका जा सकता है। उन्होंने कहा कि कॉलेज में प्रार्थना सभा में अनुपस्थिति परीक्षाओं में बैठने से रोकने का आधार नहीं है।

## गाजीपुर के कोंडली नहर से मिली लाश, मृतक की पहचान करने में जुटी पुलिस

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के गाजीपुर थाना अंतर्गत कोंडली नहर में शव मिलने से हड़कंप मच गया, नहर के आसपास लोगों की भीड़ जमा हो गई, सूचना मिलते ही मौके पर गाजीपुर थाना पुलिस पहुंची, शव को निकालने के लिए गोताखोर को बुलाया गया और बॉडी को लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया गया है। मृतक की उम्र लगभग 35 साल बताई जा रही है। फिलहाल शव की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मंगलवार सुबह तकरीबन 11 बजे मुल्ला कॉलोनी के पास कुंडली नहर में युवक की लाश मिलने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही गाजीपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची, क्राइम टीम और फॉरेनसिक टीम को भी बुलाया गया, गोताखोरों की मदद से नहर से लाश को निकाला गया, शव से ऐसा कुछ बरामद नहीं हुआ जिससे उसकी पहचान हो सके, आसपास पूछताछ करने पर भी किसी ने शव की सिनाख्त नहीं की, मृतक की उम्र तकरीबन 35 साल बताई जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इतजार कर रही पुलिसः वहीं, पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल की मोचार्री में सुरक्षित रखवा दिया है। आसपास के थानों को भी सूचना दे दी गई है। क्षेत्र के लोगों से पूछताछ की जा रही है जिससे शव की पहचान हो सके। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चल पाएगा कि युवक की हत्या हुई है या उसने नहर में कूद कर जान दी है।

## शादी में हर्ष फायरिंग के दौरान गोली लगने से लड़की घायल

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली के ख्याला इलाके में एक शादी कार्यक्रम में हर्ष फायरिंग के दौरान गोली लगने से एक लड़की घायल हो गयी जो अपने घर के बाहर खड़ी थी। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने भादंस की धारा 308 (गैर इरादतन हत्या के प्रयास) एवं हथियार कानून के तहत मामला दर्ज किया है तथा मौके से राजीव उर्फ राजू (30) को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि सोमवार शाम यह घटना घटी। उसने बताया कि घायल लड़की को अस्पताल ले जाया गया जहां उसका इलाज चल रहा है।

## द्वारका उपनगरी में करोड़ों की लागत से हुए विकास कार्यों का एलजी ने किया उद्घाटन

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने मंगलवार को द्वारका सबसिटी में करोड़ों रुपये की लागत से कराए गए कई विकास कार्यों का उद्घाटन किया। इसी कड़ी में द्वारका में आयरलैंड फाउंटेन सेक्टर 1/7 और सेक्टर 2/6 के अलावा स्टॉर्म वॉटर चैनलों 2 और 5 के जीर्णोद्धार कार्य का भी उद्घाटन किया गया। यहां पर 12 फीट के कैस्केड टाइप हॉर्स फाउंटेन बनाए गए हैं। इस अवसर पर पश्चिमी दिल्ली के सांसद प्रवेश वर्मा और दक्षिण दिल्ली के सांसद रमेश बिधूड़ी भी मौजूद रहे। इस अवसर पर उपराज्यपाल ने कहा कि द्वारका में लगातार विकास हो रहा है। यहां लोग एक अलग तरह की लाइफ का आनंद ले सकेंगे। यहां के ड्रेन में ट्रीटमेंट किया हुआ हाई क्वालिटी का पानी डाला जाएगा। वह ऐसा पानी होगा जो कंस्ट्रक्शन में भी यूज किया जा सकता है। अभी चार फाउंटेन का उद्घाटन हुआ है, 80 और बनाने का प्लान है। द्वारका में तेजी से विकास हुआ है। यशोभूमि से इंटरनेशनल पहचान बनी है। अलग-अलग राज्यों के भवन भी बन रहे हैं। भारत वंदना पार्क भी द्वारका की अलग पहचान बनाएगा। उन्होंने कहा कि ग्रीन पैचेज को डेवलप किया गया है। ड्रेन के साथ ग्रीनरी बनाई गई है। रेस्टोरेंट बनाए गए हैं जो जल्दी चालू हो जाएंगे। लोग यहां पर आकर एक अलग तरह के आनंद की अनुभूति लेंगे। नए तरीके से रहने की आदत पड़ने लगेगी। डीडीए द्वारा किए गए इस विकास कार्य की उपराज्यपाल ने जमकर तारीफ की। कहा कि नए तरीके से ड्रेन की शुरूआत, एचटीसी की शुरूआत, साइकिल ट्रैक व पानी कार ट्रैक सब तैयार किए जा रहे हैं।

## दिल्ली पुलिस ने हथियार तस्करी का किया खुलासा

### आईएमईआई नंबर बदलकर मोबाइल बेचने वाले गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। साउथ वेस्ट डिस्ट्रिक्ट के एंटी ऑटो थेफ्ट स्क्वाड की पुलिस टीम ने हथियार तस्करी के बड़े मामले का खुलासा किया है। दिल्ली पुलिस ने इस मामले में इंटर स्टेट हथियार सप्लायर को गिरफ्तार किया है जिसकी पहचान मलखान पुत्र बहादुर सिंह निवासी लाल बाग मध्य प्रदेश के रूप में हुई है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों के कब्जे से 12 सेमी ऑटोमेटिक पिस्टल बरामद किए गए है। आरोपी मलखान मुख्य रूप से अवैध हथियारों को दिल्ली एनसीआर में लोकल क्रिमिनल को पहुंचाने के लिए लाया था। अब तक 200 पिस्टल की दे चुका डिलवरी यह दिल्ली एनसीआर के लोकल हथियार सप्लायर को उनके डिमांड के आधार पर मध्य प्रदेश से पिस्तौल की खेप लाकर आगे सप्लाई करता था। अब तक यह 200 से ज्यादा हथियार की सप्लाई कर चुका है।आरोपी मलखान सिंह की जानकारी साझा करते हुए डीसीपी रोहित मीणा ने बताया की मलखान सिंह मध्य प्रदेश के धार का है उसके पिता भी अवैध हथियारों के निमार्ता थे। मलखान एमपी से उस लोकेशन से हथियार की खेप लाता था जहां इसकी फैक्ट्री चलती थी। आईएमइआई नंबर बदलकर मोबाइल बेचने वाले गिरोह का भंडाफोड़ वेस्ट जिला पुलिस के हत्थे ऐसे तीन बदमाश आए हैं जो चोरी या छीने हुए मोबाइल फोन का आईएमइआई नंबर बदलकर उसे बेच दिया करते थे। ऐसे में पुलिस के लिए भी चोरी का मोबाइल पता कर पाना किसी चुनौती से कम नहीं थी। पुलिस ने तीन बदमाशों को गिरफ्तार करने के साथ-साथ उनके कब्जे से 79 मोबाइल भी बरामद किया है। वेस्ट जिले के डीसीपी विचित्र वीर से मिली जानकारी के अनुसार हरी नगर टीम ने नरबजीत सिंह नाम के एक अपराधी को गिरफ्तार किया जिसके पास से एक मोबाइल फोन भी बरामद किया गया। नरबजीत के निशानदेही पर मनीष को भी गिरफ्तार किया गया और उसके पास से मोबाइल फोन भी बरामद किए गए साथ ही उसके पास से एक लैपटॉप भी मिला। लैपटॉप में आईएमईआई नंबर चेंज करने का सॉफ्टवेयर था जिसके जरिए यह बदमाश मोबाइल का आईएमइआई नंबर बदल दिया करते थे इन दोनों का एक साथी गुरमीत उर्फ मोल था।

## आवारा कुत्तों-बिल्लियों को खाना खिलाने नहीं दे रहे

- हाईकोर्ट से गुहार, दिल्ली पुलिस-एमसीडी को नोटिस

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने एक वरिष्ठ महिला नागरिक की याचिका पर भारतीय पशु कल्याण बोर्ड (एडब्लूबीआई) एवं अन्य अधिकारियों को नोटिस जारी किया है। याचिका में आवारा कुत्ते-बिल्लियों को खिलाने और उनकी देखभाल करने की अनुमति देने का निर्देश देने की मांग की गई है। याचिकाकर्ता का आरोप है कि उसे कुत्ते-बिल्लियों को खाना खिलाने से रोक दिया गया है। इलाके में कुत्ते-बिल्लियों को खाना खिलाना बंद करने के लिए उसे कई महीनों से परेशान किया जा रहा है। जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद ने सोमवार को भारतीय पशु कल्याण बोर्ड, दिल्ली पुलिस, एमसीडी और प्रगति विहार हॉस्टल आरडब्ल्यूए को नोटिस जारी किया है। अदालत ने मामले की सुनवाई के लिए 25 मई की तारीख तय की है। याचिकाकर्ता माला तुली एक रिटायर टीचर हैं। उन्होंने वकील निर्भय कुमार, निशांत मंडल अभय और दिव्या जयसवाल के माध्यम से हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। याचिकाकर्ता ने प्रतिवादियों को निर्देश दिए जाने की मांग की है, ताकि उनको अपने इलाके में जानवरों, विशेषकर कुत्तों और बिल्लियों को खिलाने और उनकी देखभाल करने की अनुमति मिल सके। याचिकाकर्ता ने प्रतिवादियों से आवासीय क्षेत्रों में आवारा कुत्तों को भोजन कराने के लिए स्थान सुनिश्चित करने के लिए निर्देश देने की मांग भी की है ताकि जानवरों को नियमित भोजन दिया जा सके और याचिकाकर्ता की ओर से बिना बाधा के उनकी देखभाल की जा सके। याचिका में कहा गया है कि याचिकाकर्ता 16 साल से प्रगति विहार छात्रावास के पास अपने आवास और उसके आसपास बिना किसी एनजीओ की मदद से कुत्तों को भोजन उपलब्ध करा रही हैं। याचिकाकर्ता का कहना है कि उसको कई वर्षों से अपने निवास स्थान के आसपास आवारा कुत्तों को खाना खिलाने में समस्या का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय आरडब्ल्यूए और सुरक्षा गार्डों की ओर से बाधाएं पैदा की जा रही हैं, जिन्हें जानवरों से संबंधित बुनियादी कानूनों की जानकारी नहीं है। इन लोगों का आवारा कुत्तों के प्रति घृणा और लापरवाही का रवैया है। याचिका में कहा गया है कि उसे अब कुत्तों को खाना खिलाने से रोका जा रहा है।

## डॉक्टर सुसाइड मामले पर कोर्ट ने फैसला टाला

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने डॉक्टर सुसाइड मामले पर फैसला टाल दिया। मंगलवार को स्पेशल जज एमके नागपाल के उपलब्ध नहीं होने की वजह से फैसला टला है। कोर्ट ने 26 फरवरी को फैसला सुनाने का आदेश दिया। इस मामले में आम आदमी पार्टी के विधायक प्रकाश जारवाल भी आरोपी हैं। कोर्ट में आरोपियों प्रकाश जारवाल, कपिल नागर और हरीश कुमार जारवाल उपस्थित थे। कोर्ट ने 8 फरवरी को फैसला सुरक्षित रख लिया था। इस मामले में दिल्ली पुलिस की ओर से मनीष रावल, आरोपी प्रकाश जारवाल की ओर से वकील एसपी कौशल, आरोपियों कपिल नागर और हरीश कुमार की ओर से वकील रवि द्राल ने दलीलें रखी थीं।

## विधानसभा में आप विधायकों का हंगामा, पानी के बकाया बिल को लेकर एलजी से कार्रवाई की मांग

- विधानसभा में सदन की कार्यवाही सुबह 11 बजे शुरू हुई, करीब 1 घंटे तक यह कार्यवाही शांतिपूर्ण तरीके से चली

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता



नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा के बजट सत्र के पांचवें दिन मंगलवार को आम आदमी पार्टी के विधायकों ने सरकार द्वारा पानी के बकाया बिल माफ करने को लेकर योजना लागू नहीं करने मुद्दे को उठाया। विधानसभा में सदन की कार्यवाही सुबह 11 बजे शुरू हुई, करीब 1 घंटे तक यह कार्यवाही शांतिपूर्ण तरीके से चली। उसके बाद अचानक आम आदमी पार्टी के विधायक पानी का बकाया बिल माफ करने को लेकर दिल्ली सरकार की वन टाइम सेटलमेंट स्कीम को लागू नहीं किए जाने के विरोध में हंगामा शुरू कर दिया। आम आदमी पार्टी के विधायक विधानसभा अध्यक्ष रामनिवास गोयल की कुर्सी के सामने आ गए और वहां नारेबाजी करने लगे। आप विधायक उपराज्यपाल से दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग करने लगे और बीजेपी वालों को भी इस स्कीम को लागू करने में मदद की बात कहने लगे। हंगामा बढ़ता देख विधानसभा अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही आधे घंटे के लिए स्थगित कर दी। इस दौरान सभी आम आदमी पार्टी के विधायक हाथ में नारे लिखे हुए पोस्टर लिए हुए विधानसभा परिसर में आ गए और नारेबाजी करते हुए गांधी जी की प्रतिमा के नीचे बैठ गए। आम आदमी पार्टी के विधायक मदनलाल ने कहा कि सोमवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल स्वयं इस योजना को लेकर के अपनी बात सदन में रखी थी। उन्होंने विपक्ष के नेताओं से भी बीजेपी वालों से भी स्कीम लागू करने को लेकर सहयोग मांगा था। यह पानी के उस गड़बड़ बिल की बात हो रही है जो कोरोना महामारी के दौरान लोगों को भेजे गए थे और आज लोग बिल का भुगतान नहीं कर रहे हैं। जल बोर्ड का लाखों का पेमेंट फंसा हुआ है। सरकार ने बीच का रास्ता निकालते हुए स्कीम लाना चाहती है। जिससे 10.50 लाख लोगों को फायदा मिलेगा और जो लोग अभी बिल नहीं दे रहे हैं वह भी आगे देने लगेंगे। लेकिन दिल्ली सरकार की इस योजना पर अधिकारी स्वीकृति नहीं प्रदान कर रहे हैं। इसीलिए हमलोग विरोध जता रहे हैं। आम आदमी पार्टी के विधायक और पूर्व मंत्री राजेंद्र पाल गौतम ने कहा कि उनके दफ्तर में भी प्रतिदिन सैकड़ो ऐसे लोग आते हैं जो पानी का बकाया बिल माफ करने की मांग करते हैं। उनकी मांग बहुत हद तक जायज है। सरकार ने साइंटिफिक तरीके से समाधान करने के लिए यह स्कीम लाना चाहती है। इसीलिए वह मांग कर रहे हैं कि उपराज्यपाल ऐसे अधिकारियों को निर्देश दे और जो निर्देश को नहीं माने उनके खिलाफ कार्रवाई करें। आधे घंटे के बाद सदन की कार्यवाही जब दोबारा शुरू हुई तब भी आम आदमी पार्टी के विधायक सदन में अपनी इस मांग को लेकर हंगामा करने लगे। उसके बाद विधानसभा अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही बुधवार तक के लिए स्थगित कर दी। इस दौरान उपराज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर भी चर्चा नहीं हो सकी। बता दें कि सोमवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी सदन में इस स्कीम को लेकर अपनी बात रखी थी। उन्होंने विधानसभा में नेता विपक्ष रामवीर सिंह की बिधूड़ी को कहा था।

## एकमुश्त समाधान योजना पर आप का हंगामा दिल्ली विधानसभा की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के विधायकों ने दिल्ली विधानसभा में पानी के बिलों में सुधार के लिए एकमुश्त समाधान योजना को रोकने का भारी विरोध किया जिसके बाद अध्यक्ष को सदन की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित करनी पड़ी। आप के सदस्य नियम 280 के तहत विधायकों के निर्वाचन क्षेत्रों से संबंधित मुद्दों के विशेष उल्लेख के बाद सदन में आसन के सामने आ गए और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खिलाफ नारे लगाए। विधायकों ने पार्टी पर योजना को रोकने के लिए अधिकारियों पर दबाव डालने का आरोप लगाया। उन्होंने उपराज्यपाल से योजना में बाधा डालने के लिए जिम्मेदार अधिकारियों को निलंबित करने की मांग की। विधानसभा अध्यक्ष राम निवास गोयल ने आप सदस्यों को शांत करने की कोशिश की और उन्हें अपनी सीट पर बैठने के लिए कहा। लेकिन जब विधायकों ने वापस जाने से इंकार कर दिया तो उन्होंने सदन की कार्यवाही आधे घंटे के लिए स्थगित कर दी। सदन की कार्यवाही जब दोबारा शुरू हुयी तो आप विधायक फिर से आसन के सामने आ गए और नारे लगाने लगे। गोयल ने दोबारा विधायकों से अपनी सीटों पर वापस जाने का अनुरोध किया लेकिन वे नारे लगाते रहे। आखिरकार अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही बुधवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को सदन में एक ध्यानाकर्षण प्रस्ताव का जवाब देते हुए उपराज्यपाल सक्सेना से आग्रह किया था कि वे अधिकारियों को योजना के कार्यान्वयन का निर्देश दें और यदि वे इंकार करते हैं तो उनके खिलाफ कार्रवाई करें। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के दबाव और धमकी के कारण अधिकारी काम नहीं कर रहे हैं।

## संक्षिप्त खबरें

### 75 लीटर देसी शराब के साथ कारोबारी गिरफ्तार

पतरघट/सहरसा। पतरघट ओपी पुलिस लागातार वाहन जांच के क्रम में अपनी सफलता हासिल करती हुई दिख रही है। प्राप्त जानकारी अनुसार वाहन जांच के क्रम में किशनपुर पंचयात के सुरमहा तीनमोहनी पास से एक मोटरसाइकल पर सबार दो ब्यक्ति शराब का खेप लगा रहे थे उसी दौरान बाइक पर लदे 75 लीटर देशी शराब के साथ पुलिस ने धर दबोचा ,बाइक पर सबार दो कारोबारी में से एक ने पुलिस को चकमा देकर भागने मे सफल रहा, धराए गये युवक की पहचान पतरघट निवाशी राजीव कुमार पिता बबलू राम के रूप में हुई है। इस बावत ओपी अध्यक्ष अजय कुमार पासवान ने बताया की धराए गये युवक के उपर मधनिषेध अधिनियम के तहत कार्यवाही करते हुए न्यायिक हिरासत मे भेज दी गई है।

### ओवर लोड हाइवा ट्रक कि ठोकर से एक 45 वर्षीय महिला की मौत

सोनवर्षा राज/सहरसा। प्रखंड क्षेत्र के बसनही थाना क्षेत्र के महुआ बाजार मलौधा मुख्य मार्ग पर खिलहा चौक के समीप मंगलवार की सुबह एक ओवर लोड हाइवा ट्रक कि ठोकर से एक 45 वर्षीय नीलम देवी की मौत हो गई। जबकि घटना के बाद चालक गाडी छोडकर फरार हो गया।जबकि खलासी को पुलिस गिरफ्तार कर लिया है। घटना के बाद जहाँ परिजनों में कोहराम मच गया वहीं स्थानीय लोगों में वाहन चालक के खिलाफ आक्रोश व्याप्त है। घटना की सूचना मिलते ही बसनही थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंच कर शव व वाहन को कब्जे में लेते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल सहरसा भेज दिया गया।घटना के बाबत परिजनों ने बताया कि महुआ उत्तर वाडी पंचायत अन्तर्गत वार्ड नंबर 7 खिलहा निवासी मक्खन मंडल की पत्नी नीलम देवी अपने बडी बहन डोमनी देवी को डाक्टर से दिखाने के लिए महुआ बाजार पैदल जा रही थी।कि घर से कुछ ही दूरी पर खिलहा चौक के समीप विपरीत दिशा से आ रही ओवर लोड अनियंत्रित हाइवा डब्लू बी 57 डी 6102 नंबर की वाहन चालक ने महिला को जोरदार टक्कर मार दिया।जिससे उसकी मौत घटनास्थल पर ही हो गई।टक्कर से हुई मौत के बाद चालक गाडी छोडकर फरार हो गया।

# जन सुराज पदयात्रा कार्यक्रम के तहत मधेपुरा पहुंचे प्रशांत किशोर ने मीडिया से किया जनसंवाद

प्रातः किरण, संवाददाता रंजीत कुमार

जन सुराज पदयात्रा को लेकर मधेपुरा पहुंचे प्रशांत किशोर की कारवां ज़हां आज जिला मुख्यालय के कृष्ण गौशाला मंदिर परिसर में प्रेस वार्ता आयोजित की गई इस दौरान पत्रकारों को संबोधित करते हुए प्रशांत किशोर ने कहा कि बिहार में प्रमुख रूप से बेरोजगारी पलायन और शिक्षा की लचर व्यवस्था की समस्या प्रमुख है इसके सुधार और राजनीति रूप से बिहार की जनता बंधुआ हो चुके विभिन्न पार्टियों की चंगुल से छुड़ाने के लिए बीते 2 अक्टूबर 2022 को चंपारण की धरती से यह पदयात्रा शुरू की गई और यात्रा के दौरान करीब 18 महीने तक 5000 से अधिक पंचायत और गांव का भ्रमण कर लोगों की समस्याओं को हमने सुना आने वाले 10 वर्षों में जन स्वराज के द्वारा रोड मेप तैयार किया गया है कैसे इन सभी समस्याओं से बिहार की जनता को निजात मिलेगी, इसी दौरान उन्होंने भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रीय जनता दल के साथ कांग्रेस और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर भी जमकर निशाना साधा उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में सबको अपनी बात रखने का अधिकार है आज राहुल गांधी अपनी पार्टी को वोट दिलाने के लिए यात्रा कर रहे हैं और कल तक बिहार के उपमुख्यमंत्री रहे तेजस्वी यादव को जब नीतीश कुमार ने झटका दे दिया तब आज उन्हें जनता की याद आई है लेकिन हमारी जो पदयात्रा है यह पदयात्रा बिल्कुल अलग है क्योंकि हम किसी से वोट नहीं मांगते हैं हम लोगों को जागरूक करने का प्रयास कर रहे हैं कि आज तक आपने दूसरों के लिए वोट दिया है लेकिन जिस दिन आप अपने लिए अपने बाल बच्चों के लिए वोट डालना शुरू कर देंगे निश्चित रूप से ही बिहार का और आपका कल्याण होगा । उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को खुली चुनौती देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी वर्तमान में मुख्यमंत्री हैं अगर उनमें है हिम्मत तो बिना लो लश्कर बिना सुरक्षा के एक भी पंचायत पैदल चलकर दिखा दे एक भी गांव घूम कर दिखा दे मजाल नहीं है कि वह एक भी गांव घूम ले बिना लाव लश्कर और बिना सुरक्षा के हम पिछले 18 महीने से 5000 से अधिक गांव घूम चुके हैं । पैदल यात्रा कर चुके हैं और वह भी बिना लाव लश्कर और बिना किसी सुरक्षा गार्ड के 18 महीने के दौरान लोगों ने भरपूर स्नेह और आशीर्वाद दिया है ।उन्होंने कहा कि बिहार में गांव गांव के लोगों ने कहा है कि प्रशांत किशोर जी जो आप कर रहे हैं वह काफी सराहनीय है और अच्छी पहल है,उन्हीं के आशीर्वाद और स्नेह के कारण हम लगातार यह आशीर्वाद यात्रा कर रहे हैं जब बिहार भर में हमारी यात्रा संपन्न होगी उसके बाद हम अपना दल बनाएंगे और उसे दल में गांव-गांव के पढ़े लिखे लोगों को युवाओं को चुन-चुन कर बाहर कर अपने दल में सामिल करेंगे और उन्हें चुनाव लड़ने और जीताने का काम करेंगे।बता दें कि मीडिया से जनसंवाद के बाद दूरदराज से पहुंचे लोगों के साथ भी प्रशांत किशोर ने किया जनसंवाद।

## कुमारखंड राजस्व कचहरी में अज्ञात चोरों ने दरवाजा का कुंजी तोड़ी

प्रातः किरण, संवाददाता

कुमारखंड थाना गेट से 50 मीटर पश्चिम राजस्व कचहरी में सोमवार की रात अज्ञात चोरों ने दरवाजा का कुंजी तोड़कर टेबल पर रखा हुआ प्रिंटर , कीबोर्ड, अन्य सामान और राजस्व कचहरी के कागजात को क्षतिग्रस्त कर दिया।

कुमारखंड थाना पुलिस को भनक तक नहीं लग पाया। जब थाना के बगल में चोरी की घटना हो और पुलिस को भनक तक नहीं लगने से पुलिस पर तो सवाल लाजमी है। इस संबंध में राजस्व कर्मचारी अखलेश कुमार ने मंगलवार को घटना की जानकारी देते हुए बताया साढ़े दस बजे दिन में जब कार्यालय खोलने आए तो देखे दरवाजा का कुंजी तोड़कर कर टेबल पर रखा हुआ प्रिंटर कीबोर्ड अन्य सामान मूल्य करीब 32 से 33 हजार रूपया और राजस्व कचहरी के कागजात को क्षतिग्रस्त कर दिया।

घटना की जानकारी सीओ के संज्ञान में दिया गया है। आदेशा अनुसार थाना को लिखित आवेदन दिया जाएगा।

## शादी समारोह में मारपीट के दौरान एक 30 वर्षीय युवक की मौत

प्रातः किरण, संवाददाता

पतरघट/सहरसा। जिला के थाना सौर बाजार ओपी पतरघट क्षेत्र में स्थानीय पंचायत जम्हरा भद्दी वार्ड संख्या 16 में सोम वार की रात आई बरात में उत्पन्न विवाद में लरकी पक्ष के रिलेसन के लोगो ने सादी समारोह में भाग लेने आए थे लेकिन कुछ कहासुनी इस तरह से हुआ की दो गुट मे मारपीट हो गई जिसमें एक पक्षी के करियत निवासी अमरेश सादा का मौत हो गयी। वही दूसरा पक्षी के सिकन्दर सादा साकिम टेकनमा जिन्होंने अपने चचरे बहने को डंडे से प्रहार कर मौत का घाट उतार दिया। वही मौत के बाद उन्होने घटना स्थल से भागने की कोशिस किया लेकिन लड़की पक्ष और स्थानीय ग्रामीण के द्वारा उसे भद्दीकला नहर पर पकर लिया गया और उसे समय पतरघट पुलिस को सूचना दिया गया त्वरित कार्रवाई करते पुअनि नीरज कुमार व अन्य पुलिस जबान के साथ पहंचकर जानकारी लेते हुए उन्हे गिरफ्तार कर लिया। मृतक अमरेश सादा का पत्नी ने बतायी की अमरेश सादा पिता लक्ष्मी सादा को आनन फानन में प्राथमिक उपचार के लिए पीएचसी पतरघट में भर्ती कराया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद मौके पर ही मृत्यु हो गया।वही मौके पर पीएचसी में मौजूद डा. बीके प्रशांत ने कहा कि इनके सिर मे गंभीर चोट लगने की वजह से इसकी मृत्यु घोषित हो गया। वही पुलिस ने काजगजी प्रक्रिया पूरा करते हुए शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सहरसा सदर भेज दिया है। घटना के बाद बरात एवं सराती में भगदर मच गया। लोगो भरा कचाकच पंडाल खाली हो गया। हालाकी सौभाग्य ये रहा की सादी का सभी कार्य पूर्ण हो गया था। लड़की वाला ने बताया कि रात लगभग 11 बजे माली सुगमा से बरात आई, उनका हमारे सभी ग्रामीण ने भव्य स्वागत किया शांतिपूर्ण माहौल मे जाय माला का कार्यक्रम किया गया, लेकिन कहां से विवाद हुआ, इससे वे अनभिज्ञ हैं। घर में उपवास पर थे और कन्यादान की तैयारी में लगे थे। इसी क्रम में यह घटना घटी।

## नये नाम राष्ट्रीय लोक मोर्चा होने के बाद कार्यकताओं में खुशी

प्रातः किरण, संवाददाता

सहरसा। नये नाम ह्नराष्ट्रीय लोक मोर्चाह्व होने की खुशी में राष्ट्रीय लोक मोर्चा- के जिला अध्यक्ष अर्चना आनन्द के आवास केशव भवन गंगजला सहरसा पर पार्टी के जिला अध्यक्ष अर्चना आनन्द के अध्यक्षता में केक काटकर पार्टी का प्रथम स्थापना दिवस मनाया गया। राष्ट्रीय लोक जनता दल से निर्वाचन आयोग के द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पूर्व केन्द्रीय मंत्री माननीय उपेंद्र कुशवाहा जी से राष्ट्रीय लोक जनता दल का नाम अन्य पार्टी से मिलता जुलता होने के कारण पांच अन्य नाम देने की बात कही गई जिसके तहत राष्ट्रीय अध्यक्ष जी के द्वारा पांच नामो की सूची निर्वाचन आयोग को दी गई,जिसमें पार्टी का नाम राष्ट्रीय लोक मोर्चा पर सहमति बनी, जिसका चुनाव आयोग द्वारा मान्यता प्रदान कर दिया गया है, इस खुशी में पार्टी के सभी नेता, कार्यकर्ता, पदाधिकारी ने पार्टी के प्रथम स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर केक काटकर खुशी का इजहार किया, इससे सभी कार्यकर्ता में काफी हर्षो उल्लास का माहौल दिखा। मौके पर प्रदेश महासचिव शिवेन्द्र कुमार जीशू, प्रदेश महासचिव चंदन बागची, गौरव सिंह, गोपाल तिवारी, दिनेश कुशवाहा ,राजेश यादव, शंभू कुशवाहा,अनुज सिंह, रामप्रवेश शर्मा, संजय तिवारी, अमरजीत सिंह नरेश यादव,पवन झा, बादल सिंह प्रमोद साह मुख्यरूप से मौजूद थे।

## संविधान मैथिली अनुवाद कार्यशाला का समापन आज

● कुलपति के संबोधन से कार्यशाला का होगा समापन

प्रातः किरण, संवाददाता

सहरसा। भूपेंद्र नारायण मंडल विश्वविद्यालय मधेपुरा की संबंध इकाई ईस्ट एंड वेस्ट टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज पटुवाहा में विगत नौ फरवरी से आयोजित भारतीय भाषा संस्थान मैसूर शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के राष्ट्रीय अनुवाद मिशन द्वारा भारतीय संविधान मैथिली अनुवाद हेतु दस दिवसीय कार्यशाला का बुधवार को समापन होगा। इस बाबत कार्यशाला के कोडिनेटर सह विशेषज्ञ डॉ रजनीश रंजन ने बताया की भारतीय भाषा संस्थान मैसूर एवं राष्ट्रीय अनुवाद मिशन के तत्वावधान में 9 फरवरी से 21 फरवरी तक आयोजित दस दिवसीय कार्यशाला के समापन समारोह के अवसर पर भुपेन्द्र नारायण मंडल विश्वविद्यालय मधेपरा के कुलपति प्रो डॉ बिमलेन्दू शेखर झा की उपस्थिति व संबोधन के साथ दस दिवसीय कार्यशाला का समापन होगा. साथ ही इस अवसर पर भुपेन्द्र नारायण मंडल विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ मीहिर ठाकुर छात्र कल्याण अध्यक्ष डॉ नवीन कुमार मुख्य रूप से उपस्थित रहेंगे। उन्होंने कहा कि ईस्ट एन वेस्ट टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज के बहुउद्देशीय सभागार में समारोह पूर्वक कार्यशाला का समापन होगा। कहा समापन समारोह के अवसर पर मैथिली साहित्य व भाषा से जुड़े कई विशेषज्ञ व विद्वान इस मौके पर उपस्थित रहेंगे. राष्ट्रीय अनुवाद मिशन मैसूर के वरीय रिसोर्स पर्सन डॉ शंभु कुमार सिंह ने बताया की भारतीय भाषा संस्थान मैसूर के निदेशक डॉ शैलेन्द्र मोहन व परियोजना पदाधिकारी डॉ तारिक खान ने निर्देशानुसार इस दस दिवसीय विशेष कार्यशाला में रिसोर्स पर्सन एम एलटी कॉलेज अंग्रेजी विभाग के डॉ शशि कुमार मिश्रा डॉ सतीश दास पीजी सेंटर मधेपुरा मैथिली विभाग के डॉ नरेन्द्र नाथ झा प्रो अशोक कुमार सिंह मैथिली विभाग एम एल टी कॉलेज डॉ बलवीर कुमार झा अंग्रेजी विभाग एस एन एस कॉलेज के डॉ संजय कुमार चौधरी के अलावे अधिवक्ता आदित्य ठाकुर ने रिसोर्स पर्सन के रूप में इस दस दिवसीय कार्यशाला में मैथिली भाषा में संविधान के निर्माण में अपनी अपनी महती भूमिका का निर्वाहन किया।

## पहले स्वयं दवा सेवन की अब आमजनों को जागरूक कर रहीं: फाइलेरिया पीड़ित अंजुम आरा

प्रातः किरण, संवाददाता

सहरसा। जिले की सहरसा बस्ती निवासी अंजुम आरा पिछले कई वर्षों से फाइलेरिया यानि हाथी पांव रोग से ग्रसित हैं। सर्वजन दवा सेवन कार्यक्रम के दौरान जब उनके घर टीम पहुंची। तो अंजुम स्वयं टीम के सामने दवा सेवन की। अब वह दूसरे लोगों से फाइलेरिया बीमारी से बचाव के लिए दवा सेवन करने की अपील कर रही हैं। उन्होंने बताया फाइलेरिया संक्रमण शुरूआती दिनों में पता नहीं चल पाता है। इसके लक्षण फाइलेरिया संक्रमित हो जाने के 5 से 15 सालों के बाद कभी भी दिखाई पड़ सकते हैं। ऐसे में फाइलेरिया से बचने के लिए सरकार द्वारा चलाये जा रहे मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेटर के दौरान जब भी कोई स्वास्थ्य कर्मी, आशा कार्यकर्त्ता, जीविका दीदी, ड्रग एडमिनिस्ट्रेटर या अन्य कोई स्वास्थ्य कर्मी आपको दवा सेवन कराने आयें तो बिना झिझक दवा सेवन करें। एक पैर सूज जाने से होती है काफी परेशानी:- फाइलेरिया ग्रसित अंजुम आरा ने बताया एक बार फाइलेरिया का शिकार हो जाने के बाद इसका इलाज नहीं है। फाइलेरिया के कारण उनके पावों में सूजन आ जाने से उनका कहीं पैदल जाना कठिन हो गया है। दैनिक कार्य करने में भी काफी कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है। फाइलेरिया के कारण एक पैर मोटा हो जाने के कारण चलने-फिरने में असहज महसूस होता है। शरीर के एक अंग में अतिरिक्त बोझ बढ़ जाने से काफी परेशानियों का भी सामना करना पड़ता है। फाइलेरिया मच्छरों के काटने से होने वाली बीमारी है। फाइलेरिया के परजीवी मच्छरों के काटने से हमारे शरीर में आते हैं, जहां वे हमारे शरीर को प्रभावित करते हैं। फाइलेरिया से बचाव ही इसका एक मात्र सामाधान है। इसके लिए जरूरी है कि जब भी सरकार द्वारा सर्वजन दवा सेवन कार्यक्रम संचालित किया जाये, उसमें हिस्सा लेकर दवा का सेवन अवश्य करें। उन्होंने बताया दवा सेवन कराने आये कर्मी पूर्ण रूप से प्रशिक्षित हैं, उनके द्वारा आपको आपकी आयु की हिसाब से दवा सेवन करायी जायेगी। उचित व्यवहार एवं साफ-सफाई भी जरूरी अंजुम आरा लोगों को फाइलेरिया से बचने की सलाह देते हुए कहा इससे बचने के दवा सेवन करना तो जरूरी है ही साथ ही मच्छरों से बचने के लिए लोगों को अपने घरों के आस-पास साफ-सफाई रखने के लिए भी कहा। उन्होंने बताया मच्छरों के काटने से होने वाली इस बीमारी से बचने के लिए मच्छरों के काटने से बचें। इसके लिए सोते समय मच्छरदानी का उपयोग करें, मच्छरों से बचने के लिए शरीर ढ़कने वाले मौसम अनुरूप कपड़े पहनायें, घरों के आस-पास गंदगी एवं गंदा पानी इकट्ठा न होने दें। यदि पानी इकट्ठा होते हैं तो इनके कारणों को नष्ट करें, ताकि गंदा पानी इकट्ठा न होने पाये। भ्रांतियों से रहें दूर:- फाइलेरिया ग्रसित अंजुम आरा को दवा सेवन कराने गयी टीम के साथ पीसीआई के जिला प्रोग्राम पदाधिकारी चंदन कुमार ने फाइलेरिया रोधी दवा सेवन संबंधित भ्रांतियों को दूर करते हुए लोगों को बताया सर्वजन दवा सेवन के दौरान लोगों को खिलाई जा रही दवा कई प्रकार के परीक्षणों से पास एवं गुणवत्तापूर्ण हैं। यदि इनके सेवन करने के बाद थोड़ी परेशानी या असहज महसूस होता है, तो परेशान होने की आवश्यकता नहीं है। यह असहजता या परेशानी उनके शरीर में पल रहे माइक्रो फाइलेरिया के कारण भी हो सकता है। इससे घबराने की आवश्यकता नहीं है, कुछ ही देर बाद यह लक्षण समाप्त हो जायेंगे।

## नये नाम राष्ट्रीय लोक मोर्चा होने की खुशी में केक काटकर मनाया प्रथम स्थापना दिवस

प्रातः किरण संवाददाता

मधेपुरा नये नाम राष्ट्रीय लोक मोर्चा होने की खुशी में युवा राष्ट्रीय लोक मोर्चा- के प्रदेश उपाध्यक्ष प्रो.अभिषेक कुशवाहा के आवास पर पार्टी के जिलाध्यक्ष रविशंकर कुमार उर्फ पिंटू के अध्यक्षता में केक काटकर पार्टी का प्रथम स्थापना दिवस मनाया गया। राष्ट्रीय लोक जनता दल से निर्वाचन आयोग के द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पूर्व केन्द्रीय मंत्री माननीय उपेंद्र कुशवाहा जी से राष्ट्रीय लोक जनता दल का नाम अन्य पार्टी से मिलता जुलता होने के कारण पांच अन्य नाम देने की बात कही गई। पांच नामो की सूची निर्वाचन आयोग को दी गई।जिसमें पार्टी का नाम राष्ट्रीय लोक मोर्चा पर सहमति बनी। जिसका चुनाव आयोग द्वारा मान्यता प्रदान कर दिया गया। इस खुशी में पार्टी के सभी कार्यकर्ता पदाधिकारीयो ने पार्टी के प्रथम स्थापना दिवस केक काटकर मनाया। इससे सभी कार्यकर्ता में काफी हर्षो उल्लास का माहौल दिखा। मौके पर मधेपुरा रालोम जिलाध्यक्ष रविशंकर कुमार उर्फ पिंटू मेहता, प्रदेश महासचिव मृत्युंजय मेहता, पूर्व विधानसभा प्रत्याशी सह प्रदेश सचिव मो इफ्तेखार आलम उर्फ गूडडू, युवा रालोम प्रदेश उपाध्यक्ष प्रो.अभिषेक कुशवाहा, प्रखंड अध्यक्ष मुकेश कुमार, जिला उपाध्यक्ष सुनिल मेहता, सुरेंद्र मेहता, श्याम मेहता, विनोद शर्मा, संदीप ऋषिदेव, मो औरंगजेब, मो सदरूल, मो मस्तान, मो सदरे, देवनारायण मेहता, गोलू यादव, बागेश्वर मेहता, मो सनजीर आलम, मो केसर, मो जाकीर, मो मोनू, मो आशिक आदि मौजूद रहे।

## श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

प्रातः किरण संवाददाता

मधेपुरा भूपेंद्र नारायण मंडल विश्वविद्यालय, लालूनगर, मधेपुरा के ग्यारहवें कुलपति प्रो. (डॉ.) अमरनाथ सिन्हा की आत्मा की शांति हेतु मंगलवार को अपराह्न 3 बजे से कुलपति प्रो. बी. एस. झा की अध्यक्षता में कुलपति कार्यालय के सामने श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर कुलसचिव प्रो. मिहिर कुमार ठाकुर ने विश्वविद्यालय की ओर से एक शोक-संदेश पढ़ा। उन्होंने बताया कि प्रो. सिन्हा का 18 फरवरी, 2024 (रविवार) को मुबंई में निधन हो गया। वे 87 वर्ष के थे और पिछले कुछ महीनों से अस्वस्थ चल रहे थे। एकमात्र पुत्र शिशिर रंजन सहित भरापूरा परिवार और हजारों प्रशंसक छोड़ गए हैं। उन्होंने बताया कि प्रो. अमरनाथ 02 अगस्त, 2001 से 01 अगस्त, 2004 तक बीएनएमयू के कुलपति रहे। उन्होंने विश्वविद्यालय को यूजीसी के 2 (एफ) एवं 12 (बी) से मान्यता दिलाने में महती भूमिका निभाई। उन्होंने कहा है कि प्रो. अमरनाथ के निधन से हमने एक विद्वान प्राध्यापक, कर्मठ प्रशासक और शिखर समालोचक को खो दिया है। यह न केवल हमारे विश्वविद्यालय के लिए, वरन संपूर्ण बदेश एवं राष्ट्र को एक अपूर्णीय क्षति हुई है। वे आज सशरीर हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनके विचार एवं कार्य हमें हमेशा प्रेरणा देते रहेंगे। कार्यक्रम के अंत में सबों ने दो मिनट का मौन रखकर प्रो. सिन्हा की आत्मा की शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना की और कार्यक्रम के उपरांत उनके सम्मान में सभी कार्यालयों में छुट्टी दे दी गई। उपकुलसचिव (स्थापना) डॉ. सुधांशु शेखर ने बताया कि प्रो. सिन्हा के एकमात्र पुत्र शिशिर रंजन को डाक से विश्वविद्यालय का शोक-संदेश भेजा जाएगा। इस अवसर पर डीएसडब्ल्यू प्रो. नवीन कुमार, कुलानुशासक डॉ. बी. एन. विवेका, प्रो. उषा सिन्हा, डॉ. राणा सुनील सिंह, सहित कई शिक्षक, शोधार्थी, विद्यार्थी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

## मानव दिवस के सृजन को लेकर निर्धारित लक्ष्य को करें पूरा

प्रातः किरण, संवाददाता

मधेपुरा : मनरेगा,जल जीवन हरियाली,जल संसाधन,लोहिया स्वच्छ अभियान,हर खेत तक सिंचाई का पानी योजना की समीक्षात्मक बैठक मंगलवार को उप विकास आयुक्त अवधेश कुमार आनंद की अध्यक्षता में झल्लू बाबू सभागार में हुई। बैठक में मनरेगा से मानव दिवस सृजन को लेकर समीक्षा की गई। जिले में मनरेगा से इस वर्ष 43 लाख के विरूद्ध मधेपुरा में 35 लाख मानव दिवस सृजन किया गया है। इस-पर डीडीसी द्वारा 31 मार्च तक शत-प्रतिशत मानव सृजन करने का निर्देश संबंधित पदाधिकारी को दिया गया। समीक्षा के क्रम में पाया गया कि जिले में 94.69 प्रतिशत आधार सीडिंग करा लिया गया है। शत-प्रतिशत आधार सीडिंग कराने के लिए सभी मनरेगा पीओ को निर्देश दिया गया कि 15 योजनाओं का एप से निरीक्षण करने का निर्देश दिया गया। बैठक में बताया गया कि विभिन्न प्रखंडों में 64 आंगनबाड़ी केंद्रों का निर्माण कार्य चल रहा है। इसपर डीडीसी द्वारा मार्च तक सभी निमार्णाधीन आंगनबाड़ी केन्द्रों को पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। मनरेगा, शिक्षा विभाग से कुल 1361 मीटर स्कूल चाहरदीवारी निर्माण का लक्ष्य प्राप्त है। लक्ष्य को शत-प्रतिशत पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। वित्तीय वर्ष 2020-21 एवं उससे पूर्व की 99787 योजनाओं में से 93345 योजनाओं को पूर्ण करा लिया गया है जो कि 93.54 प्रतिशत है, शेष बचे 6442 योजनाओं को मार्च से पहले पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। बैठक में लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान अंतर्गत चल रहे विकास कार्यो का समीक्षा किया गया। समीक्षा के क्रम में डीडीसी ने निर्देश दिया कि जिन-जिन पंचायत में डब्ल्यूपीयू का निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं हुआ है वहां अविलंब कार्य प्रारंभ किया जाए। साथ ही सभी निमार्णाधीन डब्ल्यू को यथाशीघ्र पूर्ण करने का निर्देश दिया गया व उपयोगिता शुल्क संग्रहण एवं प्लास्टिक संग्रहण में तेजी लाने का निर्देश दिया गया। बैठक में सभी संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित हुए।

## थाना में सीओ ने शांतिपूर्ण और भयमुक्त तरीके से चुनाव कार्य पूर्ण करने के लिए लाइसेंसी आर्म्स किया भौतिक सत्यापन

प्रातः किरण, संवाददाता

कुमारखंड मधेपुरा आगामी लोकसभा चुनाव को देखते हुए डीएम सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी विजय प्रकाश मीणा के निर्देश पर कुमारखंड थाना परिसर श्रीनगर थाना परिसर भतनी ओपी परिसर में सीओ शशि कुमार नेतृत्व कुमारखंड थाना अध्यक्ष इंस्पेक्टर संजीव कुमार, श्रीनगर थाना अध्यक्ष निसार आलम, भतनी ओपी प्रभारी सत्य प्रकाश की देख रेख में 18 लाइसेंस धारी आर्म्स मालिक के सशस्त्र का सीओ ने भौतिक सत्यापन किया। श्रीनगर थाना परिसर में 8 ,कुमारखंड थाना में 8, भतनी ओपी में 2 कुल 18 लाइसेंसधारी आर्म्स मालिक के आर्म्स का भौतिक सत्यापन किया गया। सीओ शशि कुमार ने बताया कि आगामी लोकसभा चुनाव को स्वच्छ ,शांतिपूर्ण और भयमुक्त तरीके से चुनाव कार्य पूर्ण करने के उद्देश्य से लाइसेंसी आर्म्स का भौतिक सत्यापन किया जा रहा है। उन्होंन बताया कि दूसरा दिन मंगलवार को कुमारखंड, श्रीनगर थाना एवं भतनी ओपी मिलाकर 18 अनुज्ञप्तिधारी आर्म्स धारक सदेह उपस्थित होकर अपने-अपने आर्म्स का भौतिक सत्यापन कराया। मौके पर थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर संजीव कुमार, श्रीनगर थानाध्यक्ष निसार आलम, भतनी ओपी प्रभारी सत्य प्रकाश दारोगा गोपेन्द्र कुमार सिंह, आर्म्स मालिक शत्रुघन भगत, बद्दीउज्मा , पूर्व कुलपति बीएनएमयू प्रो अनंत कुमार, अभिषेक आनंद,नंद कुमार सिंह, मनीष कुमार,अजय सिंह समेत अन्य आर्म्स मालिक मौजूद थे।

## आत्मा से बीटीएम और एटीम के चयनित अभ्यर्थियों को मिला नियोजन पत्र

प्रातः किरण, संवाददाता

मधेपुराः आत्मा योजना के तहत संविदा आधारित पदों पर चयनित प्रखंड तकनीकी प्रबंधक एवं सहायक तकनीकी प्रबंधक के चयनित अभ्यर्थियों के बीच नियोजन पत्र मंगलवार को समाहरणालय के एनआईसी भवन में वितरित किया गया। जिला कृषि पदाधिकारी सह आत्मा के परियोजना निदेशक पूनम कुमारी ने बताया कि प्रखंड तकनीकी प्रबंधक के आठ तकनीकी प्रबंधक के 22 अभ्यर्थियों का चयन किया गया है। इसमें संतोष कुमार पंडित, देवकी रानी, प्रेमजीत कुमार एवं गिरीश नंदन को प्रखंड तकनीकी प्रबंधक पद के लिए एवं अंकित कुमार पासवान, वंदना कुमारी, रूपेश कुमार एवं आयुष सौरभ सहायक तकनीकी प्रबंधक पद के लिये नियोजन पत्र दिया गया। समाहरणालय के एनआईसी भवन में उप विकास आयुक्त ने मौके पर आठ प्रखंड तकनीकी प्रबंधक एवं 22 सहायक तकनीकी प्रबंधक के बीच नियोजन पत्र वितरण किया। इस दौरान जिला कृषि पदाधिकारी, जिला पशुपालन पदाधिकारी, जिला मत्स्य पदाधिकारी, जिला अल्पसंख्यक पदाधिकारी,सहायक निदेशक, उद्यान एवं उप परियोजना निदेशक आत्मा मौजूद थे।

## विष्णु महायज्ञ हनुमाननगर में बह रही भक्ति की धारा

प्रातः किरण, संवाददाता

सौरबाजार/सहरसा। प्रखंड क्षेत्र के राम जानकी ठाकुरबाड़ी हनुमान नगर में महंथ हनुमान दास त्यागी महाराज जी के अगुवाई में चल रहें विष्णु महायज्ञ में मंगलवार को यजमानों ने हवन कुंड में आहुति देकर समाज में शांति की कामना की। यज्ञाचार्य पंडित राम बिहारी ने सभी यजमानों से आहुति कराकर महायज्ञ का महत्व बताते हुए कहा यज्ञ वैज्ञानिक दृष्टिकोण से पर्यावरण के लिए उपयोगी है। जिसका धुआं पाप को नष्ट कर पर्यावरण को प्रदूषण रहित करता हैं।ऐसे आयोजन से समाज में खुशिया और परिवार में समृद्धि आती हैं। महायज्ञ का यह पवित्र आयोजन राम जानकी ठाकुरबारी हनुमाननगर में सभी भक्तों के लिए कल्याणकारी सिद्ध होगा। ऐसी कामना के साथ ही सुबह आयोजित महायज्ञ में भक्त गण बड़ी संख्या में उपस्थित होकर भगवान तक पहुंचने का मार्ग प्रदत्त कर रहें हैं। मानव शरीर मिट्टी का पुतला: राम जानकी ठाकुरबाड़ी परिसर में श्रीमद् भागवत कथा का प्रारंभ हुआ। हरिद्वार से आए कथा वाचक बालक दास महाराज ने बताया कि मानव शरीर को एक दिन इस भूलोक को छोड़कर मृत्यु को प्राप्त हो जाना है। इसकी सुख सुविधा के लिए ही हम दिन रात मेहनत करते हैं। लेकिन आत्मा जो अजर अमर हैं, इसके लिए हम कुछ नहीं करते, आत्मा के लिए नित्य श्रीमद् भागवत कथा पढ़ना या सुनना चाहिए। जो नित्य कथा का श्रवण करते हैं, मृत्यु के पश्चात उसका जीवात्मा श्री भागवत धाम का जाना निश्चित है। जहां जन्म मृत्यु के चक्कर से जीव मुक्त हो जाता है। उन्होंने कहा कि शरीर माटी का पुतला है मगर मनुष्य इस पुतले को ही संसार मान बैठता है।

सम्पादकीय

## राजनीति से प्रेरित कार्रवाई

कांग्रेस के बैंक खाते पर हुई कार्रवाई का उसकी गतिविधियों पर गहरा असर पड़ेगा। क्या आय कर विभाग यही चाहता है? जिस समय विपक्ष के खिलाफ केंद्रीय एजेंसियों की भूमिका पहले से संदिग्ध है, ऐसे सवाल उठना अस्वाभाविक नहीं हैं। कांग्रेस के खाते का संचालन जिस समय और जिस तरह से रोका गया, उसे पहली नजर में राजनीति से प्रेरित कार्रवाई ही माना जाएगा। यह कार्रवाई इलेक्ट्रॉल बॉन्ड मामले में सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के ठीक अगले दिन की गई। इस निर्णय से सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी के लिए असहज स्थितियां पैदा हुईं। इससे इलेक्ट्रॉल बॉन्ड्स के जरिए भाजपा को असामान्य रूप से मिले अधिक चंदे और उसके स्रोत का मुद्दा चर्चा में आया। उसके ठीक अगले दिन देश की प्रमुख विपक्षी पार्टी पर ऐसी कार्रवाई के मकसद पर सहज ही संदेह खड़ा हुआ। सवाल उठा कि क्या इसके जरिए यह बताने की कोशिश की गई है कि विपक्ष के चंदे में भी घपला है? आय कर विभाग की इस कार्रवाई के तथ्यों पर ध्यान देना जरूरी है। यह कदम 2018-19 में कांग्रेस को मिले चंदे के सिलसिले में यानी अब पांच साल बाद उठाया गया है। तब पार्टी तय तारीख (31 दिसंबर 2019) तक इनकम टैक्स रिटर्न जमा नहीं करा पाई। उसने 45 दिन देर से इसे जमा कराया। रिटर्न में पार्टी ने बताया कि गुजरे साल में 199 करोड़ रुपये का चंदा उसके बैंक खाते में आया, जबकि 14 लाख 40 हजार रुपये उसके पास नकदी में हैं, जो उसे पार्टी सांसदों और विधायकों से मिले हैं। आय कर विभाग ने नकदी रकम को विसंगति (डिस्क्रेपैंसी) बताया है, जबकि 45 दिन की हुई देर को लेकर 210 करोड़ रुपये का जुमार्ना लगा दिया है। यह कार्रवाई लोकसभा चुनाव से कुछ ही महीने पहले हुई है। खाते के संचालन पर रोक को जब कांग्रेस ने अपीलीय पंचाट में चुनौती दी, तो पंचाट ने खाते के संचालन से रोक तो हटा दी, लेकिन शर्त लगा दी कि कांग्रेस को 155 करोड़ रुपये खाते में रखने होंगे। पार्टी के मुताबिक उसके पास इसके अतिरिक्त रकम नहीं है। यानी व्यावहारिक रूप में वह खाते का इस्तेमाल नहीं कर पाएगी। जाहिर है, पार्टी की गतिविधियों पर इसका व्यापक असर पड़ेगा। क्या आय कर विभाग का यही मकसद है? जिस समय विपक्ष के खिलाफ केंद्रीय एजेंसियों की भूमिका पहले से संदिग्ध है, ऐसे सवाल उठना अस्वाभाविक नहीं हैं।

## केजरीवाल की कहानियों का अंत नहीं

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के ड्रामे और उनकी कहानियों का अंत ही नहीं हो रहा है। उनकी सरकार ने एक बार फिर विधानसभा में विश्वास मत पेश कर दिया। किसी ने उनके बहुमत पर अविश्वास नहीं जाहिर किया था और न कहीं से उनकी सरकार को खतरा दिख रहा था। 70 सदस्यों की राज्य विधानसभा में केजरीवाल की पार्टी के 62 विधायक हैं। उन्हें तीन चौथाई से भी ज्यादा बहुमत है। फिर भी यह तीसरा मौका है, जब उन्होंने विश्वास मत हासिल करने का ड्रामा रचा है। पहले भी उन्होंने आरोप लगाया था कि उनके विधायकों को 20 करोड़ रुपए देने की भाजपा ने पेशकश की है। इस आरोप के बाद उन्होंने विश्वास मत पेश कर दिया। अब फिर आरोप लगाया है कि सात विधायकों को 25-25 करोड़ रुपए की पेशकश भाजपा ने की है और सरकार गिराना चाहती है। हालांकि सात या 17 विधायकों के टूटने से भी केजरीवाल की सरकार पर खतरा नहीं है। दूसरे, दिल्ली पुलिस उनसे पूछ रही है कि वे मीडिया में बयान देने के बाद औपचारिक शिकायत दर्ज कराएं। किसी व्यक्ति का नाम लें, जिसने पैसे की पेशकश की या कोई फोन नंबर ही बताएं कि इस नंबर से फोन करके पेशकश की गई थी। लेकिन उनकी पार्टी ने न कोई सबूत पेश किया है और न औपचारिक शिकायत दर्ज कराई है। लेकिन विधानसभा के सत्र में बजट टाल दिया और विश्वास मत पेश कर दिया।

## संदेशखाली की दरिंदगी

पश्चिम बंगाल के संदेशखाली इलाके के हालात को देख-सुन कर ऐसा लगता है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उन्हें पहले ही देखा, भोगा और अनुभव किया है। संदेशखाली पर जितनी रपटें और विश्लेषण सामने आए हैं, उनके मदेनजर आश्चर्य होता है कि 2011 से वहां ह्यदरिंदोंह्ल के अत्याचार, यौन उत्पीडन और भूमि पर जबरन कब्जों के सिलसिले जारी रहे हैं, लेकिन मुख्यमंत्री उन्हें झूठ करार दे रही हैं। उन्होंने विधानसभा में कहा है कि संदेशखाली में आरएसएस का अड्डा है और वही औरतों को उकसा और बरगला रहा है। यदि संघ किन्हीं आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त है, तो मुख्यमंत्री और राज्य पुलिस ने उसके खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की? आश्चर्य यह भी है कि संदेशखाली की औरतों पर सालों से अत्याचार, अनाचार किए जा रहे थे, लेकिन राज्यपाल, अनुसूचित जाति आयोग, राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग, राष्ट्रीय महिला आयोग और भाजपा संसदीय प्रतिनिधिमंडल आदि की नींद एकसाथ 2024 में खुली है! अब प्रधानमंत्री मोदी भी 7 मार्च को, अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर, बंगाल जा रहे हैं, जहां वह महिलाओं की ही जनसभा को संबोधित करेंगे। ये तमाम अभियान ह्यराजनीतिकह्ल लगते हैं, क्योंकि सालों तक सभी खामोश और निष्क्रिय थे, लेकिन आज बंगाल में ह्यराष्ट्रपति शासनह्ल तक की आवाजें मुखर हुई हैं। यहां तक कि जमीनी रपटें सामने आई हैं कि संदेशखाली की औरतों को तृणमूल कांग्रेस के दफ्तर में बुलाया जाता था और रात भर उन्हें ह्यमनोरंजनह्ल के लिए विवश किया जाता था। ऐसे कबूलनामे औरतों ने कैमरे के सामने कहे हैं, हालांकि चेहरे ढक कर वे बोली हैं, क्योंकि उन्हें ह्यअत्याचारी राक्षसोंह्ल का खौफ है। दुर्भाग्य और विडंबना यह है कि शोषित और पीड़ित औरतों को, खुद को, तृणमूल की समर्थक और वोटर भी कहना पड़ रहा है। औरतों की पारिवारिक बची-खुची जमीनें भी छीन ली गई हैं और अब उन पर तृणमूल कांग्रेस के ह्यराजनीतिक गुंडोंह्ल के अवैध कब्जे हैं। अत्याचार और सामूहिक दुष्कर्म के यथार्थ कई पक्षों ने सामने रखे हैं, लिहाजा उन्हें खारिज करना आसान नहीं है। कमोबेश संवैधानिक पदासीन चेहरों को झूठा करार नहीं दिया जा सकता। उनके भी सामाजिक दायित्व हैं। अब मामला सर्वोच्च अदालत के विचाराधीन है। आज सुनवाई में उसका फैसला क्या होगा, उसका विश्लेषण बाद में करेंगे। हमने कहा था कि ममता बनर्जी ने ऐसे हालात पहले देख और अनुभव कर रखे हैं। इस संदर्भ में सिंदुर और नंदीग्राम के आंदोलन याद आते हैं, जो टाटा मोटर्स के प्लांट के लिए भूमि अधिग्रहण के खिलाफ थे। तब ममता विपक्ष में थीं और आंदोलन का नेतृत्व कर रही थीं। तत्कालीन वाममोर्चा सरकार और पार्टी समूह ने ममता पर जो हिंसक और जानलेवा हमले किए थे, उन्होंने बंगाल में ह्यवामह्ल के अंत की शुरूआत कर दी थी। आज 2011 से बंगाल में ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस की सत्ता है। ममता भी ह्यवामह्ल की तरह घमंडी और एकाधिकारवादी हैं। संदेशखाली में जो विरोध-प्रदर्शन उभरे हैं, उनमें शाहजहां शेख, शिबू हाजरा और उत्तम सरदार सरीखे तृणमूल गुंडों की गिरफ्तारी की मांग गूंज रही है। शेख तब से ह्यभगोड़ाह्ल है, जब उसके घर पर प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने छापा मारा था और हिंसक भीड़ ने जांच अधिकारियों को ही घायल कर दिया था। क्या यह संभव हो सकता है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को जानकारी ही न हो कि उनका ह्यसिंडिकेटह्ल कहां है? ममता-राज के दौरान तृणमूल के भीतर ही ऐसा सिंडिकेट बना दिया गया है, जो ज्यादातर हिंदू आबादी पर ही दरिंदगी दिखाते हैं। पुरुषों को जान से मार देने की धमकियां भी देते हैं। 2021 के विधानसभा चुनाव के दौरान इसी सिंडिकेट ने भाजपा के खिलाफ 273 घटनाएं की थीं। कई कार्यकताओं को भी मार दिया गया था। यह गुंडई पंचायत चुनावों में सरेआम कहर ढहाती रही है। क्या एक महिला मुख्यमंत्री का शासन ऐसा भी हो सकता है कि दरिंदे खुलेआम हत्याएं और अत्याचार कर सकें? यह सवाल जरूरी है, क्योंकि हम एक लोकतांत्रिक देश में रहते हैं। बंगाल की पुलिस भी सिंडिकेट का ही संरक्षण करती है, लिहाजा शाहजहां का सुराग तक नहीं लग पाया है कि आखिर महीनों से वह कहां फरार है?

# पॉलिटिकल फंडिंग पारदर्शी, साफ-सुथरी हो

**इस पद्धति में यह सूचना सार्वजनिक करने का प्रावधान नहीं था कि किस पार्टी को किस व्यक्ति या संस्था ने कितना चंदा इलेक्टोरल बॉन्ड के माध्यम से दिया है। इस प्रावधान पर सर्वोच्च न्यायालय ने आपत्ति जताई है और कहा है कि चुनावी चंदे के लेन-देन में समुचित पारदर्शिता होनी चाहिए। अभी इस ताजा फैसले में अदालत ने इलेक्टोरल बॉन्ड की व्यवस्था को रोक दिया है और कहा है कि भारतीय स्टेट बैंक इलेक्टोरल बॉन्ड जारी करना बंद कर दे। सर्वोच्च न्यायालय की प्रमुख आपत्ति पारदर्शिता को लेकर ही है। जो व्यवस्था इलेक्टोरल बॉन्ड के आने से पहले से थी और जिस प्रकार राजनीतिक दल पैसा जुटाते थे, उसमें भी पारदर्शिता का बड़ा अभाव था। साथ ही, यह भी समस्या थी कि जो लोग भारी मात्रा में नगदी दे रहे हैं, उनके पैसे का स्रोत क्या है, इसका पता लगा पाना असंभव था। अगर सर्वोच्च न्यायालय के निदेर्शों को लागू करते हुए इलेक्टोरल बॉन्ड की व्यवस्था को कायम रखा जाए, तो आगे शायद अदालत को कोई आपत्ति नहीं होगी। हमारे देश में पंजीकृत राजनीतिक दलों की संख्या सैकड़ों में है। ऐसे में यह तो संभव है नहीं कि धन का कोई एक केंद्रीय संग्रहण हो और सभी दलों को उसमें से एक समान हिस्सा मुहैया कराया जाए। दलों की विचारधारा अलग-अलग है। मान लीजिए कि मुझे चंदा देना है और मैं समझ रहा हूं कि किसी दल की विचारधारा और कार्यक्रम संकीर्ण सोच पर आधारित हैं तथा देश के लिए नुकसानदेह हैं, तो मैं उस दल को चंदा नहीं देना चाहूंगा।**

**डॉ. अश्विनी महाजन-**

**(लेखक कॉलेज एसोसिएट प्रोफेसर हैं)**

इलेक्टोरल बॉन्ड पर जो सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय आया है, वह एक कानूनी प्रक्रिया के तहत है और उस पर कोई विशेष टिप्पणी करने का कोई अर्थ नहीं है। पर इस संबंध में जो पहली चीज विचार करने लायक है, वह यह है कि इलेक्टोरल बॉन्ड की व्यवस्था को क्यों लाया गया था? राजनीतिक दलों को चंदा संग्रह करने का अधिकार है और जमा की गई धनराशि पर उन्हें कोई आयकर भी नहीं देना होता है। उन्हें जो पैसा चंदे या दान के रूप में मिलता है, उनसे अपेक्षा की जाती है कि वे उसकी जानकारी चुनाव आयोग को मुहैया कराएंगे। पहले जो धन बैंक चेक या ड्राफ्ट के माध्यम से हासिल होता था, उसकी जानकारी तो मिल जाती थी, लेकिन नगदी चंदे के बारे में पारदर्शिता का पूरा अभाव था। यह तो स्थापित तथ्य है कि हमारे देश की राजनीति और चुनावी प्रक्रिया में काले धन की मौजूदगी जमाने से रही है और इस समस्या के समाधान पर लंबे समय से चर्चा भी होती रही है। काले धन की वजह से यह चलता रहा कि पैसा देने वाले राजनीतिक दलों और उनकी सरकारों से बेजा फायदा उठाते रहे। यह स्थिति हमारी राजनीतिक प्रणाली के लिए एक गंभीर चुनौती थी। इस पृष्ठभूमि में इलेक्टोरल बॉन्ड की व्यवस्था लाकर यह प्रयास हुआ कि काले धन की समस्या को रोका जाए, उसे हतोत्साहित किया जाए। वर्ष 2017 में भारत सरकार द्वारा इलेक्टोरल बॉन्ड की व्यवस्था लागू की गई, जिसमें यह कहा गया कि किसी भी व्यक्ति या संस्था द्वारा इलेक्टोरल बॉन्ड खरीदा जा सकता है और किसी पार्टी को दिया जा सकता है। एक निर्धारित समयावधि के अंदर पार्टियां इलेक्टोरल बॉन्ड को भुना लेती थीं। इस पद्धति में यह सूचना सार्वजनिक करने का प्रावधान नहीं था कि किस पार्टी को किस व्यक्ति या संस्था ने कितना चंदा इलेक्टोरल बॉन्ड के माध्यम से दिया है। इस प्रावधान पर सर्वोच्च न्यायालय ने आपत्ति जताई है और कहा है कि चुनावी चंदे के लेन-देन में समुचित पारदर्शिता होनी चाहिए। अभी इस ताजा फैसले में अदालत ने इलेक्टोरल बॉन्ड की व्यवस्था को रोक दिया है और कहा है कि भारतीय स्टेट बैंक इलेक्टोरल बॉन्ड जारी करना बंद कर दे। सर्वोच्च न्यायालय की प्रमुख आपत्ति पारदर्शिता को लेकर ही है। जो व्यवस्था इलेक्टोरल बॉन्ड के आने से पहले से थी और जिस प्रकार राजनीतिक दल पैसा जुटाते थे, उसमें भी पारदर्शिता का बड़ा अभाव था। साथ ही, यह भी समस्या थी कि जो लोग भारी मात्रा में नगदी दे रहे हैं, उनके पैसे का स्रोत क्या है, इसका पता लगा पाना असंभव था। अगर सर्वोच्च न्यायालय के निदेर्शों को लागू करते हुए इलेक्टोरल बॉन्ड की व्यवस्था को कायम रखा जाए, तो आगे शायद अदालत को कोई आपत्ति नहीं होगी। हमारे देश में पंजीकृत राजनीतिक दलों की संख्या सैकड़ों में है। ऐसे में यह तो संभव है नहीं कि धन का कोई एक केंद्रीय संग्रहण हो और सभी दलों को उसमें से एक समान हिस्सा मुहैया कराया जाए। दलों की विचारधारा अलग-अलग है। मान लीजिए कि मुझे चंदा देना है और मैं समझ रहा हूं कि किसी दल की विचारधारा और कार्यक्रम संकीर्ण सोच पर आधारित हैं तथा देश के लिए नुकसानदेह हैं, तो मैं उस दल को चंदा नहीं देना चाहूंगा। अगर सभी दलों को एक समान चंदा मिलेगा, तो पार्टी बनाना एक धंधा बन जाएगा। ऐसे में यह व्यक्ति या संस्था पर निर्भर करता है कि वह किसी एक दल को चंदा दे या कुछ दलों में अपनी धनराशि को अपनी समझ से बांट दे। यह कई लोगों की समझ है और मैं इससे सहमत हूं कि चुनावी चंदे के मामले में नगदी का चलन नहीं होना चाहिए और चंदा हमेशा ऐसी व्यवस्था के तहत लिया और दिया जाए, जिससे उसके स्रोत के बारे सही जानकारी मिल सके। यदि सर्वोच्च न्यायालय का यह मानना है कि पारदर्शिता के साथ यह पता चलना चाहिए कि किस दल को किस व्यक्ति या संस्था ने कितनी धनराशि दी है, तो यह कानून की एक व्याख्या है और इसे सकारात्मक रूप में लेना चाहिए। हमारे सामने अनेक उदाहरण हैं कि सर्वोच्च न्यायालय के निर्णयों को सरकार ने नहीं स्वीकार करते हुए संसद में फिर से कानूनों को पारित किया। साथ ही, ऐसे उदाहरण भी हैं, जब अदालती आदेशों के मुख्य बिंदुओं को स्वीकार करते हुए और कानून में उन्हें समाहित करते हुए संशोधित कानून पारित किए गए। चूंकि अभी सरकार को भी सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय को पढ़े और उस पर विचार करने के लिए समय चाहिए, इसलिए हमें सरकार के पक्ष को विस्तार से सामने आने की प्रतीक्षा करनी चाहिए। अगर सरकार को ऐसा लगेगा कि सर्वोच्च न्यायालय की आपत्तियों के अनुरूप वर्तमान व्यवस्था को और भी पारदर्शी बनाने की आवश्यकता है, तो वह एक संशोधित प्रारूप संसद के समक्ष प्रस्तुत कर सकती है। लेकिन यह कार्य अभी तुरंत नहीं हो सकता है। यह समझना जरूरी है कि देश कोई एक-दो दिन या वर्ष के लिए नहीं होता। राष्ट्र की यात्रा सतत होती है। इस यात्रा में व्यवस्थाएं बनती हैं, बदलती हैं और टूटती भी हैं। कुछ ही महीनों में लोकसभा के चुनाव होने हैं और मई में नई लोकसभा और सरकार का गठन हो जाएगा। इसलिए इस इलेक्टोरल बॉन्ड के मुद्दे पर अल्पकालिक दृष्टि से विचार करने की आवश्यकता नहीं है। चूंकि यह निर्णय सर्वोच्च न्यायालय का है, तो देश और सरकार को उसका सम्मान करना है, लेकिन यह अवश्य कहा जाना चाहिए कि चुनाव में काले धन का प्रकोप जिस स्तर पर था, उससे निपटने की दिशा में इलेक्टोरल बॉन्ड की व्यवस्था एक प्रगतिशील कदम थी। इसी सरकार के कार्यकाल में यह कानून बना था, इसलिए इसी सरकार को यह देखना होगा कि सर्वोच्च न्यायालय की आपत्तियों और निदेर्शों का अनुपालन करते हुए एक संशोधित व्यवस्था लाई जाए? ऐसा तो अब नहीं हो सकता है कि हम पहले के काले धन वाले समय में लौट जाएं, जहां न तो पैसे के स्रोत का पता चलता था और न ही पैसा देने वाले के बारे में। आज भी हर चुनाव में हम देखते हैं कि चुनाव आयोग बड़ी मात्रा में नगदी की धरपकड़ करता है। पहले भी कई बार आयोग की ओर से कहा जा चुका है कि चुनावों में बाहर से पैसा आने के अंदेशों को खारिज नहीं किया जा सकता है।

# अन्नदाता और सरकार के बीच टकराव....

**चार साल पहले आई नाबार्ड की रिपोर्ट के मुताबिक देश में 10 .07 करोड़ परिवार खेती पर निर्भर थे। यह संख्या देश के कुल परिवारों का 48 प्रतिशत है। सरकार की कृषि विरोधी नीतियों की वजह से चार साल में ये संख्या घटी या बढ़ी हमें नहीं पता। नाबार्ड की रिपोर्ट पर ही भरोसा किया जाए तो एक कृषि आधारित परिवार में वर्ष 2016-17 में औसतन सदस्य संख्या 4 .9 थी। अगल-अलग राज्यों में इसकी संख्या भी अलग-अलग है। उदाहरण के लिए केरल में एक परिवार में 4 सदस्य हैं, तो वहीं उत्तर प्रदेश में सदस्य संख्या 6, मणिपुर में 6 .4, पंजाब में 5 .2, बिहार में 5 .5, हरियाणा में 5 .3 कर्नाटक और मध्य प्रदेश में 4 .5 और महाराष्ट्र में 4 .5 थी। हमारा अन्नदाता किसान सरकार से आसमान के तारे नहीं बल्कि अपनी फसलों का न्यूनतम दाम मांग रहा है। सरकार को ये दाम देना भी नहीं हैं केवल निर्धारित कर एक कानून बनाना है। दुर्भाग्य ये कि हमारी संप्रभु और प्रभु रामभक्त सरकार ये काम भी नहीं कर पा रही। करे भी तो कैसे, उसे तो अपनी छवि और मंदिर बनाने और उनका उद्घाटन करने से ही फुरसत नहीं है। पहले अयोध्या में राम मंदिर बनवाया, फिर यूएई में बनवाया। अभी कल्किधाम का शिलान्यास किया। किसानों के लिए सरकार के पास समय बचता ही कहाँ है? किसान अपनी मांगों को लेकर दस दिन से दिल्ली की सीमा के बाहर डेरा डालकर बैठा है लेकिन सरकार बेफिक्र है।**

**राकेश अचल-**

**लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।**

भारत में किसानों को अन्नदाता कहा जाता है लेकिन उनकी दशा बेहद खराब है। किसानों को अपने अधिकार हासिल करने केलिए हर युग में सत्ता प्रतिष्ठान से लड़ाई लड़ना पड़ती है। भारत का किसान भले अन्नदाता कहलाता हो किन्तु उसने मुगलों से भी लड़ाई लड़ी, अंग्रेजों से भी लड़ाई लड़ी और आज एक बार फिर रामराज चलाने वाली सरकार से उसका टकराव होता दिखाई दे रहा है। किसानों की लड़ाई अंतहीन हो गयी है। देश को हर तरह की गारंटी देने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी किसानों से सीधे मुंह बात करने को राजी नहीं हैं और उनकी सरकार की और से किसानों से बातचीत करने वाले किसानों को मनाने में नाकाम रहे है। और तुर्रा ये है कि हमारी सरकार दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्तव्यवस्था बनना चाहती है। किसानों की उपेक्षा कर ये सब कैसे मुमकिन होगा ये केवल सरकार जानती है या भगवान। किसानों को तो इस वारे में कुछ आता नहीं है। दुर्भाग्य से देश का प्रधानमंत्री देश का सबसे बड़ा ओबीसी तो है किन्तु सबसे बड़ा किसान नहीं। किसान सरकार से वार्ता नाकाम होने के बाद 21 फरवरी से राजधानी की और कुछ कर सकते हैं। राजधानी में उनके साथ क्या होगा ये सोचकर ही रूह कांपने लगती है। चार साल पहले आई नाबार्ड की रिपोर्ट के मुताबिक देश में 10.07 करोड़ परिवार खेती पर निर्भर थे। यह संख्या देश के कुल परिवारों का 48 प्रतिशत है। सरकार की कृषि विरोधी नीतियों की वजह से चार साल में ये संख्या घटी या बढ़ी हमें नहीं पता। नाबार्ड की रिपोर्ट पर ही भरोसा किया जाए तो एक कृषि आधारित परिवार में वर्ष 2016-17 में औसतन सदस्य संख्या 4.9 थी। अगल-अलग राज्यों में इसकी संख्या भी अलग-अलग है। उदाहरण के लिए केरल में एक परिवार में 4 सदस्य हैं, तो वहीं उत्तर प्रदेश में सदस्य संख्या 6, मणिपुर में 6.4, पंजाब में 5.2, बिहार में 5.5, हरियाणा में 5.3 कर्नाटक और मध्य प्रदेश में 4.5 और महाराष्ट्र में 4.5 थी। हमारा अन्नदाता किसान सरकार से आसमान के तारे नहीं बल्कि अपनी फसलों का न्यूनतम दाम मांग रहा है। सरकार को ये दाम देना भी नहीं हैं केवल निर्धारित कर एक कानून बनाना है। दुर्भाग्य ये कि हमारी संप्रभु और प्रभु रामभक्त सरकार ये काम भी नहीं कर पा रही। करे भी तो कैसे, उसे तो अपनी छवि और मंदिर बनाने और उनका उद्घाटन करने से ही फुरसत नहीं है। पहले अयोध्या में राम मंदिर बनवाया, फिर यूएई में बनवाया। अभी कल्किधाम का शिलान्यास किया। किसानों के लिए सरकार के पास समय बचता ही कहाँ है? किसान अपनी मांगों को लेकर दस दिन से दिल्ली की सीमा के बाहर डेरा डालकर बैठा है लेकिन सरकार बेफिक्र है। सरकार जानती है कि किसानों के अकेले वोटों से उसे तीसरी बार सत्ता में आने से नहीं रोका जा सकता। हमारी सरकार रामभक्त सरकार अवश्य है किन्तु किसान भक्त सरकार बिलकुल नहीं है। ये वो सरकार है जो दो साल पहले 700 से ज्यादा किसानों की शहादत के बाद भी झूठ बोलने से नहीं चूकी। सरकार ने किसानों के पुराने साल भर चले आंदोलन के बाद जिन तीन विवादित कानूनों को वापस लेने की घोषणा की थी उनके बाद किसानों के मन-माफिक कानून आजतक नहीं बनाये। सरकार की इस हठधर्मिता को क्या नाम दिया जाये ये आप खुद तय करें। ये वो ही सरकार है जो आजतक सुलग रहे मणिपुर के मुद्दे पर चर्चा करने से लगातार कतराती रही। इस सरकार ने किसानों की ही तरह देश की महिलाओं को ठगने के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाकर नारीशक्ति वंदन विधेयक को कानून तो बनाया किन्तु वास्तव में नारी शक्ति की वंदना नहीं की। अभी पिछले साल ही हुए पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में से चार राज्यों में जीत हासिल की किन्तु एक भी नारी को मुख्यमंत्री नहीं बनाया। उलटे देश की एकमात्र महिला मुख्यमंत्री बंगाल की ममता बनर्जी की सरकार को गिराने में लगी है ये सरकार। हम आम लोग नहीं जानते कि किसानों की मांगे मानने से सरकार को क्या समस्या आने वाली है, लेकिन सब कुछ मुमकिन करने का दावा करने वाली सरकार कहाँ कमजोर पड़ रही है ये सरकार को अपने श्वेतपत्र में बताना तो चाहिए था। सरकार की रामभक्ति पर लट्ठ जनता को ये जानना भी जरूरी है कि राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में कृषि क्षेत्र की हिस्सेदारी 14 प्रतिशत से अधिक है। कोविड-19 की वजह से पैदा आर्थिक मंदी के बीच 2020-21 में भी किसानों की हिस्सेदारी कम नहीं हुई थी बल्कि बढ़ी थी और इसी वजह से सरकार आर्थिक संकट में फसने से बची थी। हमारी सरकार किसानों का अहसान मैंने कि बजाय उन्हें उत्पीड़ित करने में लगी है। देश का दुर्भाग्य है कि देश जिस किसान वर्ग को अन्नदाता कहता है उसके लिए ही हमारी सरकार राजधानी कि रास्ते में लोहे की कीलें बिछवाती है। कांटेदार तारों की बाद खिंचवाती है। उनके ऊपर गोली -लाठी चलवाती है। ये वे ही किसान हैं जिनकी वजह से सत्तारूढ़ भाजपा को लोकसभा में 303 सीटें मिलीं थी। ये शक्ति किसी अडानी या अम्बानी ने नहीं दी थी, फिर भी किसानों को सरकार अपना शत्रु मानकर व्यवहार कर रही है।

# भारतीय अर्थव्यवस्था में हो रहे बदलाव की ब्यार पर प्रश्न चिन्ह क्यों?

**प्रहलाद सबनानी-**

(लेखक विख्यात अर्थशास्त्री है)

भारत में पिछले एक दशक में, विशेष रूप से आर्थिक क्षेत्र में, अतुलनीय सुधार दृष्टिगोचर है और भारतीय अर्थव्यवस्था आज विश्व की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के साथ ही विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था भी बन गई है। आगे आने वाले लगभग पांच वर्षों के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगी, ऐसा आंकलन विश्व के कई वित्तीय एवं आर्थिक संस्थान कर रहे हैं। आज विश्व के कई देश पूंजीवादी मॉडल से निराश होकर भारतीय आर्थिक मॉडल को अपनाने की बात करने लगे हैं क्योंकि सनातन संस्कृति पर आधारित भारतीय आर्थिक मॉडल पश्चिमी आर्थिक मॉडल की तुलना में बेहतर माना जा रहा है। परंतु, दुर्भाग्य से भारत में कुछ राजनैतिक दल एक दूसरे से प्रतिस्पर्धा करते हुए भारत में हाल ही के समय में हुई आर्थिक प्रगति को कमतर आंकते हुए भारतीय अर्थव्यवस्था में हो रहे बदलाव की ब्यार पर ही प्रश्न चिन्ह लगाते दिखाई दे रहे हैं। भारत आज अर्थ के विभिन्न क्षेत्रों में नित नई ऊंचाईयां छू रहा है। दिसम्बर 2023 के प्रथम सप्ताह में भारत ने फ्रान्स एवं ब्रिटेन को पीछे छोड़ते हुए शेयर बाजार के पूंजीकरण के मामले में पूरे विश्व में पांचवा स्थान हासिल किया था। भारत से आगे केवल अमेरिका, चीन, जापान एवं हांगकांग थे। परंतु, अब दो माह से भी कम समय में भारत ने शेयर बाजार के पूंजीकरण के मामले में हांगकांग को पीछे छोड़ते हुए विश्व में चौथा स्थान प्राप्त कर लिया है। अब ऐसा आभास होने लगा है कि भारत अर्थ के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर खोई हुई अपनी प्रतिष्ठा को पुनः प्राप्त करता हुआ दिखाई दे रहा है। एक ईसवी से लेकर 1750 ईसवी तक आर्थिक दृष्टि से पूरे विश्व में भारत का बोलबाला था। इस खंडकाल में विश्व के कुल विदेशी व्यापार में भारत की हिस्सेदारी 32 प्रतिशत से भी अधिक की रही है क्योंकि उस समय पर भारत में सनातन संस्कृति का पालन करते हुए व्यापार किया जाता था। भारत में कर्म एवं अर्थ के कार्यों को धर्म का पालन करते हुए करने की प्रथा का पुरातन शास्त्रों में वर्णन मिलता है। भारत में चूंकि आज एक बार पुनः सनातन संस्कृति का पालन करते हुए विभिन्न क्षेत्रों में कार्य सम्पन्न हो रहे हैं अतः पूरे विश्व का भारत पर विश्वास बढ़ रहा है। विदेशी निवेश के साथ साथ आज लगभग 50 देश भारत के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौता करना चाहते हैं क्योंकि भारत वैश्विक स्तर पर विभिन्न उत्पादों के लिए एक बहुत बड़े बाजार के रूप में विकसित हो रहा है। ऐसा कहा जाता है कि शेयर बाजार में निवेशक अपनी जमापूंजी का निवेश बहुत सोच विचार कर करता है एवं जब निवेशकों को यह आभास होने लगता है कि अमुक कम्पनी का भविष्य बहुत उज्जवल है एवं निवेशक द्वारा किए गए निवेश पर प्रतिफल अधिकतम रहने की सम्भावना है, तभी निवेशक अपनी जमापूंजी को शेयर बाजार में उस अमुक कम्पनी में निवेश करते है। इस प्रकार, जब किसी भी देश की अर्थव्यवस्था पर निवेशकों का भरोसा बढ़ता हुआ दिखाई देता है तो विशेष रूप से विदेशी निवेशक एवं विदेशी संस्थागत निवेशक उस देश में विभिन्न कम्पनियों के शेयर में अपनी निवेश बढ़ाते हैं। चूंकि विदेशी संस्थानों को आगे आने वाले समय में भारतीय अर्थव्यवस्था पर एवं भारतीय कम्पनियों की विकास यात्रा पर भरपूर भरोसा है अतः भारतीय शेयर बाजार में निवेश भी रफ्तार पकड़ रहा है। किसी भी देश की आर्थिक प्रगति में शासन द्वारा बनाई गई नीतियों का विशेष प्रभाव रहता है। पिछले 10 वर्षों के खंडकाल में भारत न केवल आर्थिक क्षेत्र बल्कि सांस्कृतिक, सामाजिक एवं राजनैतिक क्षेत्रों में भी मजबूत हुआ है और भारत ने पूरे विश्व में अपनी धाक जमाई है। आज भारतीय मूल के लगभग 3.20 करोड़ लोग विश्व के अन्य देशों में निवास कर रहे हैं। भारतीय मूल के इन नागरिकों ने भारतीय सनातन संस्कृति का पालन करते हुए इन देशों के स्थानीय नागरिकों को भी प्रभावित किया है जिससे विदेशी नागरिक भी अब सनातन संस्कृति की ओर आकर्षित होने लगे हैं। विशेष रूप से विकसित देशों में तो सामाजिक तानाबाना इतना अधिक छिन्न भिन्न हो चुका है कि अब ये देश आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक समस्याओं के हल हेतु आशाभारी नजरों से भारत की ओर देख रहे हैं। अंतरिक्ष के क्षेत्र में आज भारत एक वैश्विक ताकत बनाकर उभरा है। भारत आज न केवल अपने लिए सेटेलाईट अंतरिक्ष में भेज रहा है बल्कि विश्व के कई अन्य देशों के लिए भी सेटेलाईट अंतरिक्ष में स्थापित करने में सक्षम हो गया है।

राष्ट्रीय दैनिक **प्रात:किरण**

नई दिल्ली, बुधवार, 21 फरवरी, 2024




## संक्षिप्त खबरें

### कंटेनर की चपेट में आने से तीन लोगों की मौत

उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले में मंगलवार को एक अनियंत्रित कंटेनर की चपेट में आने से एक गाड़ी पर सवार तीन लोगों की मौत हो गयी। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। पुलिस क्षेत्राधिकारी संग्राम सिंह ने यहां बताया कि बिजनौर कोतवाली क्षेत्र में पूर्वाह्न करीब साढ़े 11 बजे बिजनौर नगर की ओर से बैराज की तरफ जा रहा एक कंटेनर अनियंत्रित होकर एक अस्पताल के बायोमेडिकल अपशिष्ट से भरे एक वाहन पर पलट गया। सिंह ने बताया कि इस हादसे में गम्भीर रूप से घायल दिनेश शर्मा (36), रविन्द्र (35) और मोनू (32) को अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सिंह ने बताया कि मरने वाले तीनों लोग गाजियाबाद के भोजपुर के रहने वाले थे और विवाह का निमंत्रण पत्र बांटने आये थे।

### उत्तर प्रदेश के बाराबंकी में डंपर की चपेट में आने से दादी-पोती की मौत

बाराबंकी जिले में तेज रफ्तार डंपर की चपेट में आने से एक मोटरसाइकिल पर सवार महिला और उसकी तीन वर्षीय पोती की मौत हो गयी। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। बदोसराय थाना के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) प्रफुल्ल कुमार ने बताया कि रसूलपुर गांव निवासी योगेंद्र कुमार की पत्नी गीता देवी (50) सोमवार शाम अपनी पोती पीहू (तीन) की दवा लेने पड़ोसी रामसगार के साथ मोटरसाइकिल से मरकामऊ कस्बा जा रही थीं, तभी बदोसराय के पास रामनगर जाने वाली सड़क पर तेज रफ्तार डंपर ने मोटरसाइकिल में पीछे से टक्कर मार दी। कुमार ने बताया कि टक्कर लगते ही गीता देवी और पीहू सड़क पर गिरे और डंपर के पहिए के नीचे आ गए जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गयी। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उन्होंने बताया कि मृतका के पुत्र संदीप की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया है। पुलिस ने पीछा किया तो चालक करीब तीन किमी दूर डंपर छोड़कर भाग गया। थाना प्रभारी ने बताया कि मामले में कार्रवाई की जा रही है।

### हम गौरवान्वित हो रहे हैं कि फिर राम युग आ रहा है: आयोध्या में पुष्कर सिंह धामी ने कहा

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को अयोध्या पहुंचकर रामलला के दर्शन-पूजन किये और कहा कि आज हम गौरवान्वित हो रहे हैं कि फिर से राम युग शुरू हो रहा है। पुष्कर सिंह धामी मंत्रिमंडल के पांच सहयोगी- वरिष्ठ मंत्री सतपाल महाराज, रेखा आर्य, धन सिंह रावत, प्रेमचंद अग्रवाल और सुबोध उनियाल, के साथ यहां पहुंचे। इनके अलावा राज्यसभा सदस्य नरेश बंसल भी मौजूद रहे। धामी ने संवाददाताओं से कहा, ह्यह्यश्रीराम का उत्तराखंड से अटूट संबंध है। सरयू नदी का उद्गम स्थल जिसके तट पर श्रीराम के पिता एवं महाराज दशरथ ने संतान प्राप्ति के लिए अनुष्ठान किया था, वह बागेश्वर जिले में है। हमारा गहरा संबंध है और उत्तराखंड के लोग हमेशा यहां आएंगे। पुरानी स्मृतियों को ताजा करते हुए धामी ने कहा, ह्यह्यलखनऊ विश्वविद्यालय में छात्र रहते हुए बहुत बार अयोध्या आया और तब भगवान रामलला को टेंट में देखकर उस समय मन भावुक हो जाता था, लेकिन आज हम गौरवान्वित हो रहे हैं कि फिर से राम युग शुरू हो रहा है। अयोध्या में उत्तराखंड सदन की स्थापना को लेकर पूछे गये एक सवाल के जवाब में उन्हों ने कहा कि उप्र सरकार से अनुरोध किया गया है और जमीन मिलने पर राज्य का एक सदन यहां पर बन जाएगा। लोकसभा चुनाव में रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा के प्रभाव के बारे में पूछ जाने पर सीधा जवाब न देते हुए धामी ने कहा, ह्यह्यराम यत्र, तत्र और सर्वत्र हैं। एक आधिकारिक जानकारी में कहा गया है कि उत्तराखंड के जॉली ग्रांट हवाई अड्डे से सीधे अयोध्या पहुंचे धामी और उनके सहयोगी भगवान राम की पूजा-अर्चना करने के बाद देर शाम देहरादून लौटेंगे।

# चाभी नहीं प्रोडक्शन शुरू करें, यूपी के साथ पूरे उत्तर भारत के बाजार को है आपका इंतजार : सीएम योगी

**लखनऊ, एजेंसी**




मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को लखनऊ में अशोक लीलेंड की इलेक्ट्रिक वाहन फैक्ट्री के भूमिपूजन कार्यक्रम में हिस्सा लिया। यहां उन्होंने कहा कि हिंदुजा ग्रुप के प्रकाश जी और अशोक जी ने अभी मुझे डबल डेकर इलेक्ट्रिक बस की चाभी सौंपी है। चाहूंगा कि सिर्फ चाभी नहीं, बल्कि जल्दी से जल्दी वो यहां अपना प्रोडक्शन शुरू करें। उत्तर प्रदेश का बाजार ही नहीं, बल्कि पूरे उत्तर भारत का बाजार उनका इंतजार कर रहा है। इससे पूर्व सीएम योगी को हिंदुजा ग्रुप की तरफ से डबल डेकर इलेक्ट्रिक बस की चाभी और मोमेंटो प्रदान किया गया। इस दौरान सीएम योगी ने प्लांट में इलेक्ट्रिक बसों का अवलोकन भी किया और उनके फीचर्स के बारे में भी जानकारी ली। हिंदुजा ग्रुप के अधिकारियों ने उन्हें ई व्हीकल्स की विशेषताओं से परिचित कराया। सीएम योगी ने हिंदुजा ग्रुप के प्रमुख लोगों और अधिकारियों के साथ मंत्रणा भी की। इन्वेस्टर्स भी लें इनीशिएटिव सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश का पहला इलेक्ट्रिक व्हीकल प्लांट अशोका लीलेंड के माध्यम से स्थापित होने जा रहा है। इस कार्यक्रम के शुभारंभ के लिए हिंदुजा ग्रुप, अशोका लीलेंड को शुभकामनाएं देता हूं। उत्तर प्रदेश में हम जैसे इन्वेस्टर फ्रेंडली पॉलिसी लेकर आते हैं। वैसे ही इन्वेस्टर्स को भी अपने निवेश को पब्लिक फ्रेंडली बनाना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि एक लाख स्कूली बस हैं हमारे पास, ये सब रिप्लेस हो जाएंगी इलेक्ट्रिक बसों में बशर्ते इस दिशा में हम लोगों ने थोड़ा भी इनीशिएटिव लिया तो। उन्होंने कहा उत्तर प्रदेश में एक लाख 5 हजार से अधिक राजस्व गांव हैं और दो लाख से अधिक मजरे हैं। अगर इन एक लाख गांवों को हमें शहरों से जोड़ना होगा तो भी सस्ती सेवा के लिए इलेक्ट्रिक बस सेवा सस्ती और लोकप्रिय माध्यम बन सकती है। इसमें हम अपने तमाम युवाओं को इस सर्विस के साथ जोड़ सकते हैं। यहां पर भी हिंदुजा ग्रुप भी कुछ इनीशिएटिव ले और स्टेट गवर्नमेंट भी इसको आगे बढ़ाए। बिहार, मध्यप्रदेश और नेपाल तक यूपी का बाजार सीएम योगी ने कहा कि एक-एक गांव को जोड़ने के लक्ष्य के साथ हमें आगे बढ़ना होगा। उत्तर प्रदेश के अंदर गांव को शहर से जोड़ने के लिए प्रयास करना होगा। गांव का प्रोडक्ट शहर में आए, इसके लिए माल ढोने वाले छोटे ट्रक का उपयोग किया जा सकता है। फिर चीनी प्लांट के रूप में हम लोग दूध को दुग्ध समितियों के साथ जोड़कर सिटी में लाने में योगदान दे सकेंगे तो यह बहुत बड़ा मार्केट आपको अकेले यूपी में मिलेगा। यूपी का मतलब यूपी नहीं है,यूपी का मतलब बिहार भी, मध्यप्रदेश भी और नेपाल भी, यूपी के साथ किसी न किसी रूप में जुड़ा हुआ है। ये सभी राज्य इस सुविधा का लाभ लेंगे। यूपी की ई व्हीकल पॉलिसी इन्वेस्टर्स के लिए भी और बायर्स के लिए भी सीएम योगी ने प्रदेश सरकार द्वारा लागू इलेक्ट्रिक व्हीकल पॉलिसी का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी के द्वारा सोमवार को 10 लाख 24 हजार करोड़ रुपए के निवेश कार्यक्रमों का शुभारंभ किया गया है। आज इसी के तहत अशोका लीलेंड ने अपने कार्य को शुरू भी कर दिया है। विश्वास व्यक्त करता हूं कि उत्तर प्रदेश का बाजार आपका इंतजार कर रहा है। जितनी जल्दी और तेजी के साथ आप अपने कार्य को आगे बढ़ा सकते हैं, ये आप पर निर्भर करेगा। उत्तर प्रदेश सरकार अपनी पॉलिसी के अंतर्गत हर इलेक्ट्रिक बस में 20 लाख रुपए तक की इन्सेंटिव दे रही है। इलेक्ट्रिक व्हीकल के लिए यूपी की पॉलिसी अलग है। यह इन्वेस्टर्स के लिए भी है और खरीदने वाले के लिए भी है। यह देश की सबसे अच्छी पॉसलिसी में से एक है। इसका लाभ इन्वेस्टर्स के साथ-साथ इलेक्ट्रिक व्हीकल खरीदारों को भी मिलेगा। इसके माध्यम से प्रधानमंत्री जी का जो लक्ष्य है कि नेट जीरो के लक्ष्य को हमें प्राप्त करना ही होगा। उस दिशा में यह एक सकारात्मक कदम होगा। इस अवसर पर हिंदुजा ग्रुप भारत के अध्यक्ष अशोक हिंदुजा, प्रकाश हिंदुजा, वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी, एमएसएमई मंत्री राकेश सचान, परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह, विधायक डॉ राजेश्वर सिंह,विकास गुप्ता, औद्योगिक विकास आयुक्त मनोज कुमार सिंह, यूपीसीडा के सीईओ मयूर माहेश्वरी और हिंदुजा ग्रुप के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

## 25 फरवरी को होगा शब-ए-बरआत के जलसा-ए- नूर का आयोजन

**प्रात : किरण संवाददाता**

अमरोहा।मुस्लिम कमेटी के संयोजन में शब-ए-बरआत पर होने वाले जलसा-ए- नूर का आयोजन शहर के मुख्य बाजार स्थित अनार वाली ज्यारत पर 25 फरवरी को होगा। मुंबई से आ रहे पूर्व सांसद उबैद उल्लाह खां आजमी समेत देश के कई उलेमा और प्रोफेसर जलसे में सीरत के साथ ही तालीम की अहमियत को लेकर तकरीर करेंगे।मंगलवार को जलसे की तैयारियों से जुड़ी बैठक का आयोजन कमेटी उपाध्यक्ष हाजी इकरार अहमद अंसारी के मोहल्ला कुरैशी स्थित आवास पर हुआ। महासचिव हबीब अहमद एडवोकेट ने बताया कि शाबान इस्लामिक कैलेंडर का आठवां महीना है। 14 और 15 शाबान की दरमियानी रात को शब-ए-बरआत कहा जाता है। बताया कि हर साल शब-ए-बरआत पर होने वाले जलसे का आयोजन 25 फरवरी को होगा। प्रवक्ता मंसूर अहमद एडवोकेट ने जलसे की तैयारियों से जुड़ी जानकारी साझा कर बताया कि कारी मोहम्मद अहसान की तिलावते कुरआन से जलसे की शुरूआत होगी। मुंबई से विख्यात आलिमेदीन एवं पूर्व सांसद मौलाना उबैद उल्लाह खां आजमी, दिल्ली से काजी असकरी, जामिया हमदर्द दिल्ली के प्रोफेसर मोहम्मद अहमद नईमी, दारुल उलूम जामा मस्जिद से मुफ्ती मोहम्मद सालिम जलसे में आ रहे हैं। इनके अलावा इंटरनेशनल सूफी मिशन के चेयरमैन डा. माजिद देवबंदी, मौलाना साद अमरोहवी, जुबैर इब्ने सैफी, हाफिज शमीम अमरोहवी व हाफिज अनस मिर्जा बारगाहे अध्यक्ष सरताज आलम मंसूरी व संचालन हाजी खुर्शीद अनवर न किया। इस दौरान हाजी अब्दुल कय्यूम राईनी, कमर नकवी, अली इमाम रिजवी एडवोकेट, मोहम्मद हुसैन एडवोकेट, इकराम हुसैन जैदी, अमजद इदरीसी एडवोकेट, जफर शाह खान, सरकार आलम आदि मौजूद रहे।

## प्रवासी भारतीयों ने राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याथय यात्रा का समर्थन किया

**अमेठी, एजेंसी**

कांग्रेस पार्टी के फ्रंटल संगठन इंडियन ओवरसीज कांग्रेस की अगुवाई में प्रवासी भारतीयों का एक प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को यहां फुरसतगंज में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी से मिला और उनकी भारत जोड़ो न्यालय यात्रा का समर्थन किया। इंडियन ओवरसीज कांग्रेस उप्र इकाई के चेयरमैन कैप्टयन बंशीधर मिश्र ने बताया कि फुरसतगंज में आज कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी जी से एक प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। मिश्र ने बताया कि इस प्रतिनिधिमंडल में ओवरसीज कांग्रेस के राष्ट्री य सचिव वीरेन्द्र वशिष्ठ और सुश्री आरती कृष्णा, तेलंगाना की पूर्व सांसद मधुयाक्षी गौड़, इंडियन ओवरसीज कांग्रेस अमेरिका के अध्यक्ष मोहिंदर सिंह गिलजियां, ओमान इकाई के अध्यक्ष रत्ना कुमार, शुभलता श्रेष्ठ (जर्मनी), गुरमिंदर रंधावा व नवजोत पनांग (ब्रिटेन), युसूफ खान (तुर्किये), आनंद नन्दा् कुमार (सिंगापुर), सैयद अली सैफी (सऊदी अरब), विद्यानंद कदम (कनाडा), महफूज आलम (संयुक्त अरब अमीरात) आदि शामिल थे। मुलाकात के मुख्यस सूत्रधार रहे कैप्टयन मिश्र ने बताया, ह्यआज राहुल गांधी जी ने फुर्सतगंज में विश्व) के अनेक देशों से आए प्रवासी भारतीयों (एनआरआई) से मुलाकात की। उन्होंकने बताया कि ह्यविदेशों में प्रवास करने वाले भारतीयों ने अन्याय के खिलाफ राहुल गांधी के नेतृत्व में जारी भारत जोड़ो न्याय यात्रा का समर्थन किया। कांग्रेस की ह्यभारत जोड़ो न्याय यात्राह्न के तहत कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष सोमवार को अपने पूर्व संसदीय क्षेत्र अमेठी पहुंचे और फुर्सतगंज में रात्रि विश्राम किया।

## अमित शाह के खिलाफ टिप्पणी करने से संबंधित मानहानि मामले में राहुल गांधी को जमानत मिली

**सुलतानपुर, एजेंसी**

सुलतानपुर जिले की सांसद-विधायक अदालत ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ टिप्पणी करने से संबंधित मानहानि मामले में मंगलवार को कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को जमानत दे दी। राहुल अपनी भारत जोड़ो न्याय यात्रा में व्यस्त होने के कारण 18 जनवरी को सांसद-विधायक विशेष अदालत की पिछली सुनवाई में शामिल नहीं हो सके थे। गांधी के अधिवक्तान काशी प्रसाद शुक्ला ने बताया कि राहुल सांसद-विधायक अदालत के न्यायाधीश योगेश यादव के समक्ष पेश हुए और ह्यबेल बॉण्डह्न भरने के बाद 25-25 हजार रुपये के दो मुचलके पर उन्हें जमानत दे दी गई। शुक्लार ने बताया कि मामले में अगली सुनवाई दो मार्च को होगी। कांग्रेस की ह्यभारत जोड़ो न्याय यात्राह्न के तहत अपने पूर्व संसदीय क्षेत्र अमेठी में सोमवार को रात्रि प्रवास के अगले ही दिन राहुल गांधी केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में सुलतानपुर की सांसद-विधायक अदालत में पेश होने के लिए पहुंचे। कांग्रेस सूत्रों ने बताया कि राहुल गांधी को आज फुरसतगंज से हेलीकॉप्टर से यहां आना था जिसके लिए अमहट हवाई अड्डे पर सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम तक किए गए थे, लेकिन एकाएक राहुल के कार्यक्रम में बदलाव हुआ और वह सड़क मार्ग से सुलतानपुर पहुंचे। उन्होंने बताया कि राहुल ठीक 11 बजे अदालत में दाखिल हुए और जमानत मिलने के बाद 11 बजकर 25 मिनट पर बाहर निकले आये जिसके बाद वह रायबरेली की तरफ निकल गए। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता विजय मिश्रा ने राहुल के खिलाफ चार अगस्त 2018 को मानहानि का मुकदमा दायर कराया था। इसमें आरोप लगाया कि आठ मई 2018 को कर्नाटक विधानसभा चुनाव के दौरान बेंगलुरु में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में राहुल गांधी ने भाजपा के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं मौजूदा केंद्रीय गृह मंत्री को हत्या का अभियुक्त कहा था। शिकायतकर्ता ने गांधी की उस टिप्पणी का हवाला दिया जिसमें कहा गया था कि ईमानदार और स्वच्छ राजनीति में विश्वास करने का दावा करने वाली भाजपा के अध्यक्ष हत्या के एक मामले में आरोपी हैं। जब गांधी ने यह टिप्पणी की तब शाह भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष थे। हालांकि, राहुल गांधी की टिप्पणी से लगभग चार साल पहले ही मुंबई की एक विशेष केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) अदालत ने वर्ष 2005 के एक फर्जी मुठभेड़ के मामले में शाह को बरी कर दिया था। इसके पहले संवाददाताओं से बातचीत में मंगलवार को भाजपा नेता विजय मिश्रा ने कहा, राहुल गांधी ने अमित शाह को हत्यारा कहा था, तमाम अपशब्द कहे थे, उसे लेकर हमने एक परिवाद दाखिल की थी। उन्होंकने कहा, भाजपा देश की सबसे बड़ी पार्टी है। ऐसी पार्टी के राष्ट्री य अध्यक्ष को हत्यारा कहा जाना अनुचित है। इससे हमें काफी ठेस पहुंची जिसके बाद हमारे कार्यकताओं ने दबाव बनाया और हमने परिवाद दाखिल की। मिश्रा ने कहा, न्यायालय ने कई बार उनको समन जारी किया। उन्होंने उसकी अनदेखी की और आज वह उसी मामले में संभवतः अदालत में पहुंच रहे हैं।

## श्री वेंकटेश्वरा में लेपटॉप एवं टैबलेट वितरण का कार्यक्रम आयोजित

- टैबलेट पाकर खिले युवाओ के चेहरे, किया सरकार का आभार व्यक्त

**प्रात : किरण संवाददाता**



अमरोहा। श्री वेंकटेश्वरा विश्वविद्यालय में उत्तर प्रदेश सरकार की युवाओ को स्वाबलम्बी एवं डिजीटली सशक्त बनाने वाली सबसे महत्वपूर्ण योजना ह्यह्यस्वामी विवेकानन्द युवा सशक्तीकरण योजनाह्नह्न के तहत वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय/ संस्थान के 204 से अधिक छात्र-छात्राओ के लिए लेपटॉप/ टैबलेट वितरण समारोह का शानदार आयोजन किया गया, जिसमें संस्थान प्रबंधन एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने छात्र-छात्राओ को टैबलेट देते हुए इस योजना को भारत के युवाओ के लिए सबसे महत्वपूर्ण एवं कल्याणकारी बताते हुए इसे ह्यह्यडिजीटल क्रान्तिह्यह्य के क्षेत्र में मील का पत्थर करार दिया। श्री वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय/ संस्थान के डॉ. सी.वी. रमन सभागार में डिजी शक्ति योजना के तहत लेपटॉप/टैबलेट वितरण समारोह का शुभारम्भ समूह चेयरमैन डॉ. सुधीर गिरि, प्रतिकुलाधिपति डॉ. राजीव त्यागी, कुलपति डॉ. ऐ.के. शुक्ला, प्रतिकुलपति डॉ. राकेश यादव एवं कुलसचिव डॉ. पीयूष पाण्डे आदि ने सरस्वती माँ की प्रतिमा के सन्मुख दीप प्रज्जवलित करके किया।अपने सम्बोधन में समूह चेयरमैन डॉ. सुधीर गिरि ने कहा कि सरकार की डिजीटल इण्डिया, स्किल इण्डिया, क्लीन इण्डिया जैसी योजनाओ से देश आज दुनिया का सिरमौर बनने की ओर अग्रसर है। उन्होने आगे कहा कि संचार क्रान्ति के दौर में युवाओ को राष्ट्र विकास की मुख्य धारा में जोड़ने की यह शानदार पहल है।प्रतिकुलाधिपति डॉ. राजीव त्यागी ने कहा पिछले एक दशक में केन्द्र सरकार एवं प्रदेश में योगी सरकार ने डिजीटल क्रान्ति लाकर भारत को दुनिया में वैश्विक लीडर के रूप में स्थापित किया। आज भारतीय युवा राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय पटल पर अपनी शानदार उपस्थिति दर्ज करा रहे है।समारोह को कुलपति डॉ. ऐ.के. शुक्ला, प्रतिकुलपति डॉ. राकेश यादव, कुलसचिव डॉ. पीयूष कुमार पाण्डेय, डॉ. राजेश सिंह, डॉ. दिव्या गिरधर, डॉ. राहुल आदि ने भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर समूह के प्रधान सलाहकार डॉ. वी.पी.एस. अरोडा, सी.ई.ओ. अजय श्रीवास्तव, आर.एस. शर्मा, डी.पी. सिंह, डॉ. लक्ष्मण सिंह रावत, डॉ. एस.एन. साहू, डॉ. रामनिवास शर्मा, डॉ. रमेश चैधरी, डॉ. ओमप्रकाश, डॉ. अश्विन सक्सेना, डॉ. रामकुमार, डॉ. मोहित शर्मा, डॉ. योगेश्वर शर्मा, डॉ. अनिल जायसवाल, मारूफ चैधरी, अरूण गोस्वामी, एस.एस. बघेल, सी.एफ.ओ. विकास भाटिया, ध्रुव चैधरी, फैजान, अनिल, मुकेश, मेरठ परिसर से डॉ. प्रताप सिंह, मीडिया प्रभारी विश्वास राणा आदि लोग उपस्थित रहे।

## जोया मे विकसित भारत संकल्प यात्रा का कार्यक्रम आयोजित



**प्रात : किरण संवाददाता**

जोया। नगर में रविवार बाजार के ग्राउंड में विकसित भारत संकल्प यात्रा का आयोजन किया गया।जिसमें लोगों को केन्द्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई।

मंगलवार को विकसित भारत संकल्प यात्रा के दूसरे दिन मौहल्ला इकबाल नगर साप्ताहिक बाजार परिसर में विकसित भारत संकल्प यात्रा में मुख्य अतिथि पूर्व विधायक डॉ कमल सिंह मलिक एवं विशिष्ट अतिथि विजयवीर सिंह( मंडल अध्यक्ष) वरिष्ठ भाजपा नेता विजय पाण्डेय ने लोगों को केंद्र व प्रदेश की सरकार द्वारा चलाई जा रही जनकल्याण कारी योजनाओं को विस्तार से बताया।

इस दौरान उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार मे ही देश व प्रदेश का विकास होना सम्भव है। इस मौके पर हाजी जुबैर अहमद( चेयरमैन नगर पंचायत जोया) द्वारा कार्यक्रम में शामिल मेहमानों को पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। इस मौके पर नगर पंचायत जोया से सम्मानित सभासद, अधिशासी अधिकारी विपीन सेंगर, कार्यालय अधिक्षक विजय प्रसाद शर्मा सहित. सभी कर्मचारी एवं नगर के गणमान्य लोग मौजूद रहे।

## स्वामी प्रसाद ने सपा और विधान परिषद की सदस्यता से दिया इस्तीफा

**लखनऊ, एजेंसी**

समाजवादी पार्टी (सपा) पर भेदभावपूर्ण रवैया अपनाने का आरोप लगाने वाले कद्दावर नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने सपा की प्राथमिक सदस्यता और विधान परिषद की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। श्री मौर्य ने पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव को लिखे पत्र में कहा है कि 12 फरवरी को उनसे हुयी बातचीत और 13 फरवरी को प्रेषित पत्र पर कोई पहल न होने के फलस्वरूप वह पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे रहे हैं। एक अन्य पत्र में उन्होने विधान परिषद के सभापति को लिखा कि वह सपा के प्रत्याशी के रुप में विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से सदस्य विधान परिषद के लिये निर्वाचित हुये थे और जब उन्होने सपा की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है तो नैतिकता के आधार पर विधान परिषद की सदस्यता से भी त्यागपत्र दे रहे हैं। गौरतलब है कि श्री मौर्य ने पिछले दिनो सपा के कुछ नेताओ से उनके प्रति रवैये से नाराजगी व्यक्त की थी और पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव से कहा था कि उनके बयान पार्टी के हित में होते है मगर पार्टी उनके निजी बयान कह कर उनसे किनारा कर लेती है जो सही नहीं है। इस पर श्री यादव की ओर से कोई जवाब नहीं मिलने पर उन्होने पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद भी सपा की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलने पर पिछले दिनो उन्होने अपने निजी राजनीतिक दल बनाने की घोषणा कर दी थी जिस पर श्री अखिलेश यादव ने तंज कसते हुये कहा था कि कोई किसी के मन की बात को नहीं जान सकता और किसी के मन में क्या है कौन सी मशीन बतायेगी लाभ लेके तो सब चले जाते हैं। श्री यादव के तंज पर पलटवार करते हुये श्री मौर्य ने एक बयान जारी कर कहा था कि सपा की सरकार न तो केंद्र में है और न ही उत्तर प्रदेश में है। इसलिये लाभ देने का आरोप सरासर निराधार है। वास्तव में सपा के पास उन्हे कुछ देने की हैसियत नहीं है और उन्होने जो भी दिया है, वह उसे सम्मान के साथ वापस कर देंगे। उनके लिये पद नहीं बल्कि विचार मायने रखते है। श्री यादव की कही हुयी बात के लिये वह उन्हे मुबारकबाद देते हैं।

## उप्र में निवेश के माहौल को विदेशी उद्यमियों ने भी सराहा

**लखनऊ, एजेंसी**

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दूरदर्शी नेतृत्व, प्रदेश में बेहतरीन संसाधन, सुदृढ़ बुनियादी ढांचा और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस की सराहना विदेशी उद्यमी भी कर रहे हैं। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी 4.0 के दूसरे दिन ह्यूपी- भारत में विदेशी निवेश के लिए उभरता गंतव्यह्न कॉन्क्लेव के दौरान विभिन्न उद्योग समूहों के प्रतिनिधियों ने अपने विचार रखे। इस दौरान लुलु समूह के चेयरमैन एमए यूसुफ अली, शराफ ग्रुप के उपाध्यक्ष मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) शराफुद्दीन शराफ, एयर लिक्विड के एमडी बेनोइट रेनार्ड, डोर्ना के सीईओ कामेलो एस्पेलेटा और ग्रीनको ग्रुप के प्रतिनिधि ने प्रदेश में निवेश के बेहतरीन माहौल की सराहना की। लुलु समूह के अध्यक्ष और एमडी एमए यूसुफ अली ने कहा कि विदेशी निवेश में खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र समेत कई क्षेत्रों में निवेश की बेहतरीन संभावनाएं हैं। निवेशक निवेश से पहले चार चीजें देखते हैं : दूरदर्शी नेतृत्व, संसाधन, अच्छा



बुनियादी ढांचा और व्यापार करने में आसानी। ये सारी चीजें हमारे पास भारत और उत्तर प्रदेश में हैं। शराफ ग्रुप के उपाध्यक्ष मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) शराफुद्दीन शराफ ने कहा कि एक आदमी, एक परिवार, एक समाज अपना पैसा वहीं निवेश करना चाहता है जहां वे पूरी तरह संतुष्ट हो और आश्वस्त हो कि उसका निवेश उत्पादक होगा। भारत और यूपी के साथ हमारा रिश्ता मील का पत्थर हासिल करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। ऐसा सिर्फ इसलिए है क्योंकि हम दोनों एक-दूसरे के साथ परिवार की तरह व्यवहार करते हैं। एयर लिक्विड के एमडी बेनोइट रेनार्ड ने कहा कि जब भी आवश्यकता हुई, हमें उत्तर प्रदेश और भारत में निवेश के अपने निर्णय के लिए व्यापक समर्थन मिला है। एयर लिक्विड समूह की ओर से, मैं आने वाले वर्षों में भारत में प्रगतिशील निवेश के प्रति अपनी मजबूत प्रतिबद्धता व्यक्त करना चाहता हूं। डोर्ना के सीईओ कामेलो एस्पेलेटा ने मोटोजीपी भारत जैसे महत्वपूर्ण कार्यक्रम की मेजबानी करने के लिए यूपी सरकार द्वारा प्रदान किए गए अवसर की सराहना की। उन्होंने बताया कि मोटोजीपी ने 12,000 रोजगार के अवसर पैदा किए हैं। यूपी आने वाले हमारे 80 प्रतिशत दर्शक बाहर से आए। विशेष रूप से, 5,000 अंतर्राष्ट्रीय कर्मचारियों और पत्रकारों ने विदेशों से इसमें भाग लिया। वर्ष 2023 मोटोजीपी के लिए एक महत्वपूर्ण और सकारात्मक मील का पत्थर साबित हुआ। ग्रीनको ग्रुप के प्रतिनिधि महेश पाण्डे ने बताया कि अन्य राज्यों में जहां प्रथम अनुमोदन चरण को पार करने में कम से कम दो से ढाई साल लगते हैं वहीं छह महीने के भीतर हमें यह मंजूरी दिलाने वाला उत्तर प्रदेश पहला राज्य है। यह निवेश न केवल भारत को ह्यआत्मनिर्भरह्न बनाएगा बल्कि हरित ऊर्जा के मामले में भी यूपी को अग्रणी बनाएगा।

# केंद्रीय मंत्री ने उत्तर प्रदेश-निवेश प्रदेश के तहत एफडीआई कॉन्क्लेव को किया संबोधित

**लखनऊ, एजेंसी**

केंद्रीय वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि सीएम योगी ने सात-आठ वर्षों में उत्तर प्रदेश का चित्र बदला, यहां की दिशा और दशा भी बदली। आज सामाजिक न्याय दिवस है। यह तब तक अधूरी है, जब तक समाज के हर वर्ग व व्यक्ति तक विकास न पहुंचे। योगी आदित्यनाथ ने इन सात-आठ वर्षों में यूपी का कायाकल्प किया है, लेकिन यह एक वर्ष उपलब्धियों भरा रहा है। यह उत्तर प्रदेश के इतिहास में सबसे महत्वपूर्ण वर्ष होगा। उन्होंने कहा कि आज पूरा विश्व उत्तर प्रदेश और लखनऊ के बारे में बातचीत कर रहा है। उत्तर प्रदेश ने सीएम योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व व पीएम नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में तेज गति से बदलाव का आनंद लिया है। उत्तर प्रदेश अब रुकने और थमने वाला नहीं है। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में उत्तर प्रदेश-निवेश प्रदेश के तहत मेन हैंगर में आयोजित एफडीआई कॉन्क्लेव ह्यूपी-इमर्जिंग डेस्टिनेशन फॉर फॉरेन इनवेस्टमेंट इन इंडियाह्न को संबोधित किया। निवेशक तभी आता है, जब उसे नेतृत्व-व्यवस्था व भविष्य पर विश्वास हो केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कोई भी निवेशक जब निवेश करने का निर्णय लेता है तो उसके सामने सबसे बड़ी शर्त होती है विश्वास। निवेशक तभी आता है जब उसे नेतृत्व, व्यवस्था और भविष्य पर विश्वास हो। जब यह तीनों विश्वास निवेशक को मिलते हैं तो वह प्रदेश में आने को तैयार होता है। इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ता है और 25 करोड़ लोगों को भी आत्मविश्वास मिलता है कि हमारा भी भविष्य उज्ज्वल होगा। गोयल ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में देश दुनिया के सामने मिसाल के तौर पर आत्मविश्वास से भरे हुए 140 करोड़ लोग निकल पड़े हैं तो सीएम योगी के नेतृत्व में यूपी का एक-एक व्यक्ति आत्मविश्वास के साथ कर्तव्य को निभा रहा है। यूपी में सुशासन देखने को मिलता है। गरीब कल्याण, नए इंफ्रास्ट्रक्चर को विकसित करने में केंद्र व राज्य सरकार डबल इंजन बनकर तेज गति दे रही है। अब उत्तर प्रदेश रुकने और थमने वाला नहीं है। आने वाले दिनों में विश्व भर में भारत व यूपी की प्रसिद्धि हो रही है। आज पूरा विश्व भारत की तरफ देखता है कि भारत विश्व की अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में बड़ी भूमिका निभाएगा। वैसे ही देश देखता है

कि उत्तर प्रदेश भारत की अर्थव्यवस्था को आगे ले जाने में बड़ा योगदान देगा। 2017 से पहले यूपी की कानून व्यवस्था से सभी भलीभांति अवगत हैं गोयल ने कहा कि जब निवेश की बात होती है तो देश के साथ जुड़े तीन-चार प्रमुख विषयों पर निवेशक का ध्यान आकर्षित होता है। वो देखता है कि देश में किस प्रकार की अर्थव्यवस्था है। क्या देश मजबूत स्थिति में है। क्या देश की अर्थव्यवस्था अच्छे तरीके से संभाली जा रही है। देश के पास पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध होंगी या नहीं। उत्तर प्रदेश की व्यवस्था देखें तो 2017 के पहले यहां की कानून व्यवस्था से भलीभांति सभी अवगत हैं। 2017 के पहले भेदभाव की राजनीति थी, व्यवस्थाएं चरमरा रही थीं। राज्य की अर्थव्यवस्था कमजोर थी, जिसके कारण नया निवेश, नया उद्योग न के बराबर थे। चीनी मिलें बंद पड़ी थीं। किसानों की हालत बहुत कमजोर हो गई थी। इंफ्रास्ट्रक्चर में वृद्धि नहीं हो रही थी। रेलवे प्रोजेक्ट ठप पड़े थे। इनलैंड वाटर, मल्टीलेवल ट्रांसपोर्ट फैसिलिटी, एयरपोर्ट आदि व्यवस्थाएं कमजोर स्थिति में थीं। मोदी-योगी के नेतृत्व में हुए कई रिफॉर्म केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 2014 में मोदी ने देश व 2017 में योगी ने उप्र की कमान संभाली। उसके बाद के रिफॉर्म हुए। केंद्र व राज्य सरकार ने तालमेल बैठाकर यूपी का कायाकल्प किया। कोविड की महामारी जैसी गंभीर परिस्थिति में मोदी-योगी के नेतृत्व में उप्र ने अपने लोगों का ध्यान रखा। उप्र ने इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट को रुकने नहीं दिया। परिस्थितियों व चुनौती को उन्होंने अवसर में बदला। यूपी में आज छह एक्सप्रेसवे कोने-कोने को कनेक्ट करते हैं। प्रदूषण के खिलाफ लड़ाई हुई। नवीकरणीय ऊर्जा से प्रदेश को पर्याप्त बिजली पहुंचाई गई। इन्क्लूजिव व सस्टेनेबल ग्रोथ की तरफ यूपी ने बड़े कदम उठाए हैं। उसी के कारण देश-विदेश के निवेशक यूपी में बड़े रूप में अपना कामकाज बढ़ाने आ रहे हैं। यूपी के सभी 75 जनपदों में कोई न कोई प्रोजेक्ट लग रहा है। पूर्वांचल, बुंदेलखंड, मध्यांचल, पश्चिमांचल कोई भी कोना निवेश से वंचित नहीं है।

## लोकसभा चुनाव से पहले देश को मिली एक और कामयाबी...पीएम मोदी ने कानपुर को आईआईएस की दी सौगात

**कानपुर, एजेंसी**

लोकसभा चुनाव से पहले मंगलवार को देश को एक और इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ स्किल (आईआईएस) की सौगात मिली। कानपुर के गोविंद नगर स्थित एनएसटीआई परिसर में बने आईआईएस के नये भवन का मंगलवार का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये लोकार्पण किया। इस दौरान एनएसटीआई में छात्र-छात्राओं के लिये पीएम के कार्यक्रम की लाइव स्ट्रीमिंग भी दिखाई। इस कार्यक्रम में आईआईटी कानपुर और एचबीटीयू के अधिकारियों को भी बुलाया गया। बता दें कि पीएम मोदी ने देश के तीन स्थानों, महाराष्ट्र (मुंबई), गुजरात (अहमदाबाद) और उत्तर प्रदेश (कानपुर) में आईआईएस भवन बनाने को शिलान्यास किया था। पीएम नरेंद्र मोदी के महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट आईआईएस (इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ स्किल) के उद्घाटन को लेकर अधिकारियों ने पिछले दिनों दौरा किया था। कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) की अपर सचिव व महानिदेशक (प्रशिक्षण) त्रिशालजीत सेठी और मंत्रालय के वरिष्ठ आर्थिक सलाहकार नीलांबुज शरण ने एनएसटीआई कैंपस का निरीक्षण किया, उन्होंने यहां बने नए भवन आईआईएस को भी देखा था। इसी समय तय हो गया था कि संस्थान की शुरूआत जल्द हो सकती है।

## संक्षिप्त खबरें

### तपेश्वर सिंह की 33वीं पुण्यतिथि को लेकर हुई बैठक

बिक्रमगंज (रोहतास) प्रखंड क्षेत्र के नोनहर पंचायत के गांव स्थित एक आवास पर मंगलवार को स्वर्गीय तपेश्वर सिंह की 33वीं पुण्यतिथि आयोजन को लेकर बैठक हुई। आयोजित बैठक इन्दु तपेश्वर सिंह महिला कॉलेज के डॉ. अजय कुमार सिंह पूर्व विधान पार्षद सह सचिव इन्दु तपेश्वर सिंह महिला कॉलेज के निर्देश पर महाविद्यालय के उप-प्राचार्य डॉ. उमेश्वर प्रसाद सिंह के अध्यक्षता में की गई। इसकी जानकारी देते हुए महाविद्यालय के उप-प्राचार्य ने कहा कि स्वर्गीय तपेश्वर बाबू की 33वीं पुण्यतिथि 27 फरवरी को तपेश्वर सिंह टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज कायमनगर,आरा में मनाई जाएगी। बैठक में डॉ. मनोज कुमार सिंह, डॉ रविन्द्र कुमार, रमाकांत सिंह अन्य शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारियों की उपस्थित थें।

### तपेश्वर बाबू की पुण्यतिथि मनाने हेतु बैठक

तपेश्वर सिंह टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज कायमनगर आरा मे डॉक्टर अजय कुमार सिंह पूर्व सदस्य वि प सह सचिव की अध्यक्षता मे सहकारिता पुरोधा संसद स्व तपेश्वर बाबू की 33 वी पुण्य तिथि 27 फरवरी 2024 को मनाने हेतु बैठक हुई बैठक मे महाविद्यालय के डॉक्टर सत्यदेव सिंह डॉक्टर अमित उपाध्याय डॉक्टर सुशील कुमार पांडेय सुमन कुमारी ज्योति कुमारी दीपक तिवारी अभिषेक रंजन राहुल सिंह आदि थे।

### कर्मनाशा पावर ग्रिड में मेंटेनेंस के कार्य को ले बिजली रहेगी बाधित

दुर्गावती। स्थानीय प्रखंड क्षेत्र के कर्मनाशा ओल्ड पावर ग्रिड 132/33 के वी से निकल कर विभिन्न पावर हाउस की ओर जाने वाली विद्युत सप्लाई आज बुधवार को मेंटेनेंस कार्य को लेकर दोपहर 12 बजे से लेकर शाम 4 बजे तक विद्युत सप्लाई बाधित रहेगी। इसकी जानकारी देते हुए मंगलवार को सहायक कार्यपालक अभियंता अनिल मंडल के द्वारा बताया गया कि 21 फरवरी बुधवार को दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक कर्मनाशा 132/33 के वी ओल्ड पावर ग्रिड का मेंटेनेंस कार्य किया जाएगा। इसकी वजह से कर्मनाशा ओल्ड पावर ग्रिड 132/33 के वी से निकलकर इलाके के कुशहरियां, कल्याणपुर, नरमा, दुर्गावती आदि विभिन्न पावर हाउस की ओर जाने वाली 132/33 के वी की सप्लाई बुधवार को दोपहर 12 बजे से लेकर शाम 4 बजे तक बाधित रहेगी। इस दौरान मेंटेनेंस का कार्य जोरों पर किया जाएगा। शाम 4 बजे तक मेंटेनेंस का कार्य पूरा करने के बाद विद्युत सप्लाई को बाहर कर दी जाएगी। मेंटेनेंस कार्य के दौरान कनीय अभियंता रौनक कुमार कश्यप व उनके अन्य बिजली कर्मी उपस्थित रहेंगे।

### शराब के साथ धंधेबाज को पुलिस ने दबोचा

नावानगर (बक्सर) स्थानीय बाजार से शराब के साथ पुलिस ने एक कारोबारी को गिरफ्तार किया है साथ ही एक कारोबारी पुलिस देख कर फरार हो गया। गिरफ्तार कारोबारी पंकज कुमार सिंह बताये जा रहा है पुलिस को तलाशी के दौरान पॉकेट से 180 एमएल का 6 टेट्रा पैक बरामद हुआ। साथ ही शराब का गैलन फेक कर भागे कारोबारी की पहचान नावानगर निवासी पप्पू सिंह के रूप में हुई उसके द्वारा फेके गये गैलन से पुलिस ने दो लीटर महुआ शराब बरामद किया है।

इसकी पुष्टि करते हुए थानाध्यक्ष नन्दू कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी। जो नावानगर बाजार में दो लोग शराब बेच रहे है। जिस सूचना पर तत्काल छापेमारी एक कारोबारी के 6 टेट्रा पैक और दो लीटर महुआ शराब बरामद हुआ। इस मामलें अन्य फरार कारोबारी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

### अंग्रेजी शराब के दो धंधेबाज गिरफ्तार

सिकरौल (बक्सर) स्थानीय सिकरौल पुलिस ने बक्सर नहर मार्ग पर घुंसारी पुल के पास से 130 पीस अंग्रेजी शराब के साथ दो कारोबारियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने शराब के साथ कारोबारियों को बाइक को भी जब्त कर लिया है। थानाध्यक्ष बीरेंद्र प्रसाद ने बताया कि नहर मार्ग पर वाहन चेकिंग चलाई जा रही थी उसी दौरान एक बाइक पर जा रहे दो युवक को रोकने की कोशिश की गई। लेकिन रोके जाने पर वो भागने लगे। लेकिन पुलिस ने पीछा कर दोनों को पकड़ा तलाशी के दौरान उनकी बाइक पर लदी बोरी में 180 एमएल की 130 पीस एट पीएम अंग्रेजी शराब का टेट्रा पैक बरामद हुआ शराब व बाइक के साथ दोनों कारोबारी को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार कारोबारी रोहतास जिला के करमडीहरा गांव के निवासी सुमित कुमार व ऋतिक रोशन बताए जाते हैं। वहीं दूसरी घटना में पुलिस ने ठोरा नदी पुल के पास बेलाव गांव की सड़क पर से एक झोला में रखी साढ़े सात लीटर देशी शराब बरामद किया है।

# भारतीय जनता पार्टी के तत्वावधान में किसान चौपाल का कार्यक्रम किया गया आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

जगदीशपुर। जगदीशपुर प्रखंड के आदर्श ग्राम पंचायत दावां में भारतीय जनता पार्टी के तत्वावधान में मंगलवार को किसान चौपाल का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसकी अध्यक्षता मोर्चा के जिला अध्यक्ष विद्यासागर पांडेय और महिला प्रदेश प्रवक्ता सह दावां मुखिया सुषुम्लता कुशवाहा ने संयुक्त रूप से किया। चौपाल में भाजपाइयों ने सरकार की उपलब्धियों का बखान किया।

मुख्य वक्ता के रूप में प्रदेश अध्यक्ष मनोज कुमार सिंह शामिल हुए। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा सरकार ने किसानों के हित में तमाम योजनाएं चला रही हैं। जिससे किसानों को उनका सीधा लाभ मिल रहा है। उन्होंने बताया कि पीएम किसान योजना के तहत 11 करोड़ से अधिक किसानों को 6 हजार रुपये की आर्थिक मदद मिला है और बिहार में 83 लाख किसानों को किसान सम्मन निधि योजना का लाभ मिला है। साथ ही किसान क्रेडिट कार्ड के अंतर्गत 4 करोड़ लाभार्थी किसानों को 4.7 लाख करोड़ का ऋण मिला है। इस दौरान क्षेत्र में बिजली की अधिक कटौती, लो वोल्टेज, यूरिया-खाद्य की किल्लत सहित कई समस्याएं किसानों ने प्रदेश अध्यक्ष के समक्ष रखीं। प्रदेश अध्यक्ष ने मुखिया सुषुम्लता के माध्यम से पत्र प्रेषित करते हुए समाधान कराने का वायदा कर किसानों को संतुष्ट किया। मौके पर महिला प्रदेश प्रवक्ता ने चौपाल में आए किसानों को सरकार द्वारा किसानों के हित में चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। तथा सूबे में पीएम-कुसुम योजना के लागू करने के पश्चात अपने पंचायत में क्रियान्वयन कराने की मांग को रखा। कार्यक्रम का संचालन भाजपा नेता मनजी चौधरी ने किया। किसान चौपाल में आए सभी अतिथियों का अंग वस्त्र देते हुए, पार्टी के टोपी व माला पहनाकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम के समापन के पश्चात प्रदेश अध्यक्ष द्वारा कृषि यंत्र के तहत ट्रैक्टर और गोपूजन विधिविधान से किया गया। इस मौके पर उप महापौर प्रतिनिधि सरोज सिंह, पहलाद राय, अविनाश कुमार, राकेश कुमार श्रीवास्तव, अरविंद पांडेय, आदित्य कुमार, विवेक कुशवाहा, मनीष सिंह राठौड़, ज्योति सिंह, संध्या सिंह, राकेश यादव, अवधेश कुशवाहा, अरुण सिंह सहित तमाम कार्यकर्ता मौजूद रहे।

## जाप नेता ने किया सांस्कृतिक कार्यक्रम का उद्घाटन

प्रात : किरण संवाददाता

पीरो (भोजपुर) नगर परिषद् पीरो के लहराबाद गाँव के माननीय व्यासजी श्री ब्रहमदेव सिंह जी के गृह प्रवेश के शुभ अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम का उद्घाटन स्थानीय नेता, समाजसेवी सह जन अधिकार पार्टी लो. के (प्रदेश सचिव) संजय यादव ने फीता काटकर किया, उद्घाटन के पश्चात कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए माननीय नेताजी श्री संजय यादव ने कहाँ की सांस्कृतिक कार्यक्रम से आपसी सौहार्द, भाईचारा व मिल्लत का वातावरण कायम होता है। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक कार्यक्रम से साधन ही नहीं बल्कि इससे मानसिक व बौद्धिक विकास भी होता है। इस कार्यक्रम मे उपस्थित भोजपुरी के दर्जनों स्थानीय और राष्ट्रीय कलाकारों ने अपने आवाज से लोंगो को झूमने पर मजबूर कर दिए, पूरी रात नायक और गायक कलाकारों ने अपनी आवाज का जादू बिखेरते रहे, इस कार्यक्रम के मुख्य प्रबंधक नायक व गायक सह शिक्षक माननीय विवेक कुमार ने कार्यक्रम मे आये हुए सभी कलाकारों को फूल-मालाओं से जबरदस्त स्वागत किये,इस मौके पर उपस्थित माननीय रमेश सिंह यादव जी,भोजपुरी गायक, अनिरुद्ध जी ,नितीश निराला, जहरीला यादव, ददन दिलदार, विवेक यादव , राजा भोजपुरिया, बिटू बवाली, रामजी सिंह जी,रवि कुमार, सुरेश -कमलेश,संजय कुमार(बोधर), जाप युवा नेता पप्पु कुमार, धीरज सहित हजारों आस-पास के ग्रामीण लोग उपस्थित रहे।

## बिहार लघु उद्यमी योजना का आवेदन करने की तिथि मार्च तक और बढ़ाई जाए : दिलराज प्रीतम

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। नगर सचिव दिलराज प्रीतम ने प्रेस रिलीज जारी कर पत्रकारों को बताया कि पिछले महागठबंधन की सरकार ने जातिगत जनगणना कराने के बाद बिहार की 34 प्रतिशत आबादी की आर्थिक स्थिति काफी भयावह है जिसे देखते महागठबंधन की सरकार ने बिहार लघु उद्यमी योजना के तहत बिहार के 97 लाख व्यक्तियों को दो-दो लाख रुपए देकर उनका जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए यह योजना लागू की थी !इस योजना के तहत गरीब व्यक्तियों को 20 फरवरी तक ही आवेदन-पत्र ऑनलाइन करने की तिथि तय की गयी थी !जिसमें जाति, आय, आवासीय प्रमाण-पत्र, बैंक खाता के साथ आवेदन करना था !लेकिन आरा अंचल कार्यालय में सैकड़ों लोगों ने अपना जाति, आय, आवासीय प्रमाण-पत्र बनाने के लिए आवेदन ऑनलाइन किये है, लेकिन आरा सदर अंचलाधिकारी का तबादला होने एवं नया अंचलाधिकारी महोदया के आने बाद अपना प्रभार नहीं लेने से पिछले 13 फरवरी से अंचल कार्यालय में कोई भी काम नहीं हो रहा है !जिससे चलते लोगों में काफी गुस्सा है !आगे माले नगर सचिव दिलराज प्रीतम ने कहा बिहार में भाजपा पाने सत्ता की गिद्ध दृष्टि के तहत भाजपा की सरकार बनते ही इस योजना का बंटाधार-सा लगने लगा !क्योंकि इनकी सरकार में इस तरह के अधिकारी जनता के प्रति संवेदनशील मामलों पर संवेदहीन बने रहेंगे तो क्या कहा जाए ?आगे माले नेता कहा कि बिहार लघु उद्यमी योजना के तहत गरीबों को मिलने वाला लाभ से वंचित करने की साज़िश की जा रही है।

जिसे माले बर्दाश्त नहीं करेगा !इसलिए बिहार लघु उद्यमी योजना का आवेदन करने की तिथि मार्च तक और बढ़ायी जाए ताकि व्यापक गरीब लोग इस योजना का लाभ लें सके और अंचलाधिकारी महोदया अविलंब अपना प्रभार ग्रहण कर लंबित आवेदन को प्रमाण-पत्र जारी करें !नहीं तो आगे आने वाले दिनों भाकपा-माले आंदोलन खड़ा करेगा।

## तीन सूत्री मांग के लिए, दलित मोर्चा (सर्वदलीय )ने किया आक्रोश प्रदर्शन

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। दलित मोर्चा भोजपुर के बैनर तले जिलाधिकारी भोजपुर के पास प्रदर्शन किया गया, जो मिशन स्कूल ओवर बृज के पास से एक जुलुस निकला गया जिस जुलुस का नेतृत्व मोर्चा के अध्यक्ष गोरख नाथ अकेला,प्रवक्ता ललन प्रसाद नट, महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष सुनैना कुमारी एवं संरक्षक दिलीप प्रसाद, ने किया,जिस जुलुस मे लगभग 500 की संख्या मे महिला पुरुष नारा लगते हुवे प्रदर्शन कर रहे थे यह जुलुस मुख्य मार्ग से होते हुवे जिलाधिकारी भोजपुर का पास मेन गेट पर पहुचा जहाँ जिलाधिकारी को एक मांग पत्र दी गई। प्रदर्शन को सम्बोधित करते हुवे मोर्चा अध्यक्ष गोरखनाथ अकेला ने कहा कि =बिना बैकल्पिक व्यस्था किये किसी गरीब भूमिहीनो का मकान न तोड़ी जाए, एवं 30 बर्षो से जिसका मकान किसी जमीन पर हैं उस जमीन का पूरा स्वामित्व दिया जाए, साथ हि कहा कि सरकार के घोषणानुसार सभी भूमिहीनो को 3 डिसमिल जमीन जल्द दी जाए। प्रवक्ता ललन प्रसाद नट ने कहा कि ओवरबृज के पास बसे गरीबो एवं जिला के कुछ गरीबो का पर्चा बना हुआ हैं लेकिन जिला समाहर्ता भोजपुर अभि तक किसी को पर्चा नहीं दिया, और गरीबो का झोपडी मकान तोड़ने का धमकी बार बार दे रहे हैं, जो गरीब बिरोधी मानसिकता दशार्ता हैं, प्रदर्शन को सम्बोधित करने वालों मे प्रमोद शर्मा, सीता देवी, पूर्व निगम पार्षद राधिका देवी, पिंकी देवी, राजू राम,रीता देवी,आदि मुख्य थे।

## सरस्वती पूजा के अवसर पर फुटबॉल का फाइनल मुकाबला हुआ आयोजन

आरा। बीमारी गांव के खेल के मैदान में श्री धमाका क्लब के द्वारा सरस्वती पूजा के अवसर पर फुटबॉल का फाइनल मुकाबला हुआ। इस मैच में एक तरफ से इकौना( बड़हरा )की टीम और दूसरी तरफ से डुमरिया की टीम थी। खेल बहुत ही रोमांचक हुआ और खेल में डुमरिया की टीम ने 2--0 से मैच जीत लिया। इस मैच का उद्घाटन राष्ट्रीय जनता दल के व्यवसायी मोर्चा के जिलाध्यक्ष शिव कुमार साह ने किया। वही उद्घाटन उद्घाटन करता शिवकुमार शाह ने कहा कि हमारे तरफ से जो भी खिलाड़ियों के लिए सहयोग चाहिए हम हमेशा सहयोग करेंगे हमारे भोजपुरी में ऐसे से खिलाड़ी है जो कि हिंदुस्तान के कोने में भोजपुरी का नाम रोशन करेंगे और हम चाहेंगे सरकार से कि हमारे इससे गांव में खेल का मैदान स्टेडियम का निर्माण हो खेल को देखने के लिए आसपास दिखाओ उमड़ी भीड़ लोगों ने खनिजों का ताली बजाकर हौसला बुलंद किया।

## आय प्रमाण - पत्र जारी करने में लापरवाही के खिलाफ आरा अंचल पदाधिकारी के समक्ष प्रदर्शन : क्यामुद्दीन अंसारी

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। भाकपा माले राज्य कमिटी सदस्य व आरा विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी क्यामुद्दीन अंसारी ने एक ब्यान जारी कर संवाददाताओं को बतलाया कि आज दिन के लगभग 12 बजे अंचल पदाधिकारी के कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन कर आय प्रमाण पत्र बनाने मे लापरवाही और सचेतन देर करने के खिलाफ आवाज बुलंद करते हुए प्रदर्शन किया तथा सभा की।

अंचल कार्यालय पर बोलते हुए भाकपा माले नेता क्यामुद्दीन अंसारी ने कहा कि आरा अंचल पदाधिकारी के द्वारा आय प्रमाण पत्र और निवास प्रमाण पत्र जारी करने मे जानबुझकर लापरवाही हो रही है।माले नेता ने कहा कि आरा अंचल कार्यालय मे कर्मचारी पहले लापता रहते है।जिससे आरा शहर व ग्रामिण इलाके की जनता काफी परिशान है अगर कर्मचारी से आय प्रमाण पत्र पर रिपोर्ट करा ली गयी तो अंचल पदाधिकारी अपना डोंगल नहीं लगा रहे है जिससे हजारों आय प्रमाण पत्र जारी नहीं हो पा रहे है

भाकपा माले नेता क्यामुद्दीन अंसारी ने कहा कि 14 फरवरी 2024 से आरा अंचल पदाधिकारी के डोंगल नहीं लगने से हजारों आवेदकों का आवेदन पेंडिंग है।हमने कल अंचलाधिकारी से बात की तो वे एक तानाशाह कि तरह बात करने से इनकार कर दिया। तब हमने जिला पदाधिकारी से आय प्रमाण पत्र जारी करने के लिए निवेदन किया।तो उन्होंने कहा कि हम यह काम करवाते है।

भाकपा माले नेता ने कहा कि आज आरा अंचल पदाधिकारी के दफ्तर मे ताला लटका हुआ था यह देख लोग भड़क गये और वहां प्रदर्शन किया गया।इससे पहले भाकपा माले नेता क्यामुद्दीन अंसारी ने जिला पदाधिकारी और अनुमंडल पदाधिकारी को लेटर लिखकर वाटशाप के माध्यम से अवगत कराया।

भाकपा माले नेता क्यामुद्दीन अंसारी ने नीतिश भाजपा सरकार पर आरोप लगाया कि उद्यमी योजना का लाभ आम गरीबों को देना नहीं चाहती जिनकी आय 6000 से कम है।

भाकपा माले नेता ने कहा कि महागठबंधन सरकार ने जो जातिय गणना कराई थी उसमे यह जब आ ही गया है कि बिहार की आबादी का 34% परिवार की आय 6000 से कम है तो उसका लिस्ट अंचल कार्यालय को भेज देना चाहिए था जिससे आय प्रमाण पत्र जारी करने मे अंचल को सुविधा होती।

भाकपा माले नेता क्यामुद्दीन अंसारी ने कहा कि दर असल यह नीतिश भाजपा की सरकार गरीब विरोधी है यह सरकार उद्यमी योजना का लाभ आम गरीबों को देना हि नहीं चाहती इसी लिए अंचलापदाधिकारी 6000 से कम का आय प्रमाण पत्र जारी करने मे लापरवाही तथा देर कर रहे है।

भाकपा माले राज्य कमिटी सदस्य व आरा विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी क्यामुद्दीन अंसारी ने जिला पदाधिकारी से मांग कि है कि उद्यमी योजना से लाभ के लिए आवेदन कि अंतिम तारिक 20 फरवरी 2024 से आगे बढाई जाय। तथा आय प्रमाण पत्र व निवास प्रमाण पत्र आज का आज जारी कि जाय।

## तीन दिवसीय किसान मेला समारोह आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

बिक्रमगंज( रोहतास):बिहार कृषि विश्वविद्यालय सबौर में आयोजित तीन दिवसीय किसान मेला समारोह में 17 फरवरी से 19 फरवरी तक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया । जिसके तहत कृषि विज्ञान केंद्र बिक्रमगंज एवं जिले के कई किसानों को उनके विभिन्न क्षेत्र में उपलब्धियां के फलस्वरुप पुरस्कारों एवं अवार्ड से नवाजा गया । इस क्रम में कृषि विज्ञान केंद्र के वरीय वैज्ञानिक और प्रधान डॉक्टर शोभा रानी को कृषि के क्षेत्र में उनके द्वारा किए गए उल्लेखनीय कार्यों के लिए डॉक्टर गोपाल त्रिवेदी बेस्ट एक्सटेंशन प्रोफेशनल अवार्ड से सम्मानित किया गया । कृषि विज्ञान केंद्र रोहतास के द्वारा मेला प्रदर्शनी में लगाए गए कृषि स्टॉल के लिए द्वितीय पुरस्कार प्रदान किया गया । उक्त केंद्र के प्रधान वैज्ञानिक डॉक्टर शोभा रानी, डॉक्टर रामाकांत सिंह एवं डॉ रतन कुमार के द्वारा सम्मिलित रूप से ग्रहण किया गया । सबौर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ज्ञान विज्ञान प्रतियोगिता में कई किसान जैसे धनगाई के विशाल कुमार को प्रथम पुरस्कार, अर्जुन सिंह, मसोना को द्वितीय पुरस्कार एवं सुनील कुमार मिजार्पुर दावथ को तृतीय पुरस्कार दिया गया । प्रगतिशील किसान अर्जुन सिंह मसोना को उद्यान प्रदर्शनी में उनके द्वारा लगाए गए आलू परादर्स के लिए द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया । कृषि विज्ञान केंद्र बिक्रमगंज के द्वारा जिले के डेढ़ सौ किसानों को बिहार कषि विश्वविद्यालय सबौर में आयोजित किसान मेला में जलवायु अनुकूल कृषि कार्यक्रम के तहत राज्य स्तरीय परिभ्रमण कार्यक्रम के लिए ले जाया गया । इसके अंतर्गत विभिन्न तकनीकों का अवलोकन कराया गया । ये किसान विभिन्न गांवों जैसे डेढगांव, सुरहुरिया, मसोना, मानपुर, परसा, बभनी, तरार ,बिशुनिया बाल सहित अन्य गांवों से आये थे ।

## समाजसेवी उद्योपति ने सड़क दुर्घटना में तड़पते व्यक्ति की जान बचाई

प्रात : किरण संवाददाता

बिहार/झारखंड। भारत प्लस एथेनॉल कंपनी के सीएमडी सह उद्योगपति अजय कुमार सिंह ने आरा से रांची अपने कार्यालय जाने के क्रम में डोभी और बरही के बीच मोटरसाइकिल एक्सीडेंट से तड़पते युवक की जान बचाकर मानवता का मिशाल कायम किया है। इस संदर्भ में प्राप्त जानकारी के अनुसार अजय सिंह अपने सुरक्षा गार्ड एवं ड्राइवर के साथ अपने निजी वाहन से आरा से रांची अपने कार्यालय जा रहे थे। इसी क्रम में डोभी और बरही के बीच बाइक से एक्सीडेंट कर बीच सड़क पर एक युवक तड़पता हुआ दिखाई दिया। हाइवे पर ट्रक एवं अन्य वाहनों के लाइन लगे हुए थे। युवक मूर्छित पड़ा हुआ था। जहां उसका सिर सहित अन्य हाथ पैर से खून की धारा बह रही थी। जहां अजय सिंह अपने निजी चालक एवं सुरक्षा गार्ड के सहारे गाड़ी रोककर पहले तो टांग कर सड़क के किनारे करते हुए स्थानीय पुलिस और ग्रामीणों के सहयोग से उसे अस्पताल भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों की उपचार के बाद जख्मी युवक की जान बच पाई। सीएमडी अजय सिंह ने बताया कि अगर युवक हेमलेट पहने रहता तो युवक को सिर्फ हाथ पैर में चोट लगती सिर में हेलमेट नहीं रहने के कारण टक्कर में युवक का सिर बुरी तरह से फट जाता आगे उन्होंने बताया कि अगर हम सही समय पर गाड़ी को रोककर मूर्छित पड़े युवक को नहीं उठाता,हो हल्ला नही करता,पुलिस को नहीं बुलवाता तो युवक के शरीर पर से कई ट्रक व बड़ी गाडियां पार कर जाती।युवक की जान बचाकर एक तरफ अजय सिंह मानवता की मिशाल कायम किया तो दूसरी तरफ युवक को नई जिंदगी दे एक मां के संतान को बचाया घटनास्थल पर उपस्थित ग्रामीणों ने अजय सिंह को भगवान का अवतार बताए और उन्हें धन्यवाद ज्ञापन किया।

## मेले का जायजा लेने पहुंचे जिप सदस्य विकास सिंह

प्रात : किरण संवाददाता

रामपुर। प्रखंड के बड़वा बाबा पहाड़ी पर प्रत्येक वर्ष शिवरात्रि के दिन होने वाले ऐतिहासिक मेला का तैयारी का जयजा लेने पहुंचे जिला परिषद सदस्य भभुआ विकास सिंह मौके पर उपस्थित जिला परिषद सदस्य ने बताया कि आज बड़वा बाबा पहाड़ी पर जय लेने के लिए आया हूं आपको बता दें कि काफी प्राचीन समय से बना हुआ पहाड़ी पर शिवरात्रि के दिन मेला का आयोजन होते आया है जिसमें प्रत्येक वर्ष लाखों की संख्या में श्रद्धालु जुड़ते हैं यह कैमूर जिला में ऐतिहासिक मेला में से एक है।

यह पहाड़ नोहटा स्थित गांव के बगल में है गांव से करीब करीब 2000 मीटर ऊपर पहाड़ी पर भव्य शंकर भगवान का मंदिर विराजमान है जहां शिवरात्रि के दिन कैमूर जिला सहित बिहार के अन्य जिलों से काफी संख्या में श्रद्धालु दर्शन पूजन के लिए आते हैं आज करीब दो हजार मीटर की चढ़ाई को चढ़कर स्थिति का जायजा लिया आने वाले 8 मार्च को शिवरात्रि के दिन मेला लगाने की तैयारी चल रही है जहां गांव के ग्रामीण और कमेटी के सदस्यों के साथ पूरे पहाड़ी का निरीक्षण किया गया है जहां पीने के पानी सहित श्रद्धालुओं को कोई दिक्कत और कठिनाई न हो इसके लिए हर तरह से प्रयास किया जाएगा और मेरा हर संभव मदद रहेगा।

## डुमरैठ में पंचायत भवन नहीं बनने पर ग्रामीणों में आक्रोश

कैमूर। भभुआ प्रखंड के ग्राम पंचायत डुमरैठ में पंचायत भवन निर्माण को लेकर सैकड़ो ग्रामीणों ने हंगामा किया। ग्राम पंचायत के ग्रामीणों ने बताया कि डुमरैठ गांव में प्रयाप्त मात्रा में भूमि उपलब्ध होने के बावजूद भी दूसरे गांव के सिवाना में बनाया जा रहा है। जिसमें पंचायत भवन पर जाने में भारी पैमाने पर ग्रामीणों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। जिला पार्षद कैमूर विकास सिंह ने सभी ग्रामीणों को समझा बूझाकर मामला को रफा दफा किया। जिला परिषद विकास आयुक्त कैमूर से दूरभाष पर बात करके ग्रामीणों को विस्तार पूर्वक समझाया। ग्रामीणों का कहना है कि जिला प्रशासन से समस्या का निजात नहीं होता है तो धरना प्रदर्शन के अलावे हाई कोर्ट जाने के लिए मजबूर होंगे।

## राजद के छात्र जिलाध्यक्ष बनें आदित्य, लोगों में खुशी

प्रात : किरण संवाददाता

रोहतास। राष्ट्रीय जनता दल के रोहतास जिलाध्यक्ष राजू रंजन उर्फ आदित्य के बनने पर लोगों ने खुशी व्यक्त की। अवसर पर बिहार प्रदेश छात्र राजद अध्यक्ष गगन कुमार के नेतृत्व में सभी जिलों में जिला प्रभारी सह प्रभारी की अधिसूचना जारी कर छात्र पद के प्रभार से मनोनित किया गया। मौके रोहतास छात्र जिलाध्यक्ष आदित्य ने बताया कि नेता प्रतिपक्ष व पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव और राजद प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह के परामर्श के उपरांत यह अधिसूचना जारी है। जिसके बाद रोहतास जिला के बिक्रमगंज प्रखंड के नगर परिषद के धारुपुर निवासी राजू रंजन कुमार उर्फ आदित्या राजू को जिलाध्यक्ष सह जिला प्रभारी व राहुल राज को सह प्रभारी बनाया गया है। इसकी सूचना मिलते ही छात्र जिलाध्यक्ष ने खुशी व्यक्त करते हुए बताया कि जिला क्षेत्र में भ्रष्टाचार के खिलाफ सभी छात्र-छात्राओं के हित में आवाज उठाना मेरा मुख्य लक्ष्य रहेगा। साथ ही उनके शिक्षा क्षेत्र के हक की लड़ाई में राज्य व केंद्र सरकार के समक्ष मांगों के प्रति आंदोलन में भी पीछे नहीं हटूंगा।

मजबूती के साथ पार्टी पद की जिम्मेवारी को ईमानदारी पूर्वक निर्वाहन करेंगे। वही युवा के छात्र जिलाध्यक्ष बनने पर छात्रों व लोगों सहित राजद कार्यकताओं ने खुशी व्यक्त की है। जबकि सभी मनोनित छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए काराकाट विधानसभा माले विधायक अरुण कुशवाहा,दिनारा राजद विधायक विजय मण्डल, प्रकाश, रविकान्त, अरुण यादव, राहुल यादव रामपुर अजित यादव,सत्येंद्र यादव सहित अन्य शुभकनाएं दिया।

## किसानों के अनिश्चितकालीन धरना का हुआ 50 वां दिन, धरना पर जुटे दर्जनों किसान

प्रात : किरण संवाददाता

चांद। पीएनसी इंफ्राटेक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी बेस कैंप स्थल मसोई उचित मुआवजा को लेकर अनिश्चितकालीन धरना दे रहे किसानों का मंगलवार को पचासवां दिन हुआ। धरना पर मसोई गोंइ मोरवा भेरी सीवों आदि गांवों के दर्जनों किसान शामिल हुए। धरना पर बैठे पशुपति नाथ सिंह महासचिव किसान संघर्ष मोर्चा कैमूर ने कहा अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन चलता रहेगा जब तक सरकार किसानों की मांग नहीं मान लेती है। उन्होंने ने कहा सरकार किसानों के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है।

सरकार के मंत्री एवं नेता किसानों का वोट तो ले लेती है किसानों की समस्या हल करने में कोई रूचि नहीं दिखाती। उन्होंने ने कहा किसानों के वोट से सरकार बनती है। पशुपति नाथ सिंह ने कहा किसानों की समस्या आती है तो मंत्री एवं नेता आंख चुरा लेते हैं। उन्होंने ने कहा बिना उचित मुआवजा मिले एक इंच सड़क का निर्माण नहीं होने दिया जाएगा। धरना पर बैठे किसान अनिश्चितकालीन धरना के 50 दिन पुरा होने पर अपनी बचनबद्धता दोहराई। किसानों ने कहा किसान मर मिट जाएंगे बिना उचित मुआवजा का एक इंच सड़क निर्माण नहीं होने दिया जाएगा। किसानों के आंदोलन के चलते भारत माला परियोजना में बनारस रांची टु कोलकाता एक्सप्रेस-वे निर्माण का मिट्टी जांच लेवलिंग एवं सर्वे का रूका हुआ है। सर्वे नहीं होने से एक्सप्रेस-वे निर्माण के लिए डीपीआर नहीं तैयार हो पा रहा है।

एक्सप्रेस-वे निर्माण नहीं शुरू होने पर एनएचएआई पर बहुत दबाव पड़ रहा है। उचित मुआवजा की विसंगतियों को देखकर एनएचएआई अधिकारियों के द्वारा किसानों को उचित मुआवजा के लिए प्रयास किया जा रहा है। 16 फरवरी को जिलाधिकारी एवं एनएचएआई अधिकारियों ने किसानों के साथ बैठक कर बीच का रास्ता निकालने का प्रयास किया। बैठक में शामिल किसानों ने जिलाधिकारी को स्पष्ट तौर पर कह दिया बिना मुआवजा बढाए एक कदम सड़क निर्माण नहीं होने दिया जाएगा।

किसानों के अपनी मांगों पर अडिग रहने के बाद किसी तरह की सहमति नहीं बन पाई। बैठक में शामिल दर्जनों किसानों में 50 वां दिन अनिश्चितकालीन धरना चलने के बाद किसानों में किसी तरह उत्साह में कमी नहीं देखी गई। किसान एकता जिंदाबाद उचित मुआवजा नहीं तो सड़क नहीं जय जवान जय किसान के नारे के साथ किसान धरना पर बैठे रहे। अनिश्चितकालीन धरना के पचास दिन होने पर किसानों ने कहा हमें बहुत अच्छा लग रहा है। किसानों ने कहा अपनी मांगों को लेकर कई साल धरना पर बैठे रहने में कोई संकोच नहीं है। धरना पर अवधेश सिंह राजू सिंह भूपेंद्र सिंह रवि शंकर पटेल लाला सिंह प्रभु नारायण सिंह नचिकेता कुशवाहा पप्पू चौबे आदि किसान बैठे हुए थे। भारत माता परियोजना एक्सप्रेस-वे निर्माण एवं एन एच 219 बाईपास एवं चौरी करण को लेकर कैमूर जिले के पांच प्रखण्ड के 93 मौजा की लगभग 17 सौ एकड़ भूमि अधिग्रहण की गई है। भूमि अधिग्रहण करते समय जिला भू अर्जन पदाधिकारी एवं भूमि सुधार उप समाहर्ता के द्वारा बहुत गड़बड़ी की गई है। भूमि अधिग्रहण में किसानों को किमती जमीन की बाजार मूल्य से बहुत कम मुआवजा दिया जा रहा है।कम मुआवजा को देखते हुए किसान संघर्ष मोर्चा कैमूर के द्वारा पिछले दो सालों से लगातार आंदोलन किया जा रहा है।

# पुराने दिनों को याद कर भावुक हुए मनोज बाजपेयी

**अभिनेता मनोज बाजपेयी इन दिनों सुर्खियों में बने हुए हैं। हाल ही में, वे वेब सीरीज किलर सूप में नजर आए। इस सीरीज में वे डबल रोल में दिखाई दिए हैं। दर्शकों को उनका यह शो काफी पसंद आ रहा है। अपने शो की सफलता से खुश अभिनेता पिछले दिनों एक इंटरव्यू के दौरान खुलकर अपने संघर्ष के दिनों को याद करते दिखाई दिए।**

## टेलीविजन में काम नहीं करना चाहता था

मनोज बाजपेयी अपने शुरूआती दिनों को याद करते हुए बोले, मैं उन दिनों काम की तलाश भटक रहा था। लगातार थिएटर करने के बावजूद मुझे कोई काम नहीं मिल रहा था और पैसों की कमी तो थी ही। उन्हीं दिनों मुझे मुझे सीरियल स्वाभिमान के प्रोडक्शन हाउस से फोन आया था, लेकिन मैं टेलीविजन नहीं करना चाहता था। मुझे लगता था कि अगर मैं टेलीविजन शो करने लग जाऊंगा तो भ्रष्ट हो जाऊंगा।

## महेश भट्ट ने दिखाया भरोसा

किलर सूप स्टार अपनी बात जारी रखते हुए कहते हैं, मैं मुंबई छोड़ कर जाने को तैयार था। मुझ लगने लग गया था कि मैं अच्छा अभिनेता नहीं हूं, लेकिन उन्हीं दिनों महेश भट्ट मुझसे मिले थे। उन्होंने कहा था कि तुम इस शहर को छोड़ कर नहीं जा सकते हो। देखना इस शहर में तुम्हारे सारे सपने पूरे हो जाएंगे। बस खुद पर यकीन रखो। मुझे तुम में नसीरुद्दीन शाह की झलक दिखाई देती है।

## स्वाभिमान के लिए शुक्रगुजार

बॉलीवुड में अपनी अलग पहचान बनाने वाले अभिनेता मनोज बाजपेयी ने अपने करियर की शुरुआत सीरियल स्वाभिमान से की थी। मनोज कहते हैं, मैं स्वाभिमान में काम नहीं करना चाहता था, लेकिन मेरा एक दोस्त मुझे जबर्दस्ती स्वाभिमान के प्रोडक्शन हाउस में लेकर गया और बोला मनोज काम करने को तैयार है। आज जब मैं पीछे मुड़कर देखता हूं तो लगता है कि स्वाभिमान ने मेरी फिल्म सत्या के लिए कायर्शाला का काम किया है। मैं इस सीरियल के लिए महेश भट्ट का शुक्रगुजार हूं।

# शादी के बंधन में बंधीं टीवी की पार्वती सोनारिका भदौरिया

टीवी सीरियल 'देवों के देव महादेव' में पार्वती का रोल प्ले करने वाली एक्ट्रेस सोनारिका भदौरिया पिछले कुछ दिनों से अपनी शादी की खबरों को लेकर चर्चा में रही हैं। वो मंगेतर विकास पराशर संग वेडिंग को लेकर सुर्खियों में रही हैं। बीते दिनों ही उनकी शादी की रस्में शुरू हुई थीं। ऐसे में अब फैंस का इंतजार खत्म हो गया है। सोनारिका शादी के बंधन में बंध गई हैं। दुल्हन के जोड़े में एक्ट्रेस की पहली झलक भी सामने आ गई है। उनका वरमाला का वीडियो सामने आया है, जिसमें कपल को शादी के जोड़े में बेहद ही खूबसूरत देखा जा सकता है।

सोनारिका और विकास ने डेढ़ साल पहले दिसंबर, 2022 में सगाई की थी। ऐसे में सगाई के डेढ़ साल के बाद कपल ने शादी रचाई है। उन्होंने राजस्थान के नाहरगढ़ फोर्ट में 18 फरवरी, 2024 को परिवार और करीबी रिश्तादारों-दोस्तों की मौजूदगी में शादी की है। कपल ने रणथंभौर में शाही अंदाज में सात फेरे लिए हैं। इस बात का गवाह उनका सोशल मीडिया पर सामने आया वीडियो है, जिसमें कपल की शादी की झलकियां देखने के लिए मिल रही है। वरमाला का वीडियो धड़ल्ले से वायरल हो रहा है। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में देखा जा सकता है कि सोनारिका, विकास को वरमाला पहनाते समय इमोशनल हो जाती हैं। एक्ट्रेस सुर्ख लाल जोड़े में दिखाई दे रही हैं और विकास शेरवानी में जंच रहे हैं। इस दौरान दोनों के बीच कमाल की केमिस्ट्री भी देखने के लिए मिल रही है। सोनारिका को इमोशनल देख विकास उन्हें गले लगा लेते हैं। बताया जा रहा है कि एक्ट्रेस मां का लहंगा पहन दुल्हन बनी हैं।

## शादी से पहले 7 साल किया डेट

अगर विकस और सोनारिका भदौरिया के रिश्ते के बारे में बात की जाए तो कपल को एक-दूसरे को पिछले सात साल से डेट कर रहा था, जिसके बाद उन्होंने शादी का फैसला किया। वहीं, विकास पराशर की बात की जाए तो एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री से उनका कोई लेना-देना नहीं है। वो पेशे से बिजनेसमैन हैं।

# राशा को नहीं पसंद मां रवीना का रील्स बनाना

बॉलीवुड अभिनेत्री रवीना टंडन हाल ही में, वेब सीरीज कर्मा कॉलिंग में नजर आईं। इस सीरीज को दर्शकों ने खूब सराहना मिली। रवीना अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ दोनों के जरिए सुर्खियां बटोरती हैं। अभिनेत्री की बेटी राशा, अजय देवगन और उनके भतीजे अमन देवगन के साथ एक अनटाइटल्ड फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। रवीना ने हाल में, बातचीत के दौरान खुलासा किया कि राशा को उनका रील्स बनाना पसंद नहीं है। रवीना ने बताया कि इंस्टाग्राम पर उनका रील्स बनाना राशा को पसंद नहीं है। इसके लिए राशा अक्सर रवीना को डांटती हैं। अभिनेत्री ने कहा, जब इंस्टाग्राम की बात आती है, तो मैं बहुत बेकार हूं और मुझे इसके बारे में कुछ भी नहीं पता है। मैं रील्स बनाते हुए सच में बहुत गलतियां करती हूं। जब मेरी टीम मुझसे रील पोस्ट करने के लिए कहती है, तो मैं कोई मजेदार रील बनाने के लिए चुनती हूं, क्योंकि मुझे ऐसी ही रील्स पसंद आती हैं।

## वाह ट्रेंड पर रवीना ने बनाई थी रील

अभिनेत्री ने आगे कहा, मैं बिना यह सोचे कि मैं एक कलाकार हूं, इस तरह की रील्स बनाती हूं। तब राशा मुझसे कहती हैं, मम्मा, आप ये रील्स नहीं बना सकतीं, ये अच्छी नहीं हैं। हालांकि, मुझे रील्स बहुत पसंद आती हैं। रवीना ने आगे बताया कि कुछ महीने पहले जब वाह ट्रेंड चला, तो मैंने भी इस पर रील बनाई थी। राशा को यह पसंद नहीं आई और उन्होंने मुझे इंस्टाग्राम से हटाने के लिए कहा। हालांकि, तभी इस ट्रेंड पर दीपिका ने रील बनाई। तभी मैंने राशा को भेजा और कहा, देखो, हर कोई इसे बना रहा है, सिर्फ इसलिए कि दीपिका ने इसे बनाया।

## रवीना टंडन का वर्कफ्रंट

रवीना हाल ही में, वेब सीरीज कर्मा कॉलिंग में नजर आईं, जिसमें उन्होंने इंद्राणी कोठारी का किरदार निभाया है। रवीना के आलावा इसमें वरुण सूद और नम्रता शेठ भी हैं। यह सीरीज 26 जनवरी 2024 को डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीम हुई। ये सीरीज यूएस की ऑरिजिनल सीरीज रिवेंज पर आधारित है। कर्मा कॉलिंग का निर्देशन रुचि नारायण के जरिए किया गया है। वहीं, उनके अपकमिंग प्रोजेक्ट की बात करे तो, रवीना वेलकम के तीसरे भाग वेलकम टू द जंगल में लंबे समय बाद अक्षय कुमार के साथ नजर आएंगी। इस फिल्म दिशा पटानी, अरशद वारसी, श्रेयस तलपड़े और संजय दत्त जैसी कई बड़े अभिनेता महत्वपूर्ण भूमिका में होंगे।

# राजनीति में कदम रखेंगी ईशा देओल

ईशा देओल बीते काफी समय से चर्चा में बनी हुई हैं। हाल ही में एक्ट्रेस का भरत तख्तानी से तलाक हो गया है, कपल ने सोशल मीडिया पर पोस्ट पर अपने तलाक की घोषणा की थी। खबर है कि तलाक के बाद ईशा अपनी दोनों बेटियों के साथ अपनी मां हेमा मालिनी के साथ रहेंगी। अब मां हेमा ने अपनी बेटी ईशा को लेकर एक बड़ा हिंट दिया है, जिससे हलचल मच गई है। हेमा मालिनी ने अपनी बड़ी बेटी ईशा देओल के पॉलिटिक्स जॉइन पर करने टिप्पणी की है। हेमा ने कहा कि कि उनकी बेटी ईशा देओल भी राजनीति में कदम रख सकती हैं। वो बोलीं कि उन्हें भी इसमें दिलचस्पी है। हेमा मालिनी ने हाल ही में एबीपी न्यूज से बात करते हुए कहा कि मेरा परिवार हमेशा मेरे साथ है। उनकी वजह से मैं यह करने में सक्षम हूं। वे मुम्बई में मेरे घर की देखभाल कर रहे हैं, इसलिए मैं बहुत आसानी से मथुरा आ रही हूं। मैं आती हूं और वापस चली जाती हूं। मैं जो कुछ भी कर रही हूं, उससे धरम जी बहुत खुश हैं और इसलिए वो मेरा समर्थन करते हैं और मथुरा भी आते हैं। वहीं एक्ट्रेस से जब पूछा गया कि क्या उनकी बेटियां ईशा और अहाना भी राजनीति में आने में दिलचस्पी रखती हैं? इस पर हेमा मालिनी ने कहा कि अगर वो चाहें। लेकिन ईशा को पॉलिटिक्स में रुचि है और उन्हें ये करना पसंद होगा। कुछ सालों में हो सकता है कि वो पॉलिटिक्स ज्वाइन कर भी लें। अब हेमा मालिनी के इस बयान ने राजनीतिक गलियारों से लेकर फिल्म इंडस्ट्री तक में तहलका मचा दिया है।

# गोविंदा मेरी रगों में हैं



हाल ही में एक कार्यक्रम में, बॉलीवुड सनसनी राधिका मदान ने पूर्ण विकसित व्यावसायिक मसाला फिल्मों के क्षेत्र में उद्यम करने की अपनी आकांक्षा व्यक्त की। विभिन्न भूमिकाओं में अपने शानदार अभिनय के लिए मशहूर बहुमुखी अभिनेत्री ने मुख्यधारा सिनेमा की जीवंत और मनोरंजक दुनिया का पता लगाने के लिए अपनी उत्सुकता साझा की। एक दिलचस्प रहस्योद्घाटन में, राधिका मदान ने खुले तौर पर महान बॉलीवुड अभिनेता गोविंदा के प्रति अपनी आत्मीयता की घोषणा करते हुए कहा, गोविंदा मेरी रगों में हैं, और इसके बारे में किसी को भी पता नहीं है। यह घोषणा दर्शकों को प्रतिष्ठित अभिनेता की ऊर्जा, शैली और मसाला फिल्म शैली के लिए बेजोड़ स्वभाव के प्रति उनकी प्रशंसा की झलक देती है। व्यावसायिक मसाला फिल्मों में काम करने की राधिका की इछा विभिन्न सिनेमाई अनुभवों को अपनाने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। ड्रामा से लेकर कॉमेडी तक की फिल्मों में सम्मोहक प्रदर्शन देने के सफल ट्रैक रिकॉर्ड के साथ, व्यावसायिक सिनेमा की जीवंत दुनिया में राधिका मदान के उद्यम का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है। अपनी प्रामाणिकता और जीवंत ऑन-स्क्रीन उपस्थिति के लिए जानी जाने वाली, मसाला फिल्म क्षेत्र में राधिका मदान की यात्रा निश्चित रूप से इस शैली में एक नया और गतिशील परिप्रेक्ष्य लेकर आएगी। जैसे ही वह नए क्षितिज पर अपनी नजरें जमाती है, प्रशंसक और फिल्म उद्योग समान रूप से उस जादू का इंतजार कर रहे हैं जो वह निस्संदेह बड़े पर्दे पर लाएगी।

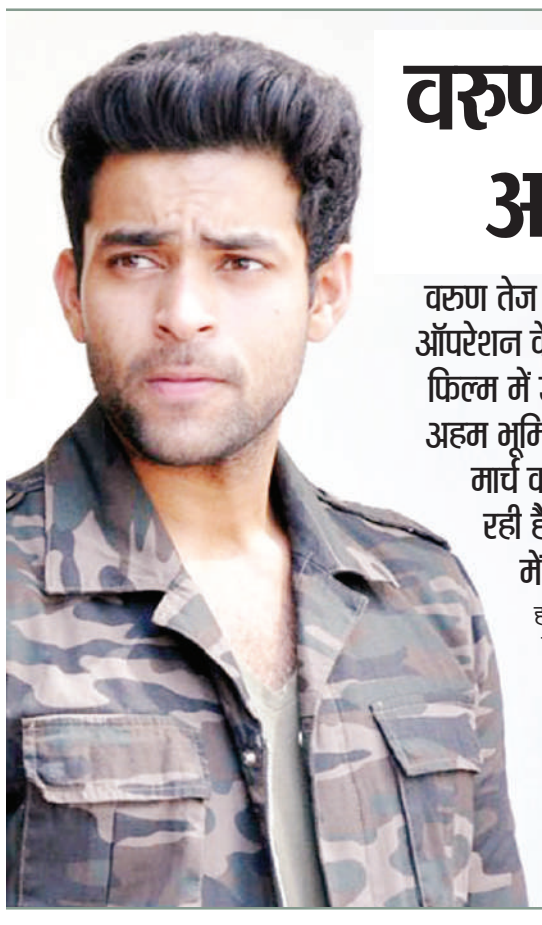



# वरुण ने बताया फाइटर से कितनी अलग होगी ऑपरेशन वैलेंटाइन

**वरुण तेज जल्द ही एरियल-एक्शन फिल्म ऑपरेशन वेलेंटाइन में नजर आने वाले हैं। फिल्म में उनके साथ मानुषी छिल्लर ने भी अहम भूमिका निभाई है। यह फिल्म एक मार्च को सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रही है। इसे तेलुगु के साथ हिंदी भाषा में भी रिलीज करने की तैयारी है।**

हाल ही में फिल्म पर बात करते हुए वरुण ने बताया कि उनकी फिल्म कैसे ऋतिक रोशन स्टारर फाइटर से अलग है। सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में बनी फाइटर 25 जनवरी को रिलीज हुई थी। यह पुलवामा हमले, बालाकोट एयरस्ट्राइक और भारत-पाक के बीच सीमा पर हुई झड़पों से प्रेरित थी। एक बातचीत में वरुण ने अपनी फिल्म को लेकर कहा कि ऑपरेशन वैलेंटाइन में केवल बालाकोट की घटना के आसपास की चीजों को दिखाया जाएगा। फिल्म में इसका महिमामंडन नहीं किया जाएगा। यह फिल्म का सिर्फ एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। अभिनेता ने बताया कि फिल्म सच्ची घटनाओं पर आधारित होगी और इसमें ज्यादातर वायु सेना के उन जवानों के निजी जीवन के बारे में दिखाया जाएगा जो उस समय काम कर रहे थे। अभिनेता ने खुलासा किया, फिल्म वायु सेना के जवानों के निजी जीवन के बारे में है। यह इस बारे में नहीं है कि एक पायलट कॉकपिट में बैठकर 2000 किलोमीटर की उड़ान भरते समय कैसा महसूस करता है। इस फिल्म में वायु सेना में काम करने वाले लोगों के जीवन को वास्तविक दिखाने की कोशिश की गई है। वहीं, मानुषी छिल्लर ने भी फिल्म को लेकर बात की। अभिनेत्री ने कहा कि देशभक्ति की भावना से भरपूर फिल्में बनाना एक जिम्मेदार काम होता है। इसके लिए बहुत सावधानी बरतने की जरूरत होती। इस बात को आगे बढ़ाते हुए वरुण ने कहा कि हमने किसी की भावनाओं को ठेस न पहुंचाने की पूरी कोशिश की है। फिल्म में नवदीप, रुहानी शर्मा और मीर सरवर भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। मिकी जे मेयर ने फिल्म को अपने संगीत से सजाया है।

# 17 मई को थिएटर्स में रिलीज होगी राजकुमार राव की अगली फिल्म श्री



राव इन दिनों अपनी फिल्म श्री को लेकर चर्चा में हैं। ये दिव्यांग बिजनेसमैन राजकुमार रा श्रीकांत बोला की बायोपिक है। अब फिल्म की रिलीज डेट को लेकर जानकारी सामने आ गई है। इस बात की जानकारी मेकर्स ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर की है। उन्होंने कैप्शन में लिखा.... श्रीकांत बोला की यादगार जर्नी पर बेस्ड फिल्म श्री 17 मई को रिलीज होगी। इस फिल्म में राजकुमार, श्रीकांत के किरदार में नजर आने वाले हैं। सांड की आंख का निर्देशन करने वाले तुषार होरानंदानी के निर्देशन में बन रही इस फिल्म का निर्माण भूषण कुमार की टी-सीरीज और चॉक एन चीज फिल्म्स प्रोडक्शन एलएलपी द्वारा किया जा रहा है। इस फिल्म में राजकुमार के अलावा अलाया एक शरद केलकर, साउथ की सुपरस्टार एक्ट्रेस ज्योतिका भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म की कहानी श्रीकांत बोला के जीवन और बौलेंट इंडस्ट्रीज की स्थापना पर बेस्ड होगी। वर्कफ्रंट की बात करें तो राजकुमार जल्द ही फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही में भी नजर आएंगे। इस फिल्म में उनके साथ जाह्नवी कपूर भी लीड रोल में दिखाई देंगी। ये एक स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म है। इसके अलावा राजकुमार के पास स्त्री 2 भी है। इसमें उनके साथ श्रद्धा कपूर भी हैं। ये एक हॉरर कॉमेडी फिल्म है।

सेंसेक्स
71555.19 पर बंद
निफ्टी
21743.30 पर बंद

सोना
62,264
चांदी
71,480

## संक्षिप्त समाचार

### बीएसई का एमकैप रिकॉर्ड स्तर पर, निवेशकों की पूंजी 2.20 लाख करोड़ रुपए बढ़ी

**मुंबई, एजेंसी।** घरेलू शेयर बाजार में लगातार पांचवें सत्र में जारी तेजी के बीच सोमवार को निवेशकों की पूंजी 2.20 लाख करोड़ रुपए बढ़ गई और बीएसई पर सूचीबद्ध कंपनियों का कुल पूंजीकरण 391.69 लाख करोड़ रुपए के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गया। बीएसई का तीस शेयरों पर आधारित सूचकांक सेंसेक्स 281.52 अंक यानी 0.39 प्रतिशत की बढ़त के साथ 72,708.16 अंक पर बंद हुआ। मजबूत शुरुआत के बाद सेंसेक्स एक समय 72,881.93 अंक के उच्चस्तर तक चला गया था। तेजी के इस माहौल में बीएसई पर सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 2,19,581.56 करोड़ रुपए बढ़कर 3,91,69,087.01 करोड़ रुपए के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। यह शेयर बाजार में तेजी का लगातार पांचवां कारोबारी सत्र रहा।

### आईबीएम इंडिया का दावा : एआई से जितनी नौकरियां खत्म होंगी, उससे अधिक होंगी पैदा

**नई दिल्ली, एजेंसी।** आईबीएम इंडिया/साउथ एशिया के प्रबंध निदेशक संदीप पटेल ने कहा है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से वास्तव में जितनी नौकरियां खत्म होंगी, उससे अधिक पैदा होंगी। पटेल ने कहा कि उन्होंने समय के साथ प्रौद्योगिकी और कई नवाचारों को विकसित होते देखा है। मेरा दृढ़ विश्वास है कि एआई जितनी नौकरियां खत्म करता है, उससे कहीं अधिक पैदा करेगा। पूरी तरह से नई नौकरियों की कल्पना करते समय लोग आमतौर पर बहुत डर जाते हैं। उदाहरण के लिए, इंटरनेट के आगमन के साथ न्यूज पेपर प्रिंटिंग जैसे कुछ क्षेत्रों में नौकरियों में गिरावट आई लेकिन इसके परिणामस्वरूप वेब डिजाइन, डेटा साइंस, डिजिटल मार्केटिंग और वेब प्रकाशन में लाखों नई नौकरियां बढ़ीं। तो इसलिए ये कहा जा सकता है कि एआई कौशल बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। भारत में 46 प्रतिशत कंपनियां वर्तमान में स्वचालन और एआई उपकरणों के साथ मिलकर काम करने के लिए कर्मचारियों को प्रशिक्षण दे रही हैं या पुन-कुशल बना रही हैं लेकिन अभी भी बहुत कुछ करने की गुंजाइश है। यह कुछ ऐसा है जिसे सरकार स्पष्ट रूप से पहचानती है। जब हम संगठन के भीतर कर्मचारियों को देखते हैं, तो 50 प्रतिशत कहते हैं कि वे नए एआई और ऑटोमेशन टूल के साथ काम करने के लिए उत्साहित हैं।

### स्टीलबर्ड बड़े हेलमेट निर्माता के रूप में उभरा, 2023 में में 80 मिलियन यूनिट्स की बिक्री दर्ज की

**नई दिल्ली, एजेंसी।** स्टीलबर्ड हाई- टेक इंडिया लिमिटेड, हेलमेट निर्माण में अग्रणी, गर्व से दुनिया के सबसे बड़े हेलमेट निर्माता के रूप में उभरी है। इसके साथ ही कंपनी ने वैश्विक स्तर पर 77,99,273 हेलमेट की शानदार बिक्री का आंकड़ा हासिल करने की भी घोषणा की है। कंपनी के लिए ये एक बड़ी उपलब्धि है। इनोवेशन, सुरक्षा और क्वालिटी के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता ने इसे हेलमेट इंडस्ट्री में सबसे आगे खड़ा कर दिया है।

# दो दिन में ही प्याज की कीमतों में 40 फीसदी का इजाफा, सरकार दी राहत

**नई दिल्ली, एजेंसी।** प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध हटाने की खबरों के बाद देश की सबसे बड़ी थोक प्याज मंडी, लासलगांव में 19 फरवरी को इसका थोक थोक बिक्री मूल्य 40.62 प्रतिशत बढ़कर 1,800 रुपये प्रति क्विंटल हो गया, जो 17 फरवरी को 1,280 रुपये प्रति क्विंटल था।

प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध 31 मार्च की पूर्व घोषित समय सीमा तक जारी रहेगा क्योंकि सरकार कीमतों को नियंत्रण में रखने और घरेलू उपलब्धता सुनिश्चित करना चाहती है। सरकार ने 8 दिसंबर, 2023 को 31 मार्च तक प्याज के निर्यात पर रोक लगा दी थी

उपभोक्ता मामलों के सचिव रोहित कुमार सिंह ने पीटीआई से कहा, ÷प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध नहीं हटाया गया है। यह प्रतिबंध लागू है और स्थिति में कोई बदलाव नहीं किया गया है।÷ उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं को उचित मूल्य पर प्याज की पर्याप्त घरेलू उपलब्धता सुनिश्चित करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध हटाने की खबरों के बाद देश की सबसे बड़ी थोक प्याज मंडी, लासलगांव में 19 फरवरी को इसका थोक थोक बिक्री मूल्य 40.62 प्रतिशत बढ़कर 1,800 रुपये प्रति क्विंटल हो गया, जो 17 फरवरी को 1,280 रुपये प्रति क्विंटल था। सूत्रों ने कहा कि आम चुनावों से पहले 31 मार्च के बाद भी प्रतिबंध हटाए जाने की संभावना नहीं है क्योंकि रबी (सर्दियों) प्याज का उत्पादन कम होने की आशंका है। खासतौर पर महाराष्ट्र में रकबा की कम कवरेज होने के कारण रबी प्याज का उत्पादन कम होने की आशंका है।

2023 में रबी सीजन में प्याज का उत्पादन 22.7 मिलियन टन होने का अनुमान था। कृषि मंत्रालय के अधिकारी आने वाले दिनों में महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और गुजरात जैसे प्रमुख उत्पादक राज्यों में प्याज के रबी फसल का आकलन करेंगे। प्याज पर लगे प्रतिबंध के बीच अंतर-मंत्रालयी समूह से अनुमोदन के बाद मित्र देशों को प्याज के निर्यात की अनुमति जरूरत के आधार पर दी जाती है।

## प्याज के निर्यात पर 31 मार्च तक जारी रहेगी रोक, केंद्र ने किया स्पष्ट

**नई दिल्ली, एजेंसी।** सरकार ने 8 दिसंबर 2023 को प्याज की कीमतों को कंट्रोल करने के लिए इसके निर्यात पर रोक लगा दी थी। आज एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध 31 मार्च 2024 के बाद भी जारी रहेगा। यह फैसला कीमतों को नियंत्रण में रखने और घरेलू उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए लिया गया है। प्याज निर्यात पर प्रतिबंध नहीं हटाया गया है। यह लागू है और स्थिति में कोई बदलाव नहीं है। सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता उपभोक्ताओं को उचित मूल्य पर प्याज की पर्याप्त घरेलू उपलब्धता सुनिश्चित करना है। वस्तु पर निर्यात प्रतिबंध हटाने की रिपोर्ट पर, देश के सबसे बड़े थोक प्याज बाजार लासलगांव में 19 फरवरी को मॉडल थोक प्याज की कीमतें 40.62 प्रतिशत बढ़कर 1,800 रुपये प्रति क्विंटल हो गईं, जो 17 फरवरी को 1,280 रुपये प्रति क्विंटल थीं। वहीं सूत्रों ने कहा कि आम चुनावों से पहले 31 मार्च के बाद भी प्रतिबंध हटाए जाने की संभावना नहीं है क्योंकि रबी (सर्दियों) प्याज का उत्पादन विशेष रूप से महाराष्ट्र में कम होने की उम्मीद है। कृषि मंत्रालय के अधिकारी आने वाले दिनों में प्रमुख उत्पादक राज्यों महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और गुजरात में रबी प्याज कवरेज का आकलन करेंगे। इस बीच अंतर-मंत्रालयी समूह से मंजूरी के बाद केस-टू-केस आधार पर मित्र देशों को प्याज के निर्यात की अनुमति दी गई है।

## हूती हमलों के कारण भारत से यूरोप में डीजल भेजने की लागत बढ़ी, अब पश्चिम की बजाए पूर्व की ओर जा रहे जहाज

**नई दिल्ली, एजेंसी।** ब्लूमबर्ग द्वारा संकलित वोर्टेक्स लिमिटेड के आंकड़ों के अनुसार, फरवरी के पहले दो हफ्तों में यूरोप में भारत आने वाले ईंधन की आवक औसतन 18,000 बैरल प्रति दिन रही, जिसमें जनवरी के औसत की तुलना में 90त्न से अधिक की गिरावट दर्ज की गई। भारत से यूरोप में डीजल का शिपमेंट इस महीने अब तक 2022 के बाद से सबसे कम हो गया है। मर्चेंट शिपिंग पर हो रहे हूती हमलों से अंतरराष्ट्रीय व्यापार बाधित हो रहे हैं। लाल सागर में चल रही उथल-पुथल के बीच पश्चिम के बजाय पूर्व में कार्गो भेजना बेहतर हो गया है। इसके कारण यूरोपीय संघ और ब्रिटेन में कार्गो का प्रवाह काफी कम हो गया है। ब्लूमबर्ग द्वारा संकलित वोर्टेक्स लिमिटेड के आंकड़ों के अनुसार, फरवरी के पहले दो हफ्तों में यूरोप में भारत आने वाले ईंधन की आवक औसतन 18,000 बैरल प्रति दिन रही, जिसमें जनवरी के औसत की तुलना में 90त्न से अधिक की गिरावट दर्ज की गई। स्पार्टा कॉमोडिटीज के एक विश्लेषक जेम्स नोएल-बेसविक के अनुसार, डीजल शिपमेंट में गिरावट का मुख्य कारण पश्चिम में शिपिंग की लागत का बढ़ना है। नोएल-बेसविक ने कहा, ÷पूर्व में सिंगापुर की ओर निर्यात करने के लिए अर्थशास्त्र पश्चिम की तुलना में बहुत बेहतर रहे। यूरोप या अटलांटिक बेसिन की ओर जाने वाले टैंकरों को हूती खतरे से बचाने के लिए उन्हें दक्षिण अफ्रीका के केप ऑफ गुड होप को पार करना होता है जिससे यात्रा की लंबाई और लागत बढ़ जाती है। इस कारण शिपमेंट्स की संख्या में कमी आई है। आंकड़ों के अनुसार, फरवरी के पहले दो हफ्तों में यूरोपीय संघ में डीजल-प्रकार के ईंधन का कोई आयात नहीं हुआ और ब्रिटेन में केवल एक शिपमेंट का आयात हुआ। हालांकि, ब्लूमबर्ग द्वारा संकलित पोर्ट रिपोर्ट और टैंकर-ट्रैकिंग डेटा के अनुसार, मार्लिन सिसिली और मार्लिन ला प्लाटा ने हाल ही में भारत में बैरल लोड किए हैं और रॉटरडैम की ओर बढ़े हैं।

## रबड़ पर आयात शुल्क में कटौती पर विचार नहीं कर रही सरकार : अधिकारी

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार फिलहाल रबड़ पर आयात शुल्क में कटौती पर विचार नहीं कर रही है क्योंकि स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय कीमतों के बीच अंतर अब भी बरकरार है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। वाणिज्य मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव अमरदीप सिंह भाटिया ने कहा, ''स्थानीय उत्पादन की तुलना में हम जो

आयात प्राप्त कर रहे हैं, उसके लिए हमने पहले से ही एक अंतर बनाए रखा है।%% उन्होंने कहा, ''यदि आप स्थानीय कीमत की अंतरराष्ट्रीय मूल्य से तुलना करें...तो उस आयात शुल्क के कारण ही अंतर बना हुआ है... इसलिए मुझे नहीं लगता कि अभी आयात शुल्क कम करने पर कोई पुनर्विचार किया जा रहा है। उद्योग के घरेलू उपयोगकर्ता की शुल्कों में कटौती की मांग और स्थानीय उत्पादकों की किसी भी शुल्क कटौती के खिलाफ मांग के बारे में किए सवाल पर उन्होंने यह बात कही। टायर विनिर्माता इस वस्तु के प्रमुख उपभोक्ताओं में से एक हैं। देश में 13 लाख से अधिक रबड़ उत्पादक हैं। उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा केरल का है। रबड़ का उत्पादन 2022-23 में 8.39 लाख टन था, उस वित्त वर्ष में खपत 13.5 लाख टन थी।

## नौ परियोजनाओं के लिए भारत को 128 अरब रुपये का लोन देगा जापान

**नई दिल्ली, एजेंसी।** जापान सरकार ने मंगलवार को भारत में विभिन्न क्षेत्रों की नौ परियोजनाओं के लिए लगभग 12,814 करोड़ रुपये का आधिकारिक विकास सहायता लोन देने की प्रतिबद्धता जताई। भारत की ओर से वित्त मंत्रालय के सचिव विकास शील और भारत में जापान के राजदूत सुजुकी हिरोशी के बीच समझौते के लिए नोट्स का आदान-प्रदान किया गया। यहां उन 9 परियोजनाओं को लिस्ट किया गया है। वित्त मंत्रालय के एक बयान में कहा कि सड़क नेटवर्क कनेक्टिविटी परियोजनाओं का लक्ष्य भारत के उत्तर पूर्व क्षेत्र में बुनियादी ढांचे के विकास में सुधार करना है, जबकि चेन्नई परिधीय रिंग रोड परियोजना का उद्देश्य यातायात की भीड़ को कम करना और राज्य के दक्षिणी हिस्से में कनेक्शन को मजबूत करना है। नागालैंड में परियोजना सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज में योगदान

देने वाले मेडिकल कॉलेज अस्पताल को विकसित करके तृतीयक स्तर की चिकित्सा सेवा वितरण विकसित करने में मदद करेगी। इस सहायता में तेलंगाना में एक अनूठी परियोजना भी शामिल है जो महिलाओं और ग्रामीण आबादी पर ध्यान केंद्रित करने के साथ उद्यमशीलता कौशल की खोज करने और एमएसएमई के व्यापार विस्तार का समर्थन करने में मदद करेगी। हरियाणा में, यह परियोजना टिकाऊ बागवानी को बढ़ावा देगी और फसल विविधीकरण और बुनियादी ढांचे के विकास को बढ़ावा देकर किसानों की आय में सुधार करेगी। वहीं राजस्थान में वानिकी परियोजना वनीकरण, वन और जैव विविधता संरक्षण के माध्यम से पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं को बढ़ाएगी।

उत्तराखंड में, परियोजना का लक्ष्य शहरी कस्बों को स्थिर जल आपूर्ति प्रदान करना है। डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर परियोजना की पांचवीं किश्त नई समर्पित माल रेलवे प्रणाली के निर्माण में मदद करेगी और इंटरमॉडल लॉजिस्टिक्स सिस्टम का आधुनिकीकरण करेगी, जिससे माल ढुलाई में वृद्धि को नियंत्रित किया जा सकेगा।

भारत-जापान संबंधों का एक प्रमुख स्तंभ आर्थिक साझेदारी पिछले कुछ वर्षों में लगातार आगे बढ़ी है। वित्त मंत्रालय ने कहा कि इन महत्वपूर्ण परियोजनाओं के लिए नोट्स के आदान-प्रदान से भारत और जापान के बीच रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी और मजबूत होगी।

# शेयर बाजार में कमजोर शुरुआत; सेंसेक्स 116 अंक फिसला, निफ्टी 22100 के नीचे

**नई दिल्ली, एजेंसी।** मंगलवार को शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 150 अंकों तक फिसल गया। हालांकि, बाजार में निचले स्तरों पर थोड़ी खरीदारी दिखी। शेयर बाजार में हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन कमजोर शुरुआत हुई है। मंगलवार को शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 150 अंकों तक फिसल गया। हालांकि, बाजार में निचले स्तरों पर थोड़ी खरीदारी दिखी। सुबह 09 बजकर 42 मिनट पर सेंसेक्स 24.80 (0.03 प्रतिशत) अंकों की गिरावट के साथ

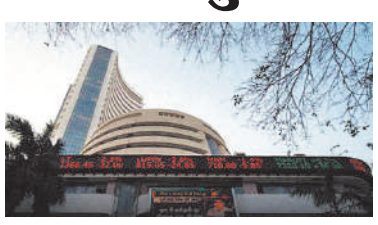

72,683.36 के स्तर पर कारोबार करता दिखा। वहीं दूसरी ओर, निफ्टी 10.41 (0.05 प्रतिशत) अंक फिसलकर 22,111.85 के स्तर पर कारोबार करता दिखा। इससे पहले, एशियाई बाजारों से मिले नकारात्मक रुझानों के बाद भारतीय बेंचमार्क इंडेक्स मंगलवार को गिरावट के साथ खुले। इस दौरान इंडेक्स हैवीवेट रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक और इंफोसिस के शेयरों में बिकवाली दिखी। सेंसेक्स के शेयरों में एमएंडएम, बजाज फिनसर्व, मारुति, आईसीआईसीआई बैंक और एसबीआई के शेयर लाल निशान पर खुले। वहीं दूसरी ओर, पावर ग्रिड, कोटक बैंक, एशियन पेंट्स, जेएसडब्ल्यू स्टील और एचडीएफसी बैंक के शेयरों में हरे निशान पर कारोबार होता दिखा।

अलग-अलग ग्राहकों से 369 करोड़ रुपये का वर्क ऑर्डर मिलने के बाद एनबीसीसी इंडिया के शेयर मंगलवार को चार प्रतिशत की बढ़त के साथ खुले। एलएनजी सप्लाई के लिए नॉर्वे की कंपनी से करार होने के बाद दीपक फर्टिलाइजर और पेट्रोकेमिकल के शेयरों में 10त्न का उछाल दर्ज किया गया। मंगलवार के कारोबार के दौरान डिश टीवी और जी एंटरप्राइज के शेयरों में खरीदारी के बाद निफ्टी मीडिया में 2.2 प्रतिशत की बढ़त दिखी। निफ्टी रियल्टी, मेटल, फार्मा, हेल्थकेयर और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सेक्टर के शेयर भी बढ़त के साथ खुले। दूसरी ओर, निफ्टी बैंक, ऑटो, फाइनेंशियल सर्विसेज और एफएमसीजी सेक्टर के शेयर लाल निशान पर खुले। व्यापक बाजार में निफ्टी मिडकैप100 0.22 प्रतिशत और निफ्टी स्मॉलकैप100 0.53 प्रतिशत तक बढ़ा।

## अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय के बेंगलूरु और भोपाल कैम्पस में यूजी कोर्सेस में प्रवेश के लिए आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं

भोपाल, एजेंसी। अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय स्नातक कोर्सेस में प्रवेश के लिए आवेदन आमंत्रित करता है। इनमें बी.ए. ऑनर्स, बी. एससी.ऑनर्स और बी. एससी. बी.एड. ड्युअल-डिग्री कोर्स प्रस्तुत किए जा रहे हैं। प्रवेश प्रक्रिया और उससे जुड़ी ज़रुरी तारीखें निम्नलिखित हैं - आवेदन करने की आख़िरी तारीख़ 6 मार्च 2024, राष्ट्रीय प्रवेश परीक्षा 7 अप्रैल 2024, साक्षात्कार अप्रैल 2024, एडमीशन मई 2024, क्लास की शुरुआत जुलाई 2024 हैं। ये कोर्स राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को ध्यान में रखते हुए डिज़ाइन किए गए हैं। इनका मकसद सामाजिक रूप से जागरूक, चिंतनशील और स्वयं सीखने में सक्षम युवा नागरिकों को तैयार करना है। ये कोर्स चार अनिवार्य पहलुओं से मिलकर बने हैं; इन पाठ्यक्रमों में मुख्य रूप से चार तरह के कोर्स शामिल है- विषय आधारित मेजर कोर्स, विद्यार्थियों को व्यावसायिक रूप से तैयार करने के मकसद से बनाये गये इंटर्नशिप आधारित इंटर-डिसेप्लनरी कोर्स, विद्यार्थियों की क्षमता निर्माण के लिए बनाये गये फाउन्डेशन कोर्स और व्यापक रुचि आधारित कोर्स, जिनका क्रेडिट सिस्टम बहुत लचीला होता है। यह कोर्स अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय के बेंगलूरु और भोपाल स्थित कैम्पस में चलाए जाएंगे। विद्यार्थियों को बेहतरीन शिक्षा उपलब्ध कराते हुए उनमें विषय विशेषज्ञता व सामाजिक प्रतिबद्धता का निर्माण करना इन कोर्सेस का लक्ष्य है। उन्हें सार्थक करिअर की तलाश के लिए प्रेरित करना और शिक्षा की राह पर आगे बढ़ाना इन कोर्सेस का उद्देश्य है। प्रवेश प्रक्रिया और उससे जुड़ी ज़रुरी तारीखें = विद्यार्थी हमारे विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। पहले आवेदकों की लिखित परीक्षा ली जाएगी। लिखित परीक्षा में शॉर्टलिस्ट किए गए आवेदकों को साक्षात्कार लिया जाएगा। आवेदकों को परीक्षा और साक्षात्कार के प्रदर्शन के आधार पर प्रवेश दिया जाएगा। वित्तीय सहायता = विश्वविद्यालय विविधतापूर्ण और समावेशी विद्यार्थी समूह बनाने करने के लिए प्रतिबद्ध है। जिन्हें आवश्यकता हो, उन्हें विश्वविद्यालय द्वारा ट्यूशन-फ़ीस और छात्रावास ख़र्चों के लिए (आंशिक और पूर्ण) वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है । करियर और प्लेसमेंट सम्बन्धी मदद:विद्यार्थियों को ऐच्छिक और अपेक्षित करियर के अवसर उपलब्ध करवाने के लिए विश्वविद्यालय में समर्पित करियर मार्गदर्शन और प्लेसमेंट सेल है। यह सेल विद्यार्थियों को काम करने की बेहतर जगह खोजने में मदद करने वाले मंच के रूप में कार्य करने का प्रयास करता है, ताकि वे समाज को बेहतर बनाने की दिशा में योगदान दे सकें।

## आईआईएम लखनऊ ने दुनिया भर के अग्रणी रिक्रूटर्स से प्राप्त 634 ऑफर के साथ उत्कृष्ट प्लेसमेंट सफलता हासिल की

**लखनऊ, एजेंसी।** भारतीय प्रबंधन संस्थान लखनऊ सफलतापूर्वक पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम (पीजीपी) के 38वें बैच और एग्रीबिजनेस मैनेजमेंट में पोस्टग्रेजुएट प्रोग्राम (पीजीपी-एबीएम) के 19वें बैच के छात्रों के लिए अपना अंतिम प्लेसमेंट पूरा कर लिया, और 576 छात्रों के लिए प्रभावशाली 634 ऑफर हासिल किए। और छात्रों को दुनिया भर के शीर्ष भर्तीकर्ताओं के साथ परामर्श, वित्त, सामान्य प्रबंधन, उत्पाद प्रबंधन, बिक्री और विपणन, संचालन और खुदरा और ई-कॉमर्स में विभिन्न भूमिकाओं में नियुक्त करना। एक छात्र को दिया जाने वाला उच्चतम अंतरराष्ट्रीय पैकेज (सीटीसी) 1.23 करोड़ रुपये प्रति वर्ष (सीपीए) था, जबकि उच्चतम घरेलू वेतन पैकेज (सीटीसी) 65 एलपीए तक पहुंच गया। छात्रों का औसत वेतन लगभग 30 एलपीए है, जो संस्थान में विकसित शिक्षा और प्रतिभा की गुणवत्ता को दर्शाता है। भर्ती अभियान में 250 से अधिक घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय भर्तीकर्ताओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई, जो आईआईएम लखनऊ के स्नातकों में संगठन के भरोसे और भरोसे का प्रमाण है। स्टूडेंट्स

अफेयर्स एंड प्लेसमेंट की चेयरपर्सन प्रोफेसर प्रियंका शर्मा ने इस सफलता का श्रेय आईआईएम लखनऊ में छात्रों में स्थापित असाधारण शिक्षाशास्त्र और मूल्यों को दिया। उसने टिप्पणी की,नौकरी बाजार की चुनौतीपूर्ण स्थितियों के बावजूद, आईआईएम लखनऊ ने एक बार फिर देश के शीर्ष बी-स्कूलों में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। एक उल्लेखनीय उपलब्धि में, संस्थान कठिन परिस्थितियों में भी संगठनों के लिए एक पसंदीदा स्थान साबित हुआ है। आर्थिक परिदृश्य। भर्ती प्रभारी में एबीजी, एक्सेंचर, अदानी ग्रुप, बेन एंड कंपनी, बीसीजी, डेलॉइट, जियो फाइनेंशियल सर्विसेज, किर्नी, मैकिन्से, माइक्रोसॉफ्ट, प्रॉक्टर एंड गैंबल, पीडब्ल्यूसी, समग्र, शेल, वीज़ा, टारगेट सहित विभिन्न क्षेत्रों की प्रसिद्ध कंपनियां शामिल थीं। , और टीएएस, दूसरों के बीच मे ं। ए फ ए म सी जी / उ प भो क्त ा सामान/दूरसंचार/डिजिटल मीडिया क्षेत्रों में, एबीइनबीव, एयरटेल, बजाज कंज्यूमर केयर, डाबर, डेल्हीवरी, एस्सार ग्रुप, एचयूएल, प्रॉक्टर एंड गैंबल और अन्य जैसी शीर्ष कंपनियों ने भर्ती प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लिया।

### भारत फाइनेंशियल इंक्लूजन लिमिटेड ने आईआईटी मद्रास में सर्वश्रेष्ठ सीएसआर पहल का अवार्ड हासिल किया

**चेन्नई, एजेंसी।** भारत फाइनेंशियल इंक्लूजन लिमिटेड (बीएफआईएल) की अग्रणी सीएसआर पहल 'भारत संजीवनी' को आईआईटी मद्रास द्वारा उनके प्रतिष्ठित शिखर सम्मेलन 'बिल्डिंग इंडिया 2047-टेक्नोलॉजीज फॉर ए बेटर टुमॉरो' में सर्वश्रेष्ठ सीएसआर पहल के रूप में सम्मानित किया गया। 'टैक्नोलॉजी ड्रिवन सोशल इम्पैक्ट' थीम पर ध्यान केंद्रित करते हुए, इस पुरस्कार का उद्देश्य उन कंपनियों को सम्मानित करना है जिन्होंने ऐसे तकनीकी समाधानों को संभव बनाया है, जो स्केलेबल और सस्टेनेबल समाधानों के माध्यम से मौजूदा सामाजिक चुनौतियों का समाधान करते हैं।

तमिलनाडु के सूचना-प्रौद्योगिकी और डिजिटल सेवाओं के माननीय मंत्री, डॉ. पलानिवेल थियागा राजन ने 17 फरवरी, 2024 को टीटीजे ऑडिटोरियम, आईसी और एसआर बिल्डिंग, आईआईटी मद्रास में आयोजित कार्यक्रम में चीफ पीपुल ऑफिसर और सीएसआर हैड श्री किशोर संबाशिवम को पुरस्कार प्रदान किया। अनूठी और स्वदेशी सीएसआर पहल भारत संजीवनी के तहत ग्रामीण किसानों के दरवाजे पर पशुधन देखभाल संबंधी सेवाएं प्रदान की जाती हैं। 'डॉक्टर-एट-डोरस्टेप' एप्रोच के साथ अपनी तरह के पहले मोबाइल ऐप-आधारित प्लेटफॉर्म का उपयोग किया जाता है जहां कोई भी किसान टोल-फ्री नंबर पर कॉल कर सकता है और पशुधन उपचार, आपातकालीन देखभाल, टीकाकरण, कृत्रिम गर्भाधान और पोषण के लिए जरूरी सेवाओं का लाभ उठा सकता है। ये सेवाएं एक निर्धारित समय सीमा में प्रदान की जाती हैं।

## अनुष अगरवल्ला ने घुड़सवारी में पेरिस ओलंपिक कोटा हासिल किया

● एशियन गेम्स में जीत चुके हैं घुड़सवारी की ड्रेसाज इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल

**नईदिल्ली (एजेंसी)।** एशियन गेम्स के मेडलिस्ट अनुष अगरवल्ला ने घुड़सवारी की ड्रेसाज इवेंट में देश के लिए पेरिस ओलिंपिक कोटा हासिल कर लिया है। भारतीय घुड़सवारी महासंघ ने सोमवार को इसकी घोषणा की। अनुष ने पिछले साल चीन के हांगझोउ में हुए एशियन गेम्स में ड्रेसाज में ब्रॉन्ज मेडल जीता था।

**आईईएफ महासचिव कर्नल जयवीर सिंह ने बधाई दी** – भारतीय घुड़सवारी संघ के महासचिव कर्नल जयवीर ने अनुष के कोटा हासिल की जानकारी देते हुए कहा कि ड्रेसाज के इंडिविजुअल इवेंट में कोटा की जानकारी इंटरनेशनल फेडरेशन फॉर इक्वेस्ट्रियन स्पोर्ट्स (एफईआई) से मिली है। यह गर्व की बात है कि अनुष को यह कोटा एफईआई के आयोजित इवेंट में लगातार बेहतर प्रदर्शन के आधार पर मिला है। अनुष को इसके लिए बधाई।

**अनुष को चार इवेंट में प्रदर्शन के आधार पर मिला कोटा** – अनुष को इस साल पेरिस में होने वाले ओलिंपिक गेम्स के लिए कोटा चार इवेंट के आधार पर मिला है। उन्हें इंटरनेशनल फेडरेशन फॉर इक्वेस्ट्रियन स्पोर्ट्स के पोलैंड, नीदरलैंड्स, जर्मनी और बेल्जियम में आयोजित प्रतियोगिता में उनके प्रदर्शन के आधार पर मिला है।

**अनुष बोले- बचपन का सपना था, ओलिंपिक का हिस्सा बनना** – ओलिंपिक कोटा हासिल करने के बाद 24 साल के अनुष ने कहा कि बचपन से मेरा सपना था कि मैं ओलिंपिक गेम्स का हिस्सा बनूं। कोटा मिलने से मेरा सपना पूरा होगा।

**अनुष से पहले भी 7 घुड़सवार ओलिंपिक में कर चुके हैं देश का प्रतिनिधित्व** – अनुष से पहले 7 घुड़सवार ओलिंपिक में देश का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। इससे पहले फवाद मिर्जा ने टोक्यो 2020 ओलंपिक में घुड़सवारी में भारत का प्रतिनिधित्व किया था। वहीं इम्तियाज अनीस (सिडनी 2000), इंद्रजीत लांबा (अटलांटा 1996), जितेंद्रजीत सिंह अहलूवालिया, हुसैन सिंह, मोहम्मद खान और दरिया सिंह (सभी मॉस्को 1980) ने भारत का प्रतिनिधित्व किया था।

## नासिर हुसैन ने बेन डकेट के बयान की आलोचना की, बोले

**यशस्वी जायसवाल ने आपसे कुछ नहीं सीखा, इंग्लैंड को उनसे सीखना चाहिए**

**लंदन (एजेंसी)।** इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने बेन डकेट के बयान की आलोचना की है। इंग्लिश टीम के ओपनर डकेट ने यशस्वी की पारी पर कहा था कि इंग्लैंड के बैजबॉल को देखकर ही भारतीय खिलाड़ी भी तेज खेल रहे हैं।

इस पर नासिर हुसैन ने स्काई स्पोर्ट्स के पॉडकास्ट शो में कहा, यशस्वी जायसवाल ने तुमसे कुछ नहीं सीखा है, उसने अपने जीवन की कठिनाइयों से सीखा है। उसने इंडियन प्रीमियर लीग से सीखा है। इंग्लैंड की टीम को उनसे (यशस्वी जायसवाल) से सीखना चाहिए।

**यशस्वी के तेज खेलने का क्रेडिट हमें जाना चाहिए- डकेट** – यशस्वी तीसरे मैच के तीसरे दिन दूसरी पारी में बैक इंजरी की वजह से अपने 104 रन के स्कोर पर रिटायर्ड हर्ट हो गए थे। हालांकि, यशस्वी दूसरी पारी के चौथे दिन फिर बैटिंग करने उतरे और नाबाद 214 की पारी खेली। तीसरे दिन का खेल खत्म होने के बाद डकेट ने कहा, उन्होंने (यशस्वी) जिस अंदाज में बल्लेबाजी की उसका श्रेय इंग्लैंड की टीम को जाना चाहिए। क्योंकि इंग्लैंड की (बैजबॉल) बल्लेबाजी को देखकर ही उन्होंने तेजी से रन बनाने का सोचा, जिसमें वो सफल रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, जब आप विपक्षी टीम के खिलाड़ियों को इस तरह से बैटिंग करते देखते हैं, तो ऐसा लगता है कि हमें कुछ क्रेडिट लेना चाहिए। वे टेस्ट क्रिकेट

खेलने के तरीके से अलग खेल रहे हैं।

**इंग्लैंड टीम चौथी पारी में 122 रन ही बना सकी** – टीम इंडिया ने रविवार को राजकोट टेस्ट रिकॉर्ड 434 रन से जीत लिया। मैच के चौथे दिन 557 रन के टारगेट के सामने इंग्लैंड टीम चौथी पारी में 122 रन ही बना सकी। रन के अंतर से टीम इंडिया की यह सबसे बड़ी जीत रही। इससे पहले टीम ने 2021 में मुंबई के वानखेड़े मैदान पर न्यूजीलैंड को 372 रन से हराया था। निरंजन शाह स्टेडियम में पहली पारी में भारत ने 445 और इंग्लैंड ने 319 रन बनाए थे। भारत ने दूसरी पारी 430/4 पर डिक्लेयर की थी। भारत पांच मैचों की पारी में 2-1 से आगे है।

**क्या होता है बैजबॉल**– क्रिकेट बुक में कोई ऑफिशियल बैजबॉल थ्योरी नहीं है, लेकिन इसे इंग्लैंड की टेस्ट टीम के नए अटैकिंग अप्रोच को दर्शाने के लिए नाम दे दिया गया। बैजबॉल 2 शब्दों से मिलकर बना है, इसमें बैज और बॉल शामिल हैं। बैज इंग्लैंड की टेस्ट टीम के हेड कोच ब्रेंडन मैक्कुलम का निकनेम है और बॉल क्रिकेट का एक एलिमेंट, जिसके बिना खेल पॉसिबल ही नहीं है। इन दोनों शब्दों को मिलाकर बैजबॉल बनाया गया। मैक्कुलम न्यूजीलैंड के पूर्व क्रिकेटर हैं और वे अपने करियर के दौरान बहुत अटैकिंग बैटिंग करते थे। ओपनिंग करते हुए वे पहली से आखिरी बॉल तक बड़े शॉट्स लगाने पर ही फोकस करते थे। उन्हीं की स्ट्रैटजी को अब बेन स्टोक्स की कप्तानी वाली इंग्लैंड टेस्ट टीम ने अपना लिया।

## वानिंदु हसरंगा के टी-20 में 100 विकेट पूरे

**मलिंगा का रिकॉर्ड तोड़ा, एलीट लिस्ट में हुए शामिल**

**दांबुला (एजेंसी)।** श्रीलंकाई स्पिन सनसनी वानिंदु हसरंगा 100 टी20आई विकेट लेने वाले दूसरे श्रीलंकाई बन गए हैं। हसरंगा ने टी20आई में 100 विकेट की बाधा को पार किया, इस मील के पत्थर तक पहुंचने वाले

कुल ग्यारहवें खिलाड़ी और लसिथ मलिंगा के बाद दूसरे श्रीलंकाई गेंदबाज बने। इसी के साथ ही उन्होंने टी20 आई में मलिंगा के सबसे तेज 100 विकेट लेने के रिकॉर्ड को तोड़ दिया है। लेग स्पिनर वर्तमान में टी20आई टीम के कप्तान हैं, ने दांबुला में अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरे टी20आई के दौरान यह उपलब्धि हासिल की। आईसीसी की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि हसरंगा ने 2019 में अपने पदार्पण के बाद से पुरुषों के टी20आई में किसी भी अन्य गेंदबाज की तुलना में अधिक विकेट लिए हैं। मलिंगा 100 से अधिक टी20आई विकेट लेने वाले एकमात्र अन्य श्रीलंकाई गेंदबाज हैं। जहां मलिंगा ने अपने 76वें टी20आई में यह उपलब्धि हासिल की, वहीं हसरंगा ने अपने 63वें टी20आई में ऐसा किया। इससे वह राशिद खान के बाद दूसरे सबसे तेज 100 टी20आई विकेट लेने वाले खिलाड़ी बन गए हैं जिन्होंने 2021 में 53 मैचों में यह उपलब्धि हासिल की थी। हसरंगा ने सोमवार को दांबुला में अपने चार ओवरों में 2/19 के आंकड़े के साथ समापन किया। अब उनके 63 टी20आई में 15.36 की औसत और 6.78 की इकॉनमी रेट से 101 विकेट हैं। श्रीलंका ने दूसरे टी20 मैच में अफगानिस्तान को हराकर तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की बढ़त बना ली है।

**'ये आजकल के बच्चे'**

## रोहित ने अलग अंदाज में यशस्वी, सरफराज और जुरेल की तारीफ की

**राजकोट (एजेंसी)।** टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा ने यशस्वी जायसवाल, सरफराज खान और ध्रुव जुरेल की अलग अंदाज में तारीफ की है। रोहित ने सोमवार, 19 फरवरी को तीनों युवा सितारों की फोटो इंस्टाग्राम स्टोरी में लगाई। फोटो पर ये आजकल के बच्चे कैप्शन लिखा है। भारत ने पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के तीसरे मुकाबले में इंग्लैंड को रिकॉर्ड 434 रन से हरा दिया। भारत की इस जीत में यशस्वी, सरफराज और जुरेल का काफी योगदान रहा। वहीं सरफराज और जुरेल का यह इंटरनेशनल डेब्यू मैच था।

**यशस्वी जायसवाल ने 214 रन की नाबाद पारी खेली, 12 सिक्स लगाए** – यशस्वी जायसवाल ने तीसरे टेस्ट के दूसरी पारी में नाबाद 214 रन की पारी खेली। इस इनिंग्स में उन्होंने 12 सिक्स लगाए, जो किसी भी भारतीय द्वारा एक इनिंग में सबसे ज्यादा हैं। यशस्वी का इस सीरीज में यह दूसरा दोहरा शतक था। उन्होंने सीरीज के पहले मैच में भी डबल सेंचुरी लगाई थी। यशस्वी ने अब तक केवल 7 ही टेस्ट खेले हैं। पिछले साल ही उन्होंने टेस्ट डेब्यू किया था।

**सरफराज ने डेब्यू मैच में दोनों इनिंग्स में अर्धशतक जमाए** – 26 साल के राइट हैंड बैटर सरफराज खान का यह पहला इंटरनेशनल मैच था। सरफराज ने डेब्यू मैच की दोनों इंनिंग्स में अर्धशतक जमाए। पहली इनिंग्स में उन्होंने 66 बॉल पर 62 रन की पारी खेली। रवींद्र जडेजा के साथ कन्फ्यूजन के चलते सरफराज रनआउट हो गए। 82वें ओवर की पांचवीं बॉल पर मिड ऑन की ओर शॉट खेलने के बाद जडेजा रन लेने के लिए आगे आए, सरफराज भी दूसरे छोर से दौड़ पड़े। जडेजा ने सरफराज को रन लेने के लिए मना किया, लेकिन जैसे ही सरफराज क्रीज की ओर वापस आ रहे थे, मार्क वुड ने डायरेक्ट थ्रो कर उन्हें रनआउट कर दिया।

**दूसरी पारी में सरफराज 68 रन बनाकर नाबाद लौटे**– सरफराज खान डेब्यू मैच की दोनों इनिंग्स में अर्धशतक लगाने वाले चौथे भारतीय बल्लेबाज बने। सरफराज से पहले, 1934 में इंग्लैंड के खिलाफ दिलवार हुसैन, 1971 में वेस्टइंडीज के खिलाफ सुनील गावस्कर ने और श्रेयस अय्यर ने 2021 में न्यूजीलैंड के खिलाफ डेब्यू पर दो बार 50 से ज्यादा का स्कोर बनाया था।

**जुरेल ने 46 रन की पारी खेली** – 23 साल के विकेटकीपर बैटर ध्रुव जुरेल ने राजकोट में टेस्ट डेब्यू किया। जुरेल टेस्ट में डेब्यू करने वाले 312वें खिलाड़ी रहे। जुरेल ने भी इस मुकाबले में 46 रन की पारी खेली। उन्होंने विकेटकीपिंग में अहम योगदान दिया। पहली पारी में रवींद्र जडेजा की बॉल पर टॉम हार्टले को स्टंप आउट किया। दूसरी पारी में भी जडेजा की ही बॉल पर बेन फॉक्स को स्टंप आउट किया। वहीं बेन डकेट को मोहम्मद सिराज के थ्रो पर रन आउट कराया।

## विमेंस प्रीमियर लीग के ओपनिंग सेरेमनी में परफॉर्म करेंगे सिद्धार्थ-कार्तिक

**23 फरवरी को शुरू होगा लीग, सीजन-1 की फाइनलिस्ट मुंबई-दिल्ली कैपिटल्स के बीच पहला मुकाबला**

**मुंबई (एजेंसी)।** बॉलीवुड एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा और कार्तिक आर्यन विमेंस प्रीमियर लीग 2024 के ओपनिंग सेरेमनी में परफॉर्म करेंगे। डब्ल्यूपीएल ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। सेरेमनी 23 फरवरी को बेंगलुरु में मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स के मैच से पहले शाम 6-30 बजे होगी। डब्ल्यूपीएल के दूसरे सीजन के सभी 22 मैच बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम और दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में होंगे। दोनों ही शहरों में 11-11 मैच खेले जाएंगे।

**पहले सीजन में कियारा, कृति और एपी ढिल्लों परफॉर्म किए थे** – पहले सीजन यानी 2023 डब्ल्यूपीएल में बॉलीवुड एक्ट्रेस कियारा आडवाणी, कृति सेनन और हिप-हॉप सिंगर एपी ढिल्लों परफॉर्म किए थे।

**शाम 7.30 बजे से शुरू होंगे सभी मुकाबले** – डब्ल्यूपीएल के सीजन-2 में 23 फरवरी से 4 मार्च तक शुरुआती 11 मुकाबले बेंगलुरु में होंगे। इसके बाद 5 से 17 मार्च तक बाकी 11 मुकाबले दिल्ली में खेले जाएंगे। एक दिन में एक ही मैच होगा और सभी मुकाबले शाम 7-30 बजे से शुरू होंगे। 13 मार्च को दिल्ली कैपिटल्स और गुजरात जायंट्स के बीच दिल्ली में आखिरी लीग मैच होगा। 14 और 16 मार्च को एक-एक दिन का ब्रेक रहेगा। जबकि 15 मार्च को एलिमिनेटर और 17 मार्च को फाइनल खेला जाएगा।

● **टॉप पर रहने वाली टीम सीधे फाइनल खेलेगी** – डब्ल्यूपीएल के दूसरे सीजन में भी 5 टीमें हिस्सा ले रही हैं। सभी टीमें एक-दूसरे के खिलाफ 2-2 लीग मैच खेलेंगी। लीग स्टेज खत्म होने के बाद पॉइंट्स टेबल में पहले नंबर पर रहने वाली टीम फाइनल में पहुंचेगी। वहीं दूसरे और तीसरे नंबर पर रहने वाली टीम के बीच दिल्ली में एलिमिनेटर खेला जाएगा। इसे जीतने वाली टीम 17 मार्च को पहले नंबर पर रहने वाली टीम के खिलाफ फाइनल खेलेगी।

● **मुंबई ने दिल्ली को हराकर जीता था सीजन-1 का खिताब** – विमेंस प्रीमियर लीग का पहला सीजन 2023 में 4 से 26 मार्च के बीच खेला गया। मुंबई इंडियंस ने फाइनल में दिल्ली कैपिटल्स को हराकर खिताब जीता था। मुंबई की कप्तानी हरमनप्रीत कौर और दिल्ली की मेग लेनिंग ने की थी। पहले सीजन में 5 टीमों ने हिस्सा लिया था, दूसरे सीजन में भी 5 ही टीमें हिस्सा लेंगी।

## महिलाओं के लिए भारत में रहना मुश्किल

**भारतीय महिला हॉकी कोच शोपमैन ने कहा - महिला कोच और प्लेयर्स के साथ भेदभाव होता है**

**नईदिल्ली (एजेंसी)।** भारतीय महिला हॉकी टीम की पहली महिला कोच जेनेक शोपमैन ने खुलासा किया कि उन्हें अपने कार्यकाल के दौरान कितनी चुनौतियों का सामना करना पड़ा।

भारतीय महिला टीम के कोच के रूप में अपने अनुभवों के बारे में इंडियन एक्सप्रेस से शोपमैन बात करते हुए, पिछले दो सालों में मुझे बहुत अकेलापन महसूस हुआ। भारत महिलाओं के लिए बहुत मुश्किल देश है। मैं उस संस्कृति से आती हूं जहां महिलाओं का सम्मान किया जाता है और उन्हें महत्व दिया जाता है। मुझे यहां ऐसा महसूस नहीं होता।

रविवार को एफआईएच प्रो लीग में अमेरिका के खिलाफ मैच के बाद, शोपमैन ने भारत में खेल में जेंडर से जुड़ी असमानता पर बात की। उन्होंने एक महिला के रूप में अपनी भूमिका में आने वाली दिन-प्रतिदिन की मुश्किलों पर अपनी निराशा व्यक्त की।

**विमेंस और मेंस टीम के साथ अलग व्यवहार होता है- शोपमैन** – शोपमैन ने कहा कि,?मैं इस अंतर को देखती हूं कि मेरे और मेंस कोच के साथ अलग व्यवहार किया जाता है। यहां तक की मेंस टीम और विमेंस टीम को भी अलग ट्रीटमेंट मिलता है। विमेंस प्लेयर्स कभी शिकायत नहीं करती, वे बहुत मेहनत करती है। शोपमैन नीदरलैंड की खिलाड़ी रह चुकी है। उन्होंने टीम के साथ ओलिंपिक 2004 में सिल्वर और 2008 में गोल्ड जीता था।

**2020 में भारतीय टीम में शामिल हुई शोपमैन** – जेनेक शोपमैन 2020 में भारतीय टीम मे बतौर एनालिटिकल कोच शामिल हुई थी। टोक्यो ओलिंपिक्स के बाद वे टीम की हेड कोच बन गई। शॉपमैन की कोचिंग में भारतीय महिला हॉकी टीम के प्रदर्शन में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला। हेड कोच बनने के बाद, शोपमैन ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में टीम को ब्रॉन्ज जिताया। वहीं, एशियन गेम्स 2022 में ब्रॉन्ज, एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में गोल्ड और मस्कट में 2022 एशिया कप में एक और ब्रॉन्ज दिलाया।

## आईपीएल 2024 की तारीख आई सामने

**अध्यक्ष अरुण धूमल ने बताया 22 मार्च शुरू होगा टूर्नामेंट**

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का आगामी चरण 22 मार्च से शुरू होगा और लोकसभा चुनावों के बावजूद इसका आयोजन पूरी तरह से देश में ही होगा। आईपीएल के अध्यक्ष अरुण धूमल ने यह जानकारी दी। आम चुनाव के अप्रैल और मई में होने की संभावना है और यही कारण है कि आईपीएल के 17वें सत्र का कार्यक्रम अभी तक जारी नहीं किया गया है। धूमल ने कहा कि शुरुआत में इस लीग के केवल पहले 15 दिनों के कार्यक्रम की घोषणा की जाएगी। बाकी मैचों के कार्यक्रम की घोषणा आम चुनाव की तारीखों की घोषणा के बाद होगी। लोकसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा अगले महीने की शुरुआत में होने की संभावना है। धूमल ने कहा, 'हम टूर्नामेंट को 22 मार्च से शुरू करने की योजना बना रहे हैं। हम

सरकारी एजेंसियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। हम सबसे पहले शुरुआती कार्यक्रम जारी करेंगे। पूरा टूर्नामेंट भारत में आयोजित किया जाएगा। इससे पहले 2009 में आम चुनावों के दौरान आईपीएल के पूरे सत्र का आयोजन दक्षिण अफ्रीका में हुआ था जबकि 2014 में इसके कुछ मैचों का आयोजन यूएई में हुआ था। इसके बाद 2019 के आम चुनावों के दौरान इस लीग का आयोजन पूरी तरह से देश में ही हुआ था। जून में होने वाले टी20 विश्व कप के मद्देनजर आईपीएल के फाइनल का आयोजन 26 मई को हो सकता है। भारतीय टीम टी20 विश्व कप में पांच जून को न्यूयॉर्क में आयरलैंड के खिलाफ अपने अभियान का आगाज करेगी। इस टूर्नामेंट का आगाज एक जून को अमेरिका और कनाडा के मैच के साथ होगा। आमतौर पर आईपीएल का उद्घाटन मैच पिछले साल के विजेता और उपविजेता के बीच होता है। ऐसे में इसका शुरुआती मुकाबला चेन्नई सुपर किंग्स और गुजरात टाइटंस के बीच खेले जाने की संभावना है।

## आज नीदरलैंड के खिलाफ बढ़े जोश के साथ उतरेगी भारतीय टीम

**राउरकेला (एजेंसी)।** एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2023-24 के भुवनेश्वर चरण में शानदार प्रदर्शन करने वाली भारतीय टीम बुधवार को यहां नीदरलैंड के खिलाफ बढ़े मनोबल के साथ जीत के इरादे से मैदान पर उतरेगी। भारत ने भुवनेश्वर में स्पेन पर 4-1 की शानदार जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की, इसके बाद दुनिया की शीर्ष रैंकिंग वाली टीम नीदरलैंड के खिलाफ शूटआउट में 2-2 (4-2) की रोमांचक जीत हासिल की। इसके बाद, भारत को ऑस्ट्रेलिया से 4-6 से हार का सामना करना पड़ा, लेकिन उसने आयरलैंड पर 1-0 की जीत के साथ वापसी की और भुवनेश्वर चरण का समापन शानदार तरीके से किया। राउरकेला चरण में आगे बढ़ते हुए भारत ने एक करीबी मुकाबले में स्पेन के खिलाफ 2-2 (8-7) शूटआउट जीत हासिल करके लय को बरकरार रखा है। बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम में प्रो लीग के रिवर्स लेग में भारत अपने अगले मैच में नीदरलैंड से भिड़ने के लिए तैयार है। भारतीय पुरुष हॉकी टीम अपने पिछले दो मुकाबलों में नीदरलैंड के खिलाफ विजयी रही है।

## आनंद महिंद्रा ने सरफराज के पिता को थार ऑफर की

**कहा - हिम्मत नहीं छोड़ना, सरफराज ने राजकोट में किया टेस्ट डेब्यू**

**मुंबई (एजेंसी)।** राजकोट में इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट में भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू करने के साथ ही सरफराज खान का लंबा इंतजार खत्म हो गया। भारतीय टीम के लिए सरफराज ने पहला इंटरनेशनल मैच उनके पिता नौशाद के सामने आया, जो क्रिकेटर की सबसे बड़ी प्रेरणा बने हुए हैं। इसी बीच महिंद्रा ग्रुप के चेयरमेन आनंद महिंद्रा ने सरफराज के पिता को थार जीप ऑफर की है। आनंद महिंद्रा ने शुक्रवार को सरफराज पर बीसीसीआई के एक वीडियों पर रिएक्ट करते हुए एक्स पर लिखा - हिम्मत नहीं छोड़ना, बस। कड़ी मेहनत, साहस और धैर्य, एक पिता के लिए एक बच्चे में प्रेरणा देने के लिए इससे बेहतर गुण और क्या हो सकते हैं? एक प्रेरणादायक माता-पिता होने के नाते, यह मेरा सौभाग्य और सम्मान होगा अगर नौशाद खान थार का गिफ्ट स्वीकार करें।

**सरफराज ने डेब्यू मैच में दोनों इनिंग्स में अर्धशतक जमाए** – सरफराज खान ने डेब्यू मैच की दोनों इंनिंग्स में अर्धशतक जमाए। पहली इनिंग्स में उन्होंने 66 बॉल पर 62 रन की पारी खेली। रवींद्र जडेजा के साथ कन्फ्यूजन के चलते सरफराज रनआउट हो गए। 82वें ओवर की पांचवीं बॉल पर मिड ऑन की ओर शॉट खेलने के बाद जडेजा रन लेने के लिए आगे आए, सरफराज भी दूसरे छोर से दौड़ पड़े। जडेजा ने सरफराज को रन लेने के लिए मना किया, लेकिन जैसे ही सरफराज क्रीज की ओर वापस आ रहे थे, मार्क

वुड ने डायरेक्ट थ्रो कर उन्हें रनआउट कर दिया। दूसरी पारी में सरफराज 68 रन बनाकर नाबाद लौटे।

**डेब्यू में दोनों पारियों में अर्धशतक जमाने वाले चौथे भारतीय बने सरफराज** – सरफराज खान डेब्यू मैच की दोनों इनिंग्स में अर्धशतक लगाने वाले चौथे भारतीय बल्लेबाज बने। सरफराज से पहले, 1934 में इंग्लैंड के खिलाफ दिलवार हुसैन, 1971 में वेस्टइंडीज के खिलाफ सुनील गावस्कर ने और श्रेयस अय्यर ने 2021 में न्यूजीलैंड के खिलाफ डेब्यू पर दो बार 50 से ज्यादा का स्कोर बनाया था।

**महिंद्रा अक्सर खिलाड़ियों को देते है थार, गिल-शार्दूल को दे चुके** – आनंद महिंद्रा भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले कई एथलीट को थार गिफ्ट कर चुके हैं। इसमें शुभमन गिल, मोहम्मद सिराज, नवदीम सैनी, शार्दूल ठाकुर, वॉशिंगटन सुंदर और टी नटराजन शामिल है।थार की बात करें तो सेकंड जनरेशन महिंद्रा थार भारतीय बाजार में एक लोकप्रिय एसयूवी बन चुकी है। नई थार ने अपने लुक-स्टाइल और फीचर्स लिस्ट की बदौलत लोगों का ध्यान आकर्षित करती हैं। लॉन्च होने के बाद इसे काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिला था। थार की बात करें तो सेकंड जनरेशन महिंद्रा थार भारतीय बाजार में एक लोकप्रिय एसयूवी बन चुकी है। नई थार ने अपने लुक-स्टाइल और फीचर्स लिस्ट की बदौलत लोगों का ध्यान आकर्षित करती हैं। लॉन्च होने के बाद इसे काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिला था।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के ऑन करें
www.pratahkiran.com | epaper.pratahkiran.com
@Pratahkiran | @Pratahkiran



## संक्षिप्त समाचार

### अजमेर के सेंट्रल जेल में दो कैदियों का खून खेल, एक कैदी की मौत

**अजमेर , एजेंसी।** राजस्थान के अजमेर जिले की हाईटेक सेंट्रल जेल में विचाराधीन कैदी ने साथी के साथ जेल प्रहरी पर नुकीले सरिए से जानलेवा हमला कर दिया। घायल प्रहरी को अस्पताल में भर्ती करवाने के 4 घंटे बाद हमले के आरोपी संक्रामक रोगी श्रवण सोनी की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। दोपहर में सेंट्रल जेल के वार्ड 9 की कोठरी में आजीवन कारावास की सजा काट रहे कैदी जयपुर निवासी श्रवण सोनी व विचाराधीन बंदी उदयपुर निवासी फरद्दीन उर्फ गांजा ने हैडकांस्टेबल राजेश विश्नोई को टीवी ठीक करने बुलाया। पुलिस के अनुसार वार्ड में पहुंचे राजेश को फरद्दीन ने पीछे से दबोच लिया। इसी बीच श्रवण ने नुकीले सरिए से ताबड़तोड़ हमला कर लहूलुहान कर दिया। राजेश के वायरलेस सेट अलार्म बजाते ही जेल के बाकी प्रहरी मौके पर पहुंच गए। उन्होंने राजेश को जेएलएन अस्पताल पहुंचाया। जेल प्रशासन की रिपोर्ट पर सिविल लाइन थाना पुलिस ने कैदी श्रवण सोनी और फरद्दीन के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। शाम 6 बजे कैदी श्रवण को जेल प्रहरी जेएलएन अस्पताल की आपातकालीन इकाई में लेकर पहुंचे। जहां चिकित्सकों ने सीपीआर दिया। लेकिन उसकी मौत हो चुकी थी। सूचना से पुलिस प्रशासन में हड़कम्प मच गया। एएसपी (शहर) महमूद खान सहित अन्य पुलिस अधिकारी पहुंचे। शव निरीक्षण करने के बाद मोर्चरी में रखवाया।

### प्रधानमंत्री मोदी से मिले पंजाब के पूर्व सीएम कैप्टन अमरिंदर

**चंडीगढ़, एजेंसी।** पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर किसानों से जुड़े मुद्दों सहित पंजाब से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर बातचीत की है। बताया जा रहा है कि अमरिंदर सिंह ने किसानों के आंदोलन से जुड़े मुद्दों और तथ्यों से प्रधानमंत्री मोदी को अवगत कराया। वहीं दोनों नेताओं के बीच आने वाले लोकसभा चुनाव की तैयारियों और पंजाब से जुड़े कई अहम मसलों पर भी चर्चा हुई। पंजाब के पूर्व सीएम कैप्टन अमरिंदर सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मुलाकात की तस्वीरों को शेयर करते हुए एक्स पर पोस्ट कर बताया, किसानों से जुड़े मुद्दों सहित पंजाब से जुड़े मुद्दों पर माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के साथ विस्तृत बैठक हुई।

### कांग्रेस नेता राहुल गांधी को सुल्तानपुर कोर्ट से मिली जमानत

**सुल्तानपुर, एजेंसी।** भाजपा के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह के खिलाफ कथित तौर पर अपमानजनक टिप्पणी से जुड़े मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर कोर्ट से जमानत मिल गई है। दरअसल, यह मामला राहुल गांधी द्वारा वर्ष 2018 में कांग्रेस के अधिवेशन में तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह के खिलाफ टिप्पणी करने से जुड़ा है, जिसमें राहुल गांधी ने कहा था कि कांग्रेस में कोई हत्यारा राष्ट्रीय अध्यक्ष नहीं बन सकता है। कांग्रेसजन किसी हत्यारा को राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वीकार नहीं कर सकते हैं। यह भाजपा में ही पॉसिबल है। नवीन झा ने राहुल गांधी के इस बयान के खिलाफ रांची सिविल कोर्ट में शिकायतवाद दर्ज कराई थी।

# कहीं उद्धव ठाकरे और कांग्रेस में तकरार, कुछ पर अड़े शरद पवार; एमवीए में 8 सीटों पर फंसा पेच

**मुंबई, एजेंसी।** लोकसभा चुनाव में कुछ महीनों का ही समय बाकी है और अब तक एमवीए यानी महाविकास अघाड़ी में सीट शेयरिंग पर बात नहीं बन सकी है। कहा जा रहा है कि महाराष्ट्र की 48 में से सिर्फ 8 सीटों पर पेच फंस रहा है। हालांकि, अब तक एमवीए के किसी भी दल की तरफ से इन सीटों को लेकर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। ईसीआई यानी भारत निर्वाचन आयोग फरवरी के अंत में या मार्च के पहले सप्ताह में तारीखों का ऐलान कर सकता है।

इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि 8 सीटों में अकोला, भंडारा-गोंदिया, हिंगोली, कोल्हापुर, मुंबई दक्षिण मध्य, मुंबई उत्तर पश्चिम, नाशिक, पुणे और वर्धा का नाम शामिल है। एमवीए में हाल ही में प्रकाश आंबेडकर की वंचित बहुजन अघाड़ी (वीबीए) की एंट्री हुई है। इसमें शामिल प्रमुख दल शिवसेना (यूबीटी), राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) और कांग्रेस हैं।

नाशिक- साल 2019 के लोकसभा चुनाव में यहां अविभाजित शिवसेना के हेमंत गोडसे ने एनसीपी के समीर भुजबल को हरा दिया था। अब गोडसे मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना और भुजबल डिप्टी सीएम अजित पवार की एनसीपी में हैं।

कोल्हापुर- खास बात है कि इस सीट अपने-अपने मजबूत कैडर के चलते तीनों दल दावा पेश कर रहे हैं। यहां बीते चुनाव में अविभाजित शिवसेना के संजय मांडलिक ने एनसीपी के धनंजय महाडिक को हराया था। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा जा रहा है कि यहां से छत्रपति शाहू महाराज के वंशज श्रीमंत शाहू छत्रपति को विपक्ष के उम्मीदवार के तौर पर उतारा जा सकता है। हालांकि, सूत्रों का कहना है कि वह किस चिह्न के साथ मैदान पर उतरेंगे, फिलहाल यह तय नहीं किया जा सका है।

मुंबई दक्षिण मध्य- कहा जा रहा है कि दादर को कवर करने के चलते यह सीट शिवसेना (यूबीटी) के लिए साख का विषय बन गई है। दरअसल, दादर में ही पार्टी का मुख्यालय था। साल 2019 में यहां से अविभाजित शिवसेना के राहुल शेवाले ने कांग्रेस के एकनाथ गायकवाड़ को डेढ़ लाख से ज्यादा मतों से हराया था। इसके बाद शेवाले शिंदे कैंप में शामिल हो गए। कहा जा रहा है कि इस सीट से मुंबई कांग्रेस की अध्यक्ष वर्षा गायकवाड़ टिकट की कोशिश में हैं। वहीं, शिवसेना (यूबीटी) किसी ऐसे उम्मीदवार को मैदान में उतारना चाहती है, जो शेवाले को हरा सके। मुंबई उत्तर पश्चिम- साल 2019 में यहां से अविभाजित शिवसेना के गजानन कीर्तिकार ने कांग्रेस के संजय निरुपम को हराया था। फिलहाल, कीर्तिकार शिवसेना में हैं, लेकिन उनके बेटे अमोल शिवसेना (यूबीटी) के ही साथ हैं और माना जा रहा है कि वह भी टिकट के दावेदार हो सकते हैं। जबकि, इस सीट से निरुपम फिर टिकट की मांग कर रहे हैं। खबर है कि ठाकरे ने पहले ही मुंबई दक्षिण मध्य और उत्तर पश्चिम की सीटों के लिए पर्यवेक्षकों का ऐलान कर दिया है।

### प्रियंका गांधी को अस्पताल से मिली छुट्टी, 24 को मुरादाबाद में भाई राहुल की यात्रा से जुड़ने की तैयारी

**मुरादाबाद , एजेंसी।** कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी को अस्पताल से छुट्टी मिल गई है। वह एक बार फिर अपने भाई राहुल गांधी का साथ देने के लिए उनकी भारत जोड़ो न्याय यात्रा से जुड़ेंगी। प्रियंका, 20 फरवरी को मुरादाबाद में इस यात्रा से जुड़ेंगी। न्यूज एजेंसी एएनआई ने सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी है। इससे पहले प्रियंका गांधी ने बीमार पड़ने की वजह से राहुल की भारत जोड़ो न्याय यात्रा में शामिल नहीं हो पा रही थीं। 16 फरवरी को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए उन्होंने इस पर अफसोस भी जताया था। तब प्रियंका ने लिखा था- मैं बड़े चाव से उत्तर प्रदेश में 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के पहुंचने का इंतजार कर रही थी, लेकिन बीमारी की वजह से मुझे आज ही अस्पताल में भर्ती होना पड़ा। स्वास्थ्य थोड़ा बेहतर होते ही मैं यात्रा में शामिल होउंगी। तब तक के लिए मैं, चंदौली-बनारस पहुंच रहे सभी यात्रियों, पूरी मेहनत से यात्रा की तैयारी में लगे उत्तर प्रदेश के मेरे सहयोगियों और प्यारे भाई को शुभकामनाएं देती हूं। बता दें कि पहले कांग्रेस सूत्रों ने बताया था कि प्रियंका गांधी चंदौली में यात्रा से जुड़ेंगी। इसी बीच शरीर में पानी की कमी और पेट में संक्रमण की शिकायत पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। इलाज के बाद अब वह स्वस्थ हैं और एक बार फिर भाई राहुल गांधी की न्याय यात्रा में शामिल होने की तैयारी में हैं। उधर, सोमवार को राहुल गांधी ने अमेठी से अपनी भारत जोड़ो न्याय यात्रा फिर से शुरू की। वहां उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में 40 साल में सबसे ज्यादा बेरोजगारी है।

## आधार कार्ड फेल हो रहे; बंगाल में अब नया बवाल

**कोलकाता, एजेंसी।** आधार कार्ड को लेकर पश्चिम बंगाल में बवाल मचा हुआ है। पिछले कुछ दिनों से तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) बंगाल के लोगों के आधार को निष्क्रिय करने के पीछे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की साजिश की बात कर रही है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने यह दावा किया कि भाजपा के नेतृत्व वाला केंद्र उनके राज्य के लोगों के आधार कार्डों को निष्क्रिय कर रहा है। ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र लिखकर इसके पीछे का कारण जानना चाहा। उन्होंने पीएम से पूछा कि अचानक अल्पसंख्यकों के आधार कार्ड अंधाधुंध निष्क्रिय क्यों हो रहे हैं। मैं आपसे ऐसे कदम का कारण जानना चाहूंगी। क्या यह सिर्फ पात्र लाभार्थियों को वंचित करने के लिए है या लोकसभा चुनाव से ठीक पहले बड़े पैमाने पर लोगों के बीच दहशत की स्थिति पैदा करने के लिए है। बता दें आधार मुद्दे को लेकर टीएमसी बीजेपी को शुरू से ही घेरती नजर आई है। वहीं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार सुबह दिल्ली में इस पर बैठक की। केंद्रीय आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णो वहां मौजूद थे।

# हिंसा मामले में हल्द्वानी के पेट्रोल पंपों पर रडार, वनभूलपुरा में जमकर चले थे 'बोतल बम'

**हल्द्वानी , एजेंसी।** हल्द्वानी हिसां के दौरान वनभूलपुरा में बड़ी संख्या में पेट्रोल बम का इस्तेमाल हुआ है। पुलिसकर्मियों को टारगेट कर उनपर पेट्रोल बम फेंके गए। हिंसा के दौरान पत्थरबाजी के साथ आगजनी से माहौल खराब हो गया था।

दंगाइयों को गिरफ्तार करने के साथ ही भड़की हिंसा के मामले में पुलिस ने शहर के पेट्रोल पंपों को भी जांच के दायरे में लिया है। हिंसा के दौरान आगजनी और पेट्रोल बम बनाने के लिए ईंधन कब और कहां-कहां से खरीदा गया, इसकी जांच की जा रही है। सभी पेट्रोल पंपों की उपद्रव से सात दिन पहले से लेकर उपद्रव वाले दिन तक की फुटेज खंगाली जा रही है। बीती आठ फरवरी को वनभूलपुरा हिंसा में पथराव के साथ-साथ क्षेत्र में आगजनी भी हुई थी। उपद्रवियों ने पेट्रोल बमों का भी इस्तेमाल किया था। वनभूलपुरा थाने को फूंकने में भी इनका इस्तेमाल किया था।

उपद्रवियों ने क्षेत्र के अलग-अलग हिस्सों में वाहनों को जलाकर हिंसा भड़काई। ऐसे में इतनी बड़ी मात्रा में ज्वलनशील पदार्थ उपद्रवियों के पास कब और कैसे पहुंचा, यह पुलिस जांच का अहम हिस्सा है। इसकी जांच के लिए पुलिस ने शहर भर के पेट्रोल पंप जांच के दायरे में लिए हैं। सूत्रों के मुताबिक, हल्द्वानी हिंसा के मास्टरमाइंड अब्दुल मलिक के कुछ परिचितों के पेट्रोल पंप संचालित होने का इनपुट भी पुलिस को मिला है। इस पहलू को ध्यान में रखते हुए पुलिस ने छानबीन शुरू कर दी है।

**बम के लिए पेट्रोल सप्लाई करने वाला हत्थे चढ़ा:** एसएसपी पीएन मीणा ने बताया कि हिंसा मामले में पुलिस ने जिस अरबाज नाम के आरोपी को गिरफ्तार किया है, उसके पास से नौ लीटर पेट्रोल बरामद हुआ है। अरबाज ने ही हिंसा के दौरान शहजाद और फैजान को पेट्रोल बम बनाने के लिए पेट्रोल सप्लाई किया था। इसके बाद से पेट्रोल सप्लाई को लेकर जांच और भी तेज हो गई है।

सभी पेट्रोल पंपों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज जांची जा रही है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, पेट्रोल पंप पर बोतल, गैलन के साथ-साथ एक ही दिन में बार-बार किसी दोपहिया अथवा चार पहिया वाहनों के एक ही या अलग-अलग पंपों पर पहुंचने की जांच की जा रही है। ऐसे वाहनों को चिह्नित कर पुलिस उनकी तलाश करेगी।

**हिंसा में बड़ी संख्या में पेट्रोल बम का इस्तेमाल:** हल्द्वानी के वनभूलपुरा की हिंसा में बड़ी संख्या में पेट्रोल बमों का इस्तेमाल किया गया। दबिश और गिरफ्तारी के दौरान पुलिस ने एक आरोपी के घर से भी पेट्रोल बम और दूसरे के पास से पेट्रोल भी बरामद हुआ है।

# एलेक्सी नवलनी की मौत पर पुतिन की जगह ट्रंप ने साधा बाइडन पर निशाना

**मॉस्को, एजेंसी।** रूस में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के मुखर आलोचक और प्रमुख विपक्षी नेता एलेक्सी नवलनी की जेल में मौत हो गई। उनकी पत्नी यूलिया नवलनया ने अपने पति की मौत के लिए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने एलेक्सी नवलनी से रूस को आजाद कराने के लिए उनके संघर्ष में साथ देने की अपील की। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने नवलनी की मौत के लिए पुतिन को जिम्मेदार ठहराया है। हालांकि, पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस मामले पर पुतिन की निंदा करने से परहेज कर लिया। ट्रंप ने नवलनी की रहस्यमय मौत को लेकर कहा कि वो रूस से राजनीतिक उत्पीड़न के शिकार हुए। वहीं, उन्होंने राष्ट्रपति जो बाइडन पर अमेरिका को बर्बाद करने का आरोप लगाया। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर कहा,÷नवलनी की अचानक हुई मौत ने मुझे इसके बारे में अधिक एहसास दिलाया कि देश में क्या हो रहा है। यह एक धीमी, स्थिर

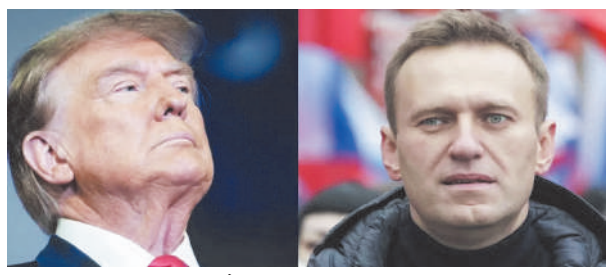

प्रगति है, जिसमें कुटिल, कट्टरपंथी वामपंथी राजनेता, अभियोजक और न्यायाधीश हमें विनाश के रास्ते पर ले जा रहे हैं।÷ एलेक्सी नवलनी की मौत के बाद पश्चिमी देशों ने राष्ट्रपति पुतिन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। जो बाइडन ने नवेलनी की मौत के लिए पुतिन को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि नवलनी के साथ जो हुआ है वह पुतिन की क्रूरता का एक और सबूत है। फ्रांस के विदेश मंत्री स्टीफन सेजॉर्न ने एलेक्सी नवलनी की मौत पर कहा कि जेल में बंद रूसी विपक्षी नेता एलेक्सी नवलनी को रूस की उत्पीड़न सिस्टम का विरोध करने के लिए अपने जीवन की कीमत चुकानी पड़ी है।

# रूस ने अवदीवका में कोक व रासायनिक संयंत्र पर किया नियंत्रण

**मॉस्को, एजेंसी।** देश के रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि रूसी सेना ने अवदीवका कोक और रासायनिक संयंत्र पर पूर्ण नियंत्रण कर लिया है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, सोमवार को कहा गया कि रूसी सेना ने अवदीवका शहर में कोक और रासायनिक संयंत्र को पूरी तरह से मुक्त करा लिया है।

इसमें कहा गया है कि रूसी सैनिकों ने यूक्रेनी सेना की 71वीं जैगर और 23वीं मैकेनाइज्ड ब्रिगेड के साथ-साथ डोनेट्स्क में 116वीं क्षेत्रीय रक्षा ब्रिगेड पर भी हमला किया। मंत्रालय के अनुसार, इस दिशा में यूक्रेन के 565 सैनिक मारे गए और घायल हुए। पिछले दिनों दो बख्तरबंद लड़ाकू वाहन, 23 मोटर वाहन, दो अमेरिका निर्मित एम777 हॉवित्जर और एक डी-30 हॉवित्जर नष्ट कर दिए गए।

# इमरान खान की बहन ने पाक अदालत में दायर की याचिका, जेल में बंद बुशरा बीबी की मेडिकल जांच की मांग

**इस्लामाबाद, एजेंसी।** जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की बहन ने इस्लामाबाद उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर उनकी पत्नी बुशरा बीबी की मेडिकल जांच की मांग की है। खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में आरोप लगाया है कि पूर्व प्रथम महिला को एक सप्ताह पहले केमिकल युक्त भोजन दिया गया था, जिससे उनका गला और पेट जल गया है।÷ पार्टी ने सोमवार को कहा कि 49 वर्षीय बुशरा खाने में असमर्थ हैं और अस्वस्थ हैं।÷ उन्होंने कहा कि अधिकारियों ने उन्हें चिकित्सा उपचार देने से वंचित कर दिया है। पार्टी ने दावा किया, ÷यह नाजायज, फासीवादी, सत्तावादी शासन द्वारा इमरान खान की पत्नी पर एक हमला था, जो खान पर दबाव डालने का एक व्यर्थ प्रयास था।÷ खान की बहन, उज्मा खान ने अदालत में याचिका दायर की कि शौकत खानम मेमोरियल अस्पताल के चिकित्सा निदेशक, गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट डॉ असीम यूसुफ को जेल के मेडिकल डॉक्टर की उपस्थिति में खान की पत्नी की मेडिकल जांच करने की अनुमति दी जाए। पार्टी ने अदालत में दायर याचिका की तस्वीरें भी साझा की, जिसमें कहा गया है, ÷यह प्रार्थना की जाती है कि यदि डॉ. असीम यूसुफ द्वारा सलाह दी जाती है, तो बुशरा बीबी की चिकित्सा जांच पीआईएमएस में डॉ. असीम यूसुफ की उपस्थिति में वरिष्ठ डॉक्टरों द्वारा की जाएगी।÷ पिछले हफ्ते पीटीआई ने बुशरा बीबी के स्वास्थ्य को लेकर चिंता व्यक्त की थी और दावा किया

था कि उनकी जान को गंभीर खतरा है।

पिछले महीने तोशखाना भ्रष्टाचार मामले में एक जवाबदेही अदालत द्वारा दंपती को 14 साल जेल की सजा सुनाए जाने के बाद से बुशरा बीबी जेल में हैं। 71 वर्षीय खान रावलपिंडी की उच्च सुरक्षा वाली अदियाला जेल में बंद हैं। इन दोनों को तोशखाना महंगे उपहार मामले और इद्दत मामले में कई वर्षों की सजा के साथ दोषी ठहराया गया है, जिसने 2018 में उनकी शादी को गैर-इस्लामिक घोषित किया था। समाचार एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, 8 फरवरी के आम चुनावों में, खान की पार्टी द्वारा समर्थित 92 स्वतंत्र उम्मीदवार नेशनल असेंबली में विजयी हुए थे। सोमवार को, पीटीआई ने घोषणा की कि वे दक्षिणपंथी सुन्नी इत्तेहाद परिषद में शामिल होंगे, जो मुस्लिम-बहुल देश में इस्लामी राजनीतिक और धार्मिक दलों का गठबंधन है और सुन्नी इस्लाम के स्कूल के अनुयायियों का प्रतिनिधित्व करता है। पार्टी ने पहले फैसला किया था कि नेशनल असेंबली और पंजाब प्रांतीय असेंबली के लिए चुने गए उसके सदस्य शिया पार्टी मजलिस वहदत-ए-मुस्लिमीन (एमडब्ल्यूएम) में शामिल होंगे। खैबर-पख्तूनख्वा (केपी) में चुने गए लोग जमाती-ए-इस्लामी (जेआई) का हिस्सा बन जाएंगे। खान की पार्टी, जो चुनावी चिह्न - क्रिकेट का बल्ला आवंटित न होने के कारण सीधे चुनाव में भाग नहीं ले सकती थी।

### यूरोपीय संघ ने की गाजा में तत्काल युद्धविराम की मांग, 27 में से 26 देश हुए राजी; रफा शहर को लेकर की ये अपील

**एएफपी, ब्रुसेल्स, एजेंसी।** इजरायल और हमास के बीच जारी संघर्ष में अब तक 29 हजार से अधिक लोगों की मौत हो गई है। वहीं, इजरायल हमास के आतंकवादियों पर लगातार कार्रवाई कर रहा है। इस बीच, यूरोपीय संघ ने गाजा में तुरंत युद्धविराम की मांग की है। श्व के विदेश नीति प्रमुख जोसेप बोरेल ने कहा कि हंगरी को छोड़कर सभी 26 देशों ने एकजुटता दिखाई है। उन्होंने कहा कि 26 देशों के विदेश मंत्रियों ने गाजा में तत्काल मानवीय विराम के लिए एक बयान पर सहमति व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि इस बयान से गाजा में स्थायी युद्धविराम को भी बल मिलेगा। वहीं, यूरोपीय संघ ने एक बार फिर इजरायल से अपने आह्वान दोहराया को दोहराया कि वह राफा शहर पर हमला न करें। मालूम हो कि यूरोपीय संघ में शामिल हंगरी इजरायल का कट्टर समर्थक है और उसने गाजा में मानवीय युद्धविराम को लेकर अपनी सहमति नहीं दी है। हंगरी समय-समय पर आलोचना के रूप में देखे जाने वाले यूरोपीय संघ के बयानों के साथ जाने से इनकार करता रहा है। मालूम हो कि हमास ने इजरायल पर सात अक्टूबर को अचानक हमला किया था।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129